धनबाद
मंगलवार 11.03.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-31 अंक-20 पृष्ठ- 12
फाल्गुन शुक्ल पक्ष-12
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

बाबूलाल ने लगाया स्पीकर पर सदन में राजनीति करने का आरोप, स्पीकर भी भड़के

रांची (एजेंसी): झारखंड विधान सभा के बजट सत्र के दौरान सोमवार को प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी और विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो सदन में ही उलझ गए। स्पीकर ने कहा कि राज्य के पहले सीएम रहे बाबूलाल मरांडी से वह अच्छे विचार की आक्षेप करते थे। लेकिन इन्होंने आसन पर ही आक्षेप लगा दिया।

आसन पर आक्षेप लगाने का इनका पहले से चरित्र रहा है। स्पीकर बाबूलाल मरांडी से कहते चले गए-आपसे भले ही मेरा विचार नहीं मिलता, लेकिन आपके प्रति भयंकर श्रद्धा थी। मामला भाजपा विधायक अमित यादव के सदन में दिए एक बयान पर भड़का। अमित यादव का कहना था कि उनके विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ईचाक के डुमरांव स्थित सरकारी स्कूल की बाउंड्री को गुंबद का स्वरूप दे दिया गया है। किसी स्कूल या उसकी बाउंड्री को मंदिर या मस्जिद का स्वरूप देना कहीं से उचित नहीं है। यह एक साल में नहीं किया गया। डीसी,डीएसई व सरकार के शीर्ष स्तर पर इसकी शिकायत किए जाने के बाद भी तीन साल में यह काम किया गया।

इस पर स्पीकर अमित यादव को नसीहत दी। उन्होंने कहा कि सदन में किसी बात को रखने से पहले सदस्य को उसके तथ्यों की जानकारी ले लेनी चाहिए। किसी बात को जेनेरेलाइज नहीं करना चाहिए। सदस्य सदन में इस तरह की बात नहीं करें। वह इसे टोलेरेट नहीं करेंगे। सदन को राजनीति का प्लेटफॉर्म नहीं बनाएं।

इसके बाद बाबूलाल मरांडी भी खड़े हो गए। उन्होंने स्पीकर को इंगित करते हुए कहा कि सत्ता पक्ष के मंत्री व सदस्यों को वह संरक्षण दे रहे हैं। विपक्ष को नहीं। गुंबद तोड़ने की भी बात हुई थी। एसडीओ भी गए थे। मथुरा में ▶▶ 8

डीएमके सांसद पर भड़क उठे लोकसभा अध्यक्ष बिरला, आपको सदन से बाहर करता हूं

स्पीकर ने रिजिजू से कहा कि इस मुद्दे पर प्रस्ताव लाइए

नई दिल्ली (ईएमएस): संसद में बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुवात हो चुकी है। सोमवार को लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला विपक्ष के एक सांसद पर भड़क उठे। उन्होंने सांसद को चेतावनी दी कि सदन मर्यादा से चलेगा। विपक्ष के साथ लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने केंद्र सरकार को भी सुनाया। लोकसभा स्पीकर ने संसदीय कार्यमंत्री से कहा सदन में प्रस्ताव लेकर आइए।

दरअसल लोकसभा में कार्यवाही के दौरान विपक्ष के सांसद प्रदर्शन कर रहे थे। तभी स्पीकर बिरला ने कहा कि ये व्यवहार ठीक नहीं है। मैं सभी को बोलने का मौका दे रहा हूं। आप लोग अपनी सीट पर बैठिए। तभी डीएमके सांसद दयानिधि मारन ने कहा कि वॉकआउट करुंगा। उन्होंने स्पीकर वन साइड-वनसाइड के नारे लगाए।

इस पर स्पीकर बिरला भड़क उठे। उन्होंने कहा कि ये रिकॉर्ड में नहीं है। अगर रिकॉर्ड में होता तब मैं आपके खिलाफ कार्रवाई करके सदन से बाहर कर देता। आप अपनी सीट पर जाकर रिकॉर्ड में यही बात बोलिए अभी कार्रवाई करके आपको सदन से बाहर करता हूं।

इसके बाद संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू सीट पर खड़े हुए। स्पीकर ने रिजिजू से कहा कि इस मुद्दे पर प्रस्ताव लाइए। संसद की मर्यादा से सदन चलेगा। अगर कोई सदन की मर्यादा का उल्लंघन करता है, तब उस पर कार्रवाई होगी ही होगी.. अगर सरकार प्रस्ताव नहीं लाना चाहती तब मुझे कार्रवाई करनी होगी।

इंटरनेशनल ड्रग तस्कर गिरफ्तार

तरनतारन (ईएमएस): तरनतारन पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग माफिया शहनाज सिंह उर्फ शॉन भिंडर को गिरफ्तार किया है, जिसकी तलाश अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई को भी काफी समय से थी। शहनाज सिंह ड्रग तस्करी करने वाले गिरोह का मुख्य सरगना था, जो कोलंबिया से अमेरिका और कनाडा में कोकीन की तस्करी करता था। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि अमेरिका में उसके कुछ साथियों को गिरफ्तार किया गया है।

अलीगढ़ में पकड़े गए चार बांग्लादेशी

अलीगढ़ (ईएमएस): अलीगढ़ की टप्पल पुलिस ने जट्टारी चौकी अंतर्गत नई बस्ती से महिला समेत चार बांग्लादेशी नागरिकों को १७ साल से अवैध रूप से रहते हुए गिरफ्तार किया है। इन्होंने अपने बेटों के फर्जी आधार कार्ड भी बनवाए। इनके पास से फर्जी आधार कार्ड के साथ तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। टप्पल पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर जट्टारी स्थित नई बस्ती से चार बांग्लादेशी नागरिकों को अवैध रूप से रहते हुए गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिकों से भारत आने के बारे में पूछा तो मकसूद खान पुत्र इब्राहिम ने बताया कि सभी बांग्लादेश में जिला जिसोर के गांव बांगडंगा बगरपाड़ा के रहने वाले हैं। वहां खेती का काम करते थे।

फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली (ईएमएस): मुंबई से न्यूयॉर्क जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-११९ को सोमवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिली। ८ घंटे ३७ मिनट की उड़ान के बाद फ्लाइट को मुंबई डायवर्ट कर दिया गया। फ्लाइट में १९ क्रू मेंबर्स समेत ३२२ यात्री सवार थे। एअर इंडिया ने बताया कि फ्लाइट के वॉशरूम में एक नोट मिला, जिसमें बम की धमकी दी गई थी।

गढ़वा में पटाखे की दुकान में लगी आग, दुकानदार समेत 5 की मौत

गढ़वा (एजेंसी): गढ़वा जिले के रंका थाना क्षेत्र स्थित गोदरमाना बाजार में सोमवार को एक पटाखे की दुकान में भीषण आग लग गई। इस हादसे में दुकानदार सहित पांच लोगों की जलकर मौत हो गई है। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है और स्थानीय लोगों में शोक की लहर दौड़ गई।

मिली जानकारी के अनुसार, सुबह करीब ११.३० बजे गोदरमाना बाजार के मेन रोड पर वनांचल ग्रामीण बैंक के पास स्थित कुश कुमार की पटाखों की दुकान में अचानक आग लग गई। यह आग इतनी भीषण थी कि इसके फैलने में कुछ ही समय लगा और पांच लोग इसकी चपेट में आ गए। इस हादसे में दुकानदार कुश कुमार और चार अन्य लोग जलकर अपनी जान गंवा बैठे। बताते हैं कि आग लगते ही चीख पुकार मच गई थी।

आग की सूचना मिलते ही छत्तीसगढ़ की सीमा स्थित रामानुजगंज से दमकल की टीम मौके पर पहुंची और काफी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक पांचों लोग जलकर मर चुके थे। इस घटना की सूचना मिलते ही रंका थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और शवों को दुकान से बाहर निकाला। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए गढ़वा अस्पताल भेज दिया है।

रिहायशी इलाके में पटाखे की दुकान कैसे खुली होगी जांच

रंका थाना अध्यक्ष ने कहा कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। घटना की जांच की जा रही है, और शवों की पहचान की जा रही है। साथ ही, रिहायशी इलाके में पटाखे की दुकान चलाए जाने को लेकर भी जांच की जाएगी, क्योंकि इस तरह की दुकानें रिहायशी इलाकों में चलाने के नियमों का उल्लंघन हो सकता है। हालांकि, आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। इस हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है और स्थानीय लोगों के लिए एक बड़ा आघात बन गया है। पुलिस प्रशासन घटना की गहन जांच कर रहा है, ताकि इस दर्दनाक हादसे के कारणों का ▶▶ 8

सीएम ने गढ़वा पटाखा दुकान में आग से हुई मौतों पर जताया दुख, कहा- मामले की जांच होगी

रांची (एजेंसी): गढ़वा जिले के रंका प्रखंड में पटाखा दुकान में आग लगने से ५ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति की प्रार्थना करते हुए शोकसंतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला प्रशासन इस पूरे मामले की जांच कर रहा है और हादसे के कारणों की गहराई से पड़ताल की जाएगी। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया है कि प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। गौरतलब है कि गढ़वा के रंका प्रखंड में एक पटाखा दुकान में अचानक आग लग गई, जिससे पांच लोगों की जान चली गई। इस घटना ने पूरे क्षेत्र को शोक में डाल दिया है। जिला प्रशासन मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुटा हुआ है।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल के घर ईडी की रेड, 30 लाख कैश मिला

बेटे चैतन्य से होगी पूछताछ, अधिकारियों से भिड़े कांग्रेसी

रायपुर (एजेंसी): छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रेड खत्म हो चुकी है। ईडी के अधिकारी भूपेश बघेल के निवास से बाहर निकल चुके हैं। ईडी की तरफ से भूपेश बघेल के बेटे को मंगलवार के दिन पूछताछ के लिए बुलाया गया है। ईडी के अधिकारी जैसे ही भूपेश बघेल के घर से बाहर निकले वैसे ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के जवानों के बीच जमकर झूमाझटकी हुई। पुलिस के जवानों ने मुश्किल से ईडी के अधिकारियों को भूपेश बघेल के घर से रवाना किया। इस दौरान ईडी की गाड़ी पर पत्थर भी फेंका गया। ईडी ने कथित ▶▶ 8

सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते और महंगाई राहत में बढ़ोतरी को मंजूरी मिलेगी

नई दिल्ली (ईएमएस): कैबिनेट इस हफ्ते केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में बढ़ोतरी को मंजूरी दे सकती है। यह जानकारी सरकारी कर्मचारी संघ मंचों के सदस्यों द्वारा दी गई। डीए और डीआर में संशोधन कैबिनेट के एजेंडे में होने की संभावना है। डीए और डीआर में होने वाली दो अर्धवार्षिक बढ़ोतरी में से एक की घोषणा आमतौर पर मार्च में की जाती है, जबकि दूसरी की घोषणा दिवाली से पहले अक्टूबर में की जाती है।

केंद्रीय सरकारी कर्मचारी एवं श्रमिक परिसंघ के अध्यक्ष रूपक सरकार ने कहा,कैबिनेट की अगली बैठक में वेतन वृद्धि की घोषणा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि डीए में वृद्धि संभवतः २ प्रतिशत होगी। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष कम बढ़ोतरी होने की संभावना है। अक्टूबर में डीए में ३ प्रतिशत तथा मार्च में ४ प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। पिछले साल अक्टूबर में ३ प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ डीए बढ़कर आधार वेतन का ५३ प्रतिशत हो गया था। अगर डीए में २ प्रतिशत की बढ़ोतरी होती है तो यह आधार वेतन का ५५ प्रतिशत हो जाएगा।

सरकार की ओर से इस साल जनवरी में आठवें वेतन आयोग को मंजूरी दी गई है। इससे केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी होगी। आयोग का औपचारिक गठन जल्द ही होने की उम्मीद है, जिसमें एक अध्यक्ष और कम से कम दो सदस्यों ▶▶ 8

राहुल गांधी ने झारखंड हाईकोर्ट से याचिका वापस ली

रांची (एजेंसी): कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट से अपनी याचिका वापस ले ली है। यह याचिका चाईबासा स्थित एमपी-एमएलए की विशेष अदालत द्वारा राहुल गांधी को सशरीर उपस्थित होने से छूट नहीं देने के खिलाफ दायर की गई थी। इस मामले की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत में हुई।

अदालत ने राहुल गांधी के अनुरोध को स्वीकार करते हुए याचिका वापस लेने की अनुमति प्रदान की। साथ ही, कोर्ट ने राहुल गांधी को अंतरिम राहत देते हुए चाईबासा की निचली अदालत में उनके खिलाफ चल रही कार्यवाही पर लगी रोक को समाप्त कर दिया।

यह मामला २०१८ का है, जब राहुल गांधी ने भाजपा के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। राहुल गांधी ने कांग्रेस के एक अधिवेशन में कहा था कि भाजपा में कोई भी हत्यारा अध्यक्ष बन सकता है, लेकिन कांग्रेस में ऐसा नहीं हो सकता। इस टिप्पणी को लेकर भाजपा के नेता प्रताप कटियार ने चाईबासा कोर्ट में शिकायत दायर की थी। बाद में यह मामला एमपी-एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया था।

२०२२ में चाईबासा एमपी-एमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था, लेकिन उनके द्वारा कोई संज्ञान नहीं लिया गया। फिर २७ फरवरी २०२४ को कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया। इसके बाद राहुल गांधी के वकील ने कोर्ट में आवेदन देकर सशरीर उपस्थित होने से छूट मांगी, लेकिन अदालत ने उनके आवेदन को खारिज करते हुए सशरीर उपस्थित होने का आदेश जारी किया था।

राहुल गांधी की ओर से हाईकोर्ट में अधिवक्ता दीपांकर राय और श्रेय मिश्रा ने इस मामले में बहस की।

NATIONAL HEALTH MISSION
स्वस्थ झारखण्ड सुखी झारखण्ड

परिवार कल्याण दिवस

प्रत्येक माह की 11 तारीख को
आयुष्मान आरोग्य मंदिर/शहरी स्वास्थ्य केंद्र/सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र
में परिवार नियोजन की सेवाएं
अवकाश की स्थिति में आगामी कार्य दिवस पर

परिवार कल्याण के लक्षित समूह-
- नव विवाहित दम्पत्ति
- एक बच्चे वाले योग्य दम्पत्ति
- जटिल गर्भावस्था वाली महिलाएं
- दो या दो से अधिक बच्चों वाले योग्य दम्पत्ति
- युवक–युवती

गतिविधियाँ
- परिवार नियोजन पर परामर्श
- अस्थायी विधियों का वितरण एवं अन्य परिवार नियोजन सेवाओं की उपलब्धता
- धात्री माता एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य संबंधी सलाह
- पोस्टर पेंटिंग एवं स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता
- आदर्श दम्पत्ति का सम्मान

जोड़ी जिम्मेदार जो प्लान करे परिवार

''विकसित भारत की नई पहचान,
परिवार नियोजन हर दम्पति की शान !''

परिवार नियोजन की विधियाँ
स्थायी विधियाँ
अस्थायी विधियाँ

फिक्स डे एप्रोच के तहत प्रत्येक सप्ताह के
मंगलवार या शुक्रवार को परिवार नियोजन की स्थायी विधियां उपलब्ध हैं।

अधिक जानकारी के लिए जिला अस्पताल अथवा नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र/ए.एन.एम./सी.एच.ओ./सहिया से सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड
स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार

104
108

PR 348196 (Health Med Edu and Family Welfare) 24-25

आपसी भाईचारे के साथ मनाएं होली का त्योहार

धनबाद (कासं) : उपायुक्त माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में होली एवं रमजान पर्व को लेकर सोमवार को जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक न्यू टाउन हॉल में हुई, जिसमे उपायुक्त ने कहा कि होली मिलजुलकर मनाने का पर्व है। रमजान का पवित्र महीना है। सभी लोग आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाएं। त्योहारों के दौरान जिले में शांति व्यवस्था बनाएं रखे। इसलिए संवेदनशील स्थानों में स्टेटिक फोर्स तैनात रहेगी। इसके अलावा विभिन्न इलाकों में मोबाइल पेट्रोलिंग जारी रहेगी।

उपायुक्त ने कहा कि होली पर डीजे बाजा बजाने पर पूरी तरह पाबंदी रहेगी। वहीं लाउडस्पीकर पर अश्लील गाना बजाने वालों पर प्रशासन द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त ने कहा कि बैठक के दौरान पानी, बिजली, साफ सफाई, स्ट्रीट लाइट सहित अन्य जो भी समस्याएं सामने आई है उसका समाधान करने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है। पानी की समस्या होने पर टोल फ्री नंबर १८००८९०४१६० पर सूचना दें। सूचना देने वाले को अपना होल्डिंग नंबर एवं वॉटर कनेक्शन नंबर दर्ज कराना होगा।

बैठक में सिटी एसपी अजीत कुमार ने कहा कि त्योहारों के दौरान विधि व्यवस्था बिगाड़ने

- हुड़दंगियों पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर
- अफवाह फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

वाले हुड़दंगियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। किसी भी तरह की समस्या आने पर तुरंत प्रशासन और थाना को सूचित करें। स्वयं फैसला नहीं लें। युवकों पर नजर रखे। समाज का अहित चाहने वालों की सूचना पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों को प्रशासन ने चिन्हित कर लिया है। ऐसे तत्वों को हिरासत में लिया जाएगा। सिटी एसपी ने लहरिया कट और खतरनाक तरीके से बाइक चलाने वालों की सूचना पुलिस को देने का आग्रह किया।

सिटी एसपी ने कहा कि त्योहारों के दौरान पुलिस का सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल एक्टिव रहेगा। सोशल मीडिया पर किसी तरह की अफवाहें फैलाने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से अफवाहों का समर्थन नहीं करने की अपील की। बैठक में राम गोपाल भुवानिया, महादेव हांसदा, रवींद्रनाथ धीवर, अजय नारायण लाल, अतह नवाज खान, शिवांशु श्रीवास्तव, एजाज अहमद, मोहम्मद सोहराब, सावित्री पांडेय, बैजनाथ यादव, मो एजाज अली, अशोक महतो, मो असाफक हुसैन, अजीत कुमार मिश्रा, अमनदीप सिंह सहित जिले के विभिन्न शांति समिति के सदस्यों ने अपने सुझाव रखें।

शांति समिति की बैठक समाप्त होने के बाद प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ अलग से बैठक कर विभिन्न पहलुओं पर दिशा निर्देश दिए गए।

बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा, सिटी एसपी अजीत कुमार, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, एडीएम सप्लाई जियाउल अंसारी, डीएसपी शंकर कामती, नौशाद आलम, एसडीपीओ निरसा रजत माणिक बाखला के अलावा विभिन्न अंचल के अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, थाना प्रभारी व शांति समिति के सदस्य मौजूद थे।

ललित कला में डीएवी मुनीडीह का अव्वल

पुटकी (ससे) : राष्ट्रीय स्तर की ललित कला प्रतियोगिता में डीएवी मुनीडीह का अव्वल स्थान रहा है। ललित कला विजुअल आर्ट्स बेंगलुरु संस्थान के द्वारा १७वीं राष्ट्रीय स्तर छात्र ललित कला प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इस भाग लिया था। जिसमें प्रथम स्थान असम राज्य की अद्रिका श्रीवास्तव झारखंड से डीएवी मुनीडीह की छात्रा कुमारी सुप्रीति एवं तीसरा स्थान पर तेलंगाना के ऋद्धि यादव को मिला। प्राचार्या इंदु प्रसाद ने कुमारी सुप्रीति को झारखंड राज्य

प्रतियोगिता में असम, झारखंड, कर्नाटक, तेलंगाना, गुजरात, गोवा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु के छात्रछात्राएं ने और विद्यालय का नाम रौशन करने के लिए प्रशंसा की और उनके अभिभावक को शुभकामनाएँ दी।

लोहार विकास मंच का होली मिलन समारोह संपन्न

धनबाद/निरसा (ससे) : लोहार विकास मंच निरसान्विरकुंडा ब्रांच द्वारा भव्य पारिवारिक सह होली मिलन समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मंच के अध्यक्ष लखी शर्मा ने किया। उन्होंने अपने अभिभाषण में कहा कि बहुत जल्द धनबाद लोहार विकास मंच द्वारा महाअधिवेशन किया जायेगा। जिसमें समाज के लोगों की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि समाज एकजुट रहे यह बहुत जरूरी है। समाज में शिक्षा और रोजगार की कमी है। हम सबको मिलकर इसे दूर करना है। उन्होंने आगे कहा कि मंच के बैनर तले कन्या विवाह का भी आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में आए गोपाल शर्मा ने कहा कि समाज एकजुट हो रहा है। यह बहुत बड़ी बात हैं। आसनसोल से आए डॉ प्रदीप कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि होली मिलन समारोह में आए समाज के लोगों का मैं धन्यवाद करता हूं। जिन्होंने इस कार्यक्रम के लिए समय निकाला। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अजय शर्मा, राजेश शर्मा, मुकेश विश्वकर्मा, मनोज शर्मा, संजय शर्मा, विवेक विश्वकर्मा, दयामय कर्मकार, विजय तथा सुरेंद्र आदि ने अपना योगदान दिया।

हनुमान चालीसा के दोहों से माहौल हुआ भक्तिमय

गोविन्दपुर (ससे) : श्री श्री पंचमुखी महावीर हनुमान मंदिर वास्तु विहार, कौआबांध की प्राण प्रतिष्ठा सोमवार को महाभिषेक, पूर्णाहुति, हवन एवं भंडारा के साथ हुई। भंडारा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद पाया। इस दौरान जय हनुमान ज्ञान गुण सागर, जय कपीस तिहुं लोक उजागर, रामदूत अतुलित बल धामा, अंजनी पुत्र पवनसुत नामा आदि हनुमान चालीसा के दोहों से माहौल भक्तिमय हो गया। इस आयोजन में मुख्य यजमान दुर्गा शंकर सिंह, नीतू सिंह, महिला समिति अध्यक्ष प्रीति सिंह, महासचिव आशा झा, शकुंतला मिश्रा, आशा सिंह, पूनम गुप्ता, नीरज गुप्ता, सतीश विश्वकर्मा, आनंद जायसवाल, डॉ आर सी के सिंह, संजय शाह, सुमित सभी कॉलोनी वासियों का योगदान रहा। समाज के सहयोग से इस मंदिर का निर्माण २ वर्षों में पूर्ण हुआ है।

प्रमंडलीय आयुक्त ने गोविंदपुर व धनबाद अंचल का किया निरीक्षण

धनबाद/गोविन्दपुर (कासं) : उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त पवन कुमार ने सोमवार को गोविंदपुर एवं धनबाद अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दोनों अंचल कार्यालयों में सेवा पुस्तिका, कैश बुक, म्यूटेशन के मामले तथा विभिन्न पंजियों का निरीक्षण किया।

दोनों अंचल कार्यालयों का निरीक्षण करने के बाद आयुक्त ने बताया कि सोमवार को सर्वर डाउन होने के कारण कई बिंदुओं का निरीक्षण नहीं हो पाया।

कहा कि उन्होंने अंचल अधिकारियों को नियत समय पर कार्यालय में उपस्थित रहने तथा दाखिल खारिज सहित अन्य मामलों का समय पर निष्पादन करने, त्रुटि रहित काम करने का निर्देश दिया है। वहीं लोगों से

अपील करते हुए कहा कि वे बिचौलियों से दूर रहें। व्यक्तिगत रूप से अंचल कार्यालय जाएं और अंचल अधिकारी से मिलकर अपना काम कराएं। आयुक्त ने कहा कि बिचौलियों को रोकने के लिए लोगों को जागरूक होना होगा और सहयोग करना होगा।

गोविंदपुर और धनबाद अंचल कार्यालय के निरीक्षण के दौरान आयुक्त के साथ अपर समाहर्ता विनोद कुमार मौजूद थे।

आयुक्त ने कहा कि गोविंदपुर एक महत्वपूर्ण अंचल है। यहां प्रतिमाह १ हजार से अधिक दाखिलखारिज के आवेदन आते हैं। सभी आवेदनों को जांच पड़ताल कर निष्पादन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता को अनावश्यक दौड़ाया नहीं जाए। राजस्व कर्मचारी नियमित अंचल कार्यालय और हल्का में बैठकर जनता का काम करें। उन्होंने कहा कि सोमवार को झारभूमि का पोर्टल काम नहीं कर रहा था, जिसके कारण वह ऑनलाइन दाखिलखारिज के लंबित रिजेक्ट ऑब्जेक्ट नहीं कर सके। उन्होंने सीओ को कई दिशानिर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निरीक्षण प्रतिवेदन जिला प्रशासन को भेजेंगे, जिस पर कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर अपर समाहर्ता विनोद कुमार व सीआई कुमार सत्यम भारद्वाज भी मौजूद थे।

जबकि गोविंदपुर अंचल कार्यालय में सीओ गोविंदपुर धर्मेन्द्र कुमार दुबे तथा धनबाद अंचल कार्यालय में सीओ धनबाद शशिकांत सिंकर मौजूद थे।

गुजराती समाज का होली मिलन समारोह

धनबाद (कासं) : रविवार की संध्या कोलफील्ड गुजराती समाज की ओर से शास्त्री नगर स्थित श्री कच्छ गुर्जर क्षत्रिय समाज भवन

में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एक दूसरे को हर्बल गुलाल लगाकर किया गया। इसके बाद चार टीम बनाकर होली स्पेशल अंताक्षरी तथा हाउजी गेम का आयोजन किया गया। तत्पश्चात फूलों की होली खेलकर एक दूसरे को शुभकामनाएं दी गई।

मौके पर कोलफील्ड गुजराती समाज के चेयरमैन कमल संघवी, वाइस चेयरमैन महेश बजानिया, पैट्रन किशोर परमार, अध्यक्ष रीटा चावड़ा, सचिव समिता परमार, कोषाध्यक्ष तेजल देसाई, सह सचिव सोना रावल, सोनल संघवी, पूर्व अध्यक्ष यमेश त्रिवेदी, दीपक उदानी, भावेश ठक्कर, दीपेश याज्ञनिक, शैलेश रावल, किरिट चौहान, परेश ठक्कर, पीयूष वेगड़, नितिन भट्ट, दिनेश ठाकर, लक्ष्मी कांत चावड़ा, राजेश माटलिया, अमित देसाई, जयेश चावड़ा, जयेश मेहता, हिमांशु दोशी, किरण चावड़ा, उर्वशी ठक्कर, सीमा चौहान, दक्षा यादव, रश्मि भट्ट, रोशनी संघवी, सोनल पटेल, नैना पटेल, शिल्पा माटलिया, प्रवीण चावड़ा, फरसु चावड़ा, ध्रुव चावड़ा, लक्ष्मी बेन ठक्कर सहित धनबाद, झरिया, कतरास, बाघमारा से बड़ी संख्या में गुजराती समाज के लोग मौजूद थे।

सीओ के भ्रष्टाचार का विरोध करने पर जेपी वालिया पर हुआ हमला

धनबाद (कासं) : झामुमो (यू) के महानगर अध्यक्ष जेपी वालिया को धनबाद अंचल कार्यालय में चल रहे भ्रष्टाचार का विरोध करना भारी पड़ गया, जब सीओ के दलालों के

- बिहार ऑबजर्वर की खबर का असर हुआ तो आयुक्त पहुंचे जांच में धनबाद अंचल
- घायल वालिया ने किया ऑनलाइन एफआईआर, हमलावार दलाल पत्रकारों पर

गुंडों ने उनपर हमला कर घायल कर दिया।

बिहार ऑबजर्वर अखबार में लगातार जेपी वालिया बयान अंचल कार्यालय के भ्रष्टाचार का समाचार प्रकाशित हो रहा था। जिसपर सोमवार को हजारीबाग आयुक्त पवन कुमार ने धनबाद अंचल कार्यालय में खुद जांच करने पहुंचे, इसकी खबर सुनकर धनबाद सीओ कार्यालय जब जेपी वालिया सीओ के विरुद्ध शिकायत पत्र देने पहुंचे और आयुक्त को शिकातय पत्र देकर बाहर निकले तो उनपर सीओ के दलालों सीओ के चहेते पत्रकारों ने जेपी वालिया पर महला कर दिया,

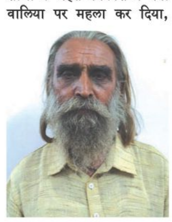

जिससे वह घायल हो गया। वह सदर अस्पताल में इलाज करवाया और आनलाइन शिकायत की जिसका नंबर - १००८७७ है। श्री वालिया ने हमलावरों के विरुद्ध बाइ नेम मामला दर्ज करवाया है। अंचल कार्यालय के भ्रष्टाचार पर एसडीएम या एसी कार्रवाई क्यूं नहीं कर रहे हैं, यह चर्चा का विषय है।

शांति समिति की बैठक में उड़े गुलाल

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर थाना परिसर में सोमवार को पुलिस इंस्पेक्टर रुस्तम अली की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। इस अवसर पर होली मिलन समारोह का भी आयोजन किया गया।

इस अवसर पर डीएसपी शंकर कामती एवं सीओ धर्मेंद्र कुमार दुबे ने होली के बाद जीटी रोड का सर्विस लेन पूरी तरह खाली करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि गोविंदपुर में जाम की समस्या का समाधान हर हाल में किया जाएगा। थाना प्रभारी ने शांतिपूर्ण होली में सभी मुखिया, पंसस, जिप सदस्यों एवं शांति समिति के सदस्यों से सहयोग की अपील

की। उपस्थित सदस्यों ने आश्वासन दिया कि गोविंदपुर थाना क्षेत्र में होली में विधि-व्यवस्था की कोई समस्या पैदा नहीं होगी। सभी अपनेअपने क्षेत्र में पुलिस की भूमिका में होंगे। बैठक में पूर्व मुखिया गुल्लू अंसारी, बलराम साव, मन्नू आलम, ओमप्रकाश बजाज, सोहराब अंसारी, एजाज अहमद, गयासुद्दीन अंसारी, बलदेव महतो, दिनेश मंडल, अमरदीप सिंह, पप्पू सिंह, विपिन मंडल, तालेश्वर साव, मोकिम अंसारी, वीरेंद्र रजक, अनवर अंसारी, सुमिता दास, माला देवी, गोविंद राय, मिहिर मंडल, जय जीत मुखर्जी, बाबूराम हेंब्रम, निमाई महतो, सुधीर दास, अनीस अंसारी, सारथी मंडल, अख्तर अंसारी, माथुर अंसारी, टिंकू अंसारी, बमबम साव समेत दर्जनों लोग मौजूद थे। इस अवसर पर लोगों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी।

ऑबजर्वर अखबार में खबर छपते ही कोयला डिपो संचालक फरार

शाखाटांड़ में अवैध कोयला के चल रहे कारोबार पर लगा विराम

बिहार ऑबजर्वर –धनबाद ✩ रविवार 09.03.2025 – 3

कतरास थाना क्षेत्र में डंके की चोट पर चल रहा कोयला का अवैध डि

कतरास (ससे): थाना अंतर्गत शाखाताड़ में चल रहे अवैध कोयला कारोबार को लेकर बिहार ऑब्जर्वर ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी। इस मामले में नया मोड़ आया है, जब कोयला कारोबारी ने अवैध कोयला भंडारण स्थल को पूरी तरह से धो डाला और सफाई अभियान चलाया।

खबर के मुताबिक, जहां पहले कोयला तिरपाल लगाकर भंडारण किया जा रहा था, वहीं अब कारोबारी ने साफसफाई के बहाने पूरे भंडारण स्थल को धोकर साफ कर दिया। इससे यह स्पष्ट होता है कि कारोबारियों द्वारा अवैध कोयला व्यापार को लेकर किसी तरह की छुपाने की कोशिश की जा रही है।

स्थानीय प्रशासन की निष्क्रियता के कारण इस तरह के कारोबार का कोई ठोस समाधान नहीं हो पा रहा है, जिससे इलाके में अवैध व्यापार बढ़ता जा रहा है। अब यह देखना है कि क्या स्थानीय प्रशासन इस मामले में सख्त कार्रवाई करेगा या यह कारोबार इसी तरह चलता रहेगा। यह घटना अवैध कोयला व्यापार की गंभीरता और स्थानीय अधिकारियों की लापरवाही को उजागर करती है।

बागडीगी में कोयला चोरी का खुलासा, 1500 बोरा कोयला जब्त

जोड़ापोखर (ससे) : लोदना क्षेत्र संख्या १० के अंतर्गत बागडीगी कोलियरी कोल डम्प से भारी पैमाने पर कोयला चोरी का खुलासा सीआईएसएफ के क्यूं आर टी टीम ने रविवार को देर रात्रि गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर किया। इस छापामारी में कोयला डिपू के बगल से लगभग १५०० बोरा कोयला डिपू से चुराया हुआ जब्त हुआ।

गौरतलब है कि लोदना ओपी अंतर्गत बागडीगी कोलियरी कोल डिपो से लगभग एक हफ्ते से भारी पैमाने पर कोयला चोरी का काम चल रहा था जिसकी गुप्त सूचना सीआईएसएफ के क्यूं आर टी टीम को लगी। टीम ने छापामारी कर कोयला जब्त किया। आश्चर्य की बात यह है कि कोयला डिपो से लगभग १०० मीटर की दूरी पर सीआईएसफ का ड्यूटी चेक पोस्ट है। यहां सीआईएसएफ के जवान २४ घंटे तैनात रहते हैं और बीसीसीएल के कर्मचारी भी लोर्डिंग प्वॉइंट पर २४ घंटे ड्यूटी में तैनात रहते हैं उसके बाद भी इन लोगों के नाक के नीचे से इतने बड़े पैमाने पर कोयला चोरी की खबर सुनकर क्षेत्र के लोग कोयला चोर के इस हौसले की दाद दे रहे हैं। सीआईएसफ के जवान बीसीसीएल कर्मी और अधिकारियों के कार्य शैली पर सवाल उठा रहे हैं। क्षेत्र में लोगों को चर्चा करते हुए सुना गया कि लोदना क्षेत्र के बड़े कोयला तस्कर सिंडिकेट से अलग होकर सुनील नामक युवक अपना अलग कारोबार चालू किया है। उसी के गुर्गे बागडीगी कोल डम्प में दर्जनों की संख्या में घुसकर कोयला उठाने का काम कर रहे थे।

सोमवार की शाम को भी बागडीगी कोल डम्प के आसपास सुनील उसके गुर्गे मंडराते हुए दिखे। लोदना क्षेत्र में कोयला तस्करों के दो सिंडिकेट के सक्रिय होने से लोगों को आशंका हो रही है कि होली के समय में कोयले में अपना वर्चस्व जमाने के लिए यह लोग कहीं खून की होली ना खेल ले। बताया जाता है कि शनिवार को सीआईएसएफ के नए डीआईजी ने लोदना क्षेत्र का दौरा किया था और एक दिन बाद ही बागडीगी कोलियरी कोल डम्प से इतने बड़े पैमाने पर कोयला चोरी से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

भाटडीह ओपी क्षेत्र में कोयला माफिया सिंघानिया का चल रहा है काला सम्राज्य

धनबाद/कतरास : इन दिनों महुआ थाना क्षेत्र के भाटडीह

- दर्जनों अवैध माइनिंग शुरू करवाकर खनन विभाग और पुलिस को चुनौती दे रहा है सिंडीकेट
- महुआ थाना के हाँथुडीह रेलवे ओवर ब्रिज के पास चल रहा अवैध कोयले का धंधा

ओपी के कई क्षेत्रों में नया पार्सिंग लेकर कोयला के अवैध कारोबार और अवैध माइनिंग चलाने को लेकर विवाद चल रहा था, उसमें अवैध कोयला खनन के मुहाने का बंटवारा नहीं होने पर सिंह ने अपना कदम पीछे खींचते हुए मुक्षमुंडा से पीछे हटने का फैसला लिया है। नया कोयला माफिया सिंघानिया को इस बार कई अवैध माइनिंग मुहाना मिला है। जो की पुराने अवैध माइनिंग संचालकों पर भारी पड़ रहा है। कोयला तस्करों को सिंडीकेट का सरगना सिंहानिया के इशारे पर कई अन्य क्षेत्रों में कोयला तस्करी हो रहा है।

बताया जाता है कि महुदा थाना क्षेत्र के हाँथुडीह वाशरी कॉलोनी और महुदा रेलवे फुट ओवर ब्रिज के बीच कुछ दूरी पर अवैध कोयला तस्करों ने पोकलेन मशीनों और हैवी ब्लास्टिंग का उपयोग कर गैरकानूनी तरीके से कोयला निकालने के लिए मुहाने खोल दिए हैं। तस्करों ने हरेभरे जंगलों को जेसीबी से रौंदते हुए बड़ी मात्रा में कोयला जमा किया है। सिंघानिया ने कोयला कारोबार का जाल फैलाकर हरे-भरे पेड़पौधों की हरियाली को नष्ट करते हुए उसे अपनी तिजोरी भरने का काम कर रहा है। सिंघानिया सिंडीकेट द्वारा पुलिस और सीआईएसएफ से सेटिंग मेटिंग कर बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। ईमानदार पुलिसकर्मियों को इसपर कार्रवाई की मांग जनता कर रही है।

सड़क हादसे में एक की मौत

गोविंदपुरर (ससे) : राष्ट्रीय राजमार्ग३२ गोविंदपुर भटमुरना के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना सोमवार सुबह हुई। जब एक तेज रफ्तार ट्रेलर वाहन ने एक राहगीर को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि व्यक्ति ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेलर तेज गति से आ रही थी और अचानक सड़क पार कर रहे व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोग घटनास्थल पर एकजुट गए और सड़क जाम की स्थिति बन गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस मार्ग पर गति नियंत्रण के लिए उचित कदम उठाने की मांग की है।

बेटाबहू ने किया मां को मारने का प्रयास, हॉस्पिटल में भर्ती

धनबाद (कासं) : शहर के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत धैया में एक शर्मसार करने का मामला प्रकाश में आया है। जहां बेटे व बहू ने सोमवार को मारपीट कर अपनी मां को लहूलुहान कर दिया। जिसके बाद गम्भीर स्थिति में घायल मरीज को इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया है। जहां घायल मरीज की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि धैया के कुम्हार टोला निवासी शकुंतला देवी ने पुत्र आदेश मंडल व पुत्र वधु सरिता मंडल पर मारपीट कर लहूलुहान करने का आरोप लगाया है।

वही घायल महिला के बेटे ने मीडिया को बताया कि पिछले दोतीन सालों से उनके बेटे और उनकी बहू उन्हें जान से मारने का प्रयास कर रही है।

जिसको लेकर थाने में मामले की लिखित शिकायत भी दर्ज कर दी गई है। इसी क्रम में सोमवार की सुबह भी मारपीट की घटना घटी है। पीड़ित परिवार मामले की लिखित शिकायत धनबाद थाना में कर दिया है।

अबीरगुलाल लगाकर होली की दी बधाई

धनबाद (कासं) : मधुबन थाना क्षेत्र के जलसहिया अधिकार मंच बाघमारा प्रखंड की और से महेशपुर२ पंचायत सचिवालय में सोमवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जलसहिया अधिकार मंच का धनबाद जिला अध्यक्ष जया देवी मुख्य रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष जया देवी ने कहा कि होली रंगों की त्योहार एवं एकता का प्रतीक है। सभी जलसहिया एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। समारोह में बाघमारा प्रखंड अध्यक्ष पुष्पा देवी, किरण देवी, दिव्या देवी, समिता देवी, लक्ष्मी देवी, कलावती देवी, कल्पना देवी, जया देवी आदि मौजूद थी।

होली मिलन में संवेदकों ने चखा पकवान का स्वाद

धनबाद (कासं) : जिला परिषद संवेदक संघ की ओर से सोमवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम संघ के अध्यक्ष आकाश रवानी ने सभी दूर दराज से आए कलाकारों को गमछा ओढ़ाकर सम्मानित किया। वहीं उपस्थित सभी संवेदकों को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। जिले के कोनेकोने से आए सैकड़ों संवेदकों ने कलाकारों के गायन वादन झलकुट्टन का भरपूर मजा लिया। साथ ही पुआ पकवान एवं भोजन का भी लुफ्त उठाया। वही अध्यक्ष अकाश रवानी ने कहा कि होली त्योहार आपसी भाईचारे को बढ़ाता है और सभी लोग मनमुटाव को भूलकर एक दूसरे को रंग लगाते हैं यह हमारी संस्कृति के खूबसूरती का एक प्रतीक है।

वही मौके पर मुख्य रूप से वरिष्ठ संवेदक पप्पू चौरसिया, राजेश सिंह, काशी प्रसाद, ओपी यादव, सुनील सिंह, हिमांशु शेखर रवानी, मणिभूषण सिंह, राजीव घोष, सच्चू सिन्हा, नरेश रवानी, अनिल साव, राजीव सिंह, समीर रवानी, सुमित घोष, उक असलम, गंगाधर कुमार, आशीष पासवान, सुजीत सिंह, एवं सैकड़ों संवेदक उपस्थित थे।

फगुआ के रंग में डूबे विधायक राज सिन्हा

धनबाद (कासं) : धनबाद एमएलए राज का होली मिलन समारोह, भोजपुरी सिंगर गोलू राजा और गायिका अनुपमा यादव के फगुआ गीत पर झूमे लोग, विधायक राज ने भी गाया होली गीत कहा मेरा बचपन याद आ गया। होली का रंग अब कोयलांचल में दिखने लगा है।

होली के गीत अब हर जगह बजने लगे हैं। होली का रंग लोगों के बीच चढ़ने लगा है। ऐसे में धनबाद के भाजपा विधायक राज सिन्हा ने न्यू टाऊन हाल में आयोजित होली मिलन समारोह हुआ। विधायक राज के होली मिलन में सिर्फ वीआईपी और बड़े नेता ही नहीं बल्कि सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ आम लोग भी शामिल हुए। सभी ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली मनाई। वही विधायक राज सभी आगंतुकों के साथ अबीर गुलाल के साथ होली खेलते नजर आए। मंच पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बिहार के मशहूर भोजपुरी गायक गोलू राजा और गायिका अनुपमा यादव के होली गीत पर लोग झूमते नज़र आए।

इस अवसर पर विधायक राज सिन्हा ने अपने धनबाद विधानसभा के साथ झारखंड प्रदेशवासियों और देश वासियों को होली की बधाई दी।

विधायक राज ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए कहा कि होली जैसा खुशियों का त्योहार कुछ भी नहीं यहां अपना पराया, जाति पाति और धर्म का कोई भेदभाव नहीं, ये दुश्मन को भी अपना बनाने का पर्व है। विधायक राज ने मीडिया के कैमरे पर फगुआ गीत गा कर सुनाया।

गायत्री परिवार का होली मिलन

धनबाद (कासं) : बस्ताकोला में सोमवार को भूमि पूजन विधिपूर्वक किया गया। साथ ही जिला गायत्री परिवार का होली मिलन भी सम्पन्न हुआ। ज्ञात हो कि १७ से २० मार्च तक उपयुक्त कार्यक्रम शांतिपूज हरिद्वार के नेतृत्व में सम्पन्न होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में विभूति शरण सिंह (मुख्य ट्रस्टी), एके गौतम, कुमार भृगु, नरेश भट्ट, विमल चन्द्र दास, प्रो. विनीत राय और हरिश्चंद्र मिश्रा अरविंद कुमार सिंह, उमा शर्मा, ममता सिंह, दुलारी पाठक, नमिता देवी, जयश्री विश्वकर्मा, महिला समिति (देवालय प्रबंधन), विनोद कुमार साव इत्यादि का सहयोग प्राय हो रहा है। उपयुक्त जानकारी जिला गायत्री परिवार के मीडिया प्रभारी भूपेंद्र शर्मा ने दी।

उत्पाद विभाग ने किया शराब ठिकानों पर छापेमारी

धनबाद (कासं) : सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग के आयुक्त के दिशानिर्देश से दामोदरपुर शांति विहार कॉलोनी निवासी दिनेश साव के मकान में छापेमारी की जिसमें विदेशी शराब की कई खाली बोतले बरामद की।

बोतलों पर कई बड़े ब्रांड के लेवल चिपके मिले, जिसमें खासतौर पर टीचर, ब्लेंडर प्राइड, रेड लेवल गलफर शॉट, एटपीएम आदि कई बोतलों के साथ सैकड़ों की संख्या में विदेशी शराब की खाली बोतलें और कुछ शराब भी बरामद की गई। होली के त्योहार को लेकर कई जगह अवैध शराब बनाए जाने की खबरें आ रही है। इसी को देखते हुए उत्पाद विभाग ने कार्रवाई की है। हालांकि उत्पाद विभाग एक कमरे का दरवाजा नहीं खुलवा पाई जिसमें अंदाजा लगाया जा रहा था कि काफी संख्या में अवैध शराब हो सकती है। छापेमारी में झमन कुजूर, जय हेंब्रम, कुणाल कुमार, लक्ष्मी देवी, अमित कुमार आदि शामिल थे।

आईपीएस स्कूल का मना स्थापना दिवस

पुटकी (ससे) : करकेन्द बाजार स्थित इंडियन पब्लिक स्कूल में सोमवार को विद्यालय का २२वां स्थापना दिवस मनाया गया। मौके पर पूजाअर्चना की गई। विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा बताया गया कि विद्यालय के छात्रों का सर्वांगीण विकास हेतु प्रबंध समिति हमेशा तत्पर रहती है। अकादमिक सत्र को बेहतर बनाने के लिए अनेकों योजनाओं पर कार्य कर रही है। मौके पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक एनके शर्मा संजय चौबे, वीरेन मुखर्जी, संजय कुमार, घनश्याम मंडल, सचिन सैंडिक एवं अन्य सदस्य व शिक्षकशिक्षिकाएं उपस्थित थे।

जिम्मेवारी निभाने की खाई कसम

बलियापुर (ससे) : टोटेमिक कुड़मी विकास मोर्चा का एक दिवसीय अधिवेशन पुराना विधानसभा में आयोजित हुआ। निरंतर अपने सामाजिक कार्यों को देखकर केंद्रीय अध्यक्ष शीतल ओहदार ने संजय कुमार महतो को केंद्रीय उपाध्यक्ष का दायित्व का जिम्मेदारी दिया। सामाजिक जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और समपर्ण भाव से पूरी करने की कोशिश करूंगा। उन्होंने अपनी जिम्मेवारी निभाने की कसम खाई।

सूड़ी समाज का प्रतिनिधि मंडल विधायक से मिला

बलियापुर (ससे) : झारखंड सूड़ी समाज कल्याण समिति के केंद्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता कंसारी मंडल के नेतृत्व में समिति का एक प्रतिनिधिमंडल सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो से बलादाहा स्थित उनके आवास में मुलाकात किया। प्रतिनिधिमंडल ने विधायक श्री महतो को एक ज्ञापन सौंपा।

झारखंड के सूड़ी जाति को पश्चिम बंगाल के तर्ज पर अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने विधायक श्री महतो से कहा कि सूड़ी जाति को अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग संयुक्त बिहार से ही की जाती रही है।

झारखंड में इस जाति के ५० लाख से भी अधिक लोग रहते हैं। उनकी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति पश्चिम बंगाल के सुड़ी जाति की तरह है। प्रतिनिधिमंडल में जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मंडल, जिला महासचिव शैलेन मंडल, सत्यजीत मंडल, फटीक मंडल, अशोक मंडल, हिरेन मंडल, गौतम मंडल, सारथी मंडल आदि मौजूद थे।

एनएमडीसी ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

हैदराबाद (ससे) : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर हाइब्रिज टीवी ने हैदराबाद में छठे वुमेन लीडरशिप अवार्ड २०२५ का आयोजन किया।

समारोह में एनएमडीसी की नवनियुक्त निदेशक (कार्मिक) जी प्रियदर्शिनी को सरकारी सेवा श्रेणी के अंतर्गत नेतृत्व और गवर्नेंस में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

वहीं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह को गतिशील बनाते हुए, एनएमडीसी ने अपने प्रधान कार्यालय में एक मानसिक स्वास्थ्य वार्ता का आयोजन किया। इसमें अतिथि वक्ता के रूप में अपोलो अस्पताल, हैदराबाद की प्रसिद्ध नैदानिक मनोवैज्ञानिक डॉ. सी. मंजुला राव शामिल हुई। वार्ता महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य और समग्र कल्याण पर केंद्रित थी।

एनएमडीसी के निदेशक (वाणिज्य) विश्वनाथ सुरेश ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि समावेश और विविधता केवल शब्दों तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि इसे आगे बढ़कर संगठन के तानेबाने का एक अभिन्न अंग बनना चाहिए। एनएमडीसी ने अपनी पहली महिला निदेशक के साथ इतिहास रचा है।

हमारी महिला कर्मचारी सभी बाधाओं को तोड़ते हुए आगे बढ़ रही हैं और खनन तथा उससे भी आगे बढ़कर नेतृत्व को एक नई परिभाषा दे रही हैं। डॉ. सी. मंजुला राव ने आत्मविश्वास और मानसिकता में बदलाव की परिवर्तनकारी शक्ति पर जोर दिया। कार्यक्रम का समापन महिला कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए खेलों तथा भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ।

गरभुडीह में पंचायत समिति की बैठक

पुटकी (ससे) : धनबाद सदर ब्लॉक गरभुडीह में पंचायत समिति सदस्यों की बैठक सोमवार को प्रखंड प्रमुख आरती देवी की अध्यक्षता में हुई। जिसमें विभिन्न पंचायत में चल रही योजनाओं की समीक्षा की गई। जिसमें मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, शिक्षा विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारी समीक्षा बैठक में उपस्थित थे। अपनेअपने विभागीय योजनाओं के संदर्भ में जानकारी दी। मौके पर पुटकी अंचल सीओ सह प्रखंड विकास पदाधिकारी विकास आनंद, उप प्रमुख मनीषा कुमारी सिंह एवं पंचायती राज पदाधिकारी मधु सुदन पासवान तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी, विभिन्न पंचायत के मुखिया एवं उनके प्रतिनिधि उपस्थित थे।

टैंकरजीप की टक्कर, 8 की मौत

सीधी (ईएमएस) : सीधी में टैंकर और जीप की टक्कर में ८ लोगों की मौत हो गई। १३ घायलों में से ७ की हालत गंभीर है। हादसा कोतवाली थाना इलाके में हुआ। मृतकों में पांच महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। घायलों में ६ बच्चे भी हैं। गंभीर घायलों को रीवा मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया है, बाकी को सीधी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तूफान जीप में २१ लोग सवार थे। सभी आपस में रिश्तेदार हैं। डीएसपी गायत्री तिवारी ने बताया कि राजमणि साहू अपनी बेटी का मुंडन संस्कार कराने मैहर के झोखो जा रहे थे। उनके परिवार के साथ ससुराल पक्ष के लोग भी थे। टैंकर सीधी से बहरी की ओर जा रहा था। रात करीब ढाई बजे उपनी पेट्रोल पंप के पास दोनों वाहनों में आमनेसामने से टक्कर हो गई। मामले की जांच की जा रही है।

संपादकीय

बदले-बदले से 'सरदार' नजर आते हैं

हिन्दी का एक बहुत मशहूर शेयर है ... बदले-बदले से सरकार नजर आते हैं, अपने ही संगी के साथी नहीं अब, अपनों से अब बेजार नजर आते हैं। इस शेयर में अगर 'सरकार' की जगह 'सरदार' लिख दिया जाए तो यह पंक्तियां पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान पर बिल्कुल स्टीक बैठती हैं। कुछ दिन पहले तक अपने चुटकलों से लोगों को हंसा हंसा कर लोटपोट कर देने वाले भगवंत मान अब उत्तर प्रदेश के योगी के अंदाज में दिखने लगे हैं। नशा तस्करों के घरों पर बुलडोजर चलाए जा रहे हैं, दिन में हड़ताली राजस्व अधिकारियों को सीधा-सीधा धमकाते हैं कि 'आपको छुट्टी मुबारक' और शाम होते-होते उन्हें निलम्बित कर देते हैं। और तो और किसान नेताओं को यहां तक कहने लगे हैं कि 'बहुत हो चुका अब आपकी ब्लैकमेलिंग और नहीं चलेगी। आप लोगों ने पंजाब को धरना प्रदेश बना कर रख दिया है।' पंजाब में इन दिनों मुख्यमंत्री के व्यवहार में आए बदलाव के कारण खोजे जा रहे हैं।

वरिष्ठ पत्रकारों का मानना है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की हुई पराजय के बाद पंजाब का नेतृत्व दबाव में है और कुछ कर दिखाने की कोशिश कर रहा है। चूंकि राज्य में 'आप' की क्रान्तिकारी सरकार अपना आधे से अधिक कार्यकाल पूरा कर चुकी है परन्तु उपलब्धि के नाम पर सरकार के हाथ खाली-खाली से लगते हैं। क्रान्ति अब भ्रान्ति लगने लगी है। पंजाब सरकार की कार्यप्रणाली दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सरकार की छायाप्रति ही रही है। पंजाब में भी दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक की तर्ज पर आम आदमी क्लीनिक खोले गए, मनीष सिसोदिया के आदर्श स्कूलों की कॉपी करते हुए स्कूल आफ एमिनेंस खोले गए। पंजाब के मंत्री दिल्ली वालों की तरह शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी सरकार की उपलब्धियों को गिनवाते नहीं अघाते परन्तु दिल्ली के विकास मॉडल के धड़ाम होने के बाद पंजाब का नेतृत्व भी सन्न है। आम आदमी पार्टी की दृष्टि से पंजाब में तो स्थितियां और भी विकराल हैं क्योंकि यहां उसकी सरकार के कार्यकाल में नशा अपनी तमाम सीमाएं तोड़ता दिख रहा है, जबकि पार्टी नशामुक्ति के हिमालयी वायदे करके सत्ता में आई थी। पर आज राज्य में आए दिन कहीं न कहीं नशे की ओवरडोज मौत होने की खबरें मिलती रहती हैं। कुछ जगह पर तो आठ-दस साल के बच्चों के भी नशे करने की खबरें प्रकाशित हो चुकी हैं। राज्य में आटे की तरह चिट्टा (हेरोइन) बिक रहा है। नशा महिषासुर

राक्षस बन चुका है जिसको जितना मारो उसके रक्त की हर बून्द से नए-नए महिषासुर पैदा हो रहे हैं। पुलिस आए दिन भारी मात्रा में नशा पकडने का दावा करती है परन्तु इसके बावजूद पंचनद की धरती पर नशे का छठा दरिया बहता दिखाई देता है। राज्य का सरकारी कर्ज निरंतर बढ़ रहा है तो महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये देने का चुनावी वायदा विपक्षी दल भूलने नहीं दे रहे।

कहते हैं कि एक बार मुल्ला जी ने नदी में बहते हुए रीछ को कम्बल समझ कर पकड़ लिया, पर कुछ ही देर बाद हालत यह हो गई कि मीयां जी तो कम्बल को छोडना चाहें पर अब कम्बल मीयां जी को ना छोड़े। यही हालत किसान संगठनों को लेकर भगवंत मान सरकार की होती दिख रही है। दिल्ली में चले किसान आन्दोलन के दौरान आम आदमी पार्टी ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए आंदोलनकारी किसानों को केवल समर्थन ही नहीं दिया बल्कि लंगर-पानी तक पहुंचाने का काम भी किया। समय बदला, अब वही किसान संगठन आम आदमी पार्टी की सरकार के लिए सिरदर्द बनते दिख रहे हैं। साल पहले किसानों के नए आंदोलन के तहत दिल्ली कूच करते हुए हरियाणा पुलिस ने आंदोलनकारियों को पंजाब-हरियाणा की सीमा शम्भू बार्डर पर ही रोक दिया था। आन्दोलनकारी किसान तब से वहां पक्का मोर्चा लगाए बैठे हैं। यह आंदोलन अब राज्य के विकास के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा बन रहा है। पंजाब की औद्योगिक नगरियां अमृतसर, जालन्धर, लुधियाना इसी मार्ग से दिल्ली के साथ जुड़ी हैं परन्तु रास्ता बंद होन के कारण न तो कारखानों को कच्चा माल आसानी से सप्लाई हो रहा है और न ही तैयार माल ठिकानों पर पहुंचाया जा सकता है। वैकल्पि मार्ग अपनाने से माल की लागत बढ़ रही है जिससे पंजाब के उद्योगपति पिछड़ रहे हैं। दिल्ली जाने के लिए आम लोगों को भी गांवों के कच्चे मार्गों से हो कर गुजरना पड़ता है।

प्रौद्योगिकियों में अग्रणी बनने की दौड़

मनीष तिवारी

भारत का अनुसंधान एवं विकास (आर.एंड डी.) क्षेत्र गहरी चुनौतियों से जूझ रहा है, जो देश के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में व्यापक कमजोरियों को दर्शाता है। वैश्विक नवाचार सूचकांक 2024 में 39वें स्थान पर, भारत का आर.एंड डी. खर्च 2009-10 में सकल घरेलू उत्पाद के 0.83 प्रतिशत से घटकर आज मात्र 0.64 प्रतिशत रह गया है। निजी क्षेत्र का निवेश, जिसे कभी नवाचार का संभावित चालक माना जाता था, लगातार कम होता जा रहा है, जिससे संकट और बढ़ गया है। भारत वैश्विक आर.एंड डी. व्यय में सिर्फ 2.9 प्रतिशत का योगदान देता है, जो संयुक्त राज्य अमरीका (24.8प्रतिशत) और चीन (22.8प्रतिशत) से काफी पीछे है। यह दीर्घकालिक कम निवेश तकनीकी आत्मनिर्भरता को कमजोर करता है और विदेशी आयात पर निर्भरता बढ़ाता है। साहसिक सुधारों और निजी क्षेत्र की मजबूत भागीदारी के बिना, वैश्विक प्रौद्योगिकी महाशक्ति बनने की भारत की आकांक्षाएं मायावी बनी रहेंगी। क्वांटम कम्प्यूटिंग में आगे निकलने के लिए संघर्ष – क्वांटम कम्प्यूटिंग तकनीकी नवाचार के अत्याधुनिक पहलुओं का प्रतिनिधित्व करता है, जो अभूतपूर्व प्रसंस्करण शक्ति और एन्क्रिप्शन और साइबर सुरक्षा को बाधित करने की क्षमता प्रदान करता है। जबकि अग्रणी वैश्विक खिलाडियों ने इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश किया है, भारत की प्रगति सुस्त रही है। 2010 के उत्तरार्ध से, अमरीका, चीन और यूरोपीय संघ ने क्वांटम अनुसंधान पर अपना दबदबा बनाया है, जो सामूहिक रूप से 40 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक के कुल निवेश का अधिकांश हिस्सा है। 2016 में क्वांटम तकनीक को राष्ट्रीय प्राथमिकता घोषित करने के बाद, अकेले चीन ने 2022 तक 15.3 बिलियन अमरीकी डालर देने की प्रतिबद्धता जताई है। संयुक्त राज्य अमरीका ने राष्ट्रीय क्वांटम पहल अधिनियम (2018) के माध्यम से, महत्वपूर्ण निजी क्षेत्र के योगदान के साथ, अवर्गीकृत निधि में 2.7 बिलियन अमरीकी डॉलर आबंटित किए हैं। इसकी तात्कालिकता को समझते हुए, भारत ने 2023 में राष्ट्रीय क्वांटम मिशन शुरू किया, जिसमें 2023-2031 के लिए 6,000 करोड़ रुपए (लगभग 720 मिलियन अमरीकी डालर) निर्धारित किए गए। मिशन का लक्ष्य 8 वर्षों में 50-1,000 क्यूबिट वाले मध्यम स्तर के क्वांटम कम्प्यूटर विकसित करना है, साथ ही क्वांटम संचार, सैंसिंग और सामग्रियों में प्रगति करना है। हालांकि, असंगत बजट आबंटन चिंता पैदा करते हैं। बी.ई. 2024-25 के लिए शुरूआती 427 करोड़ रुपये को बाद में घटाकर सिर्फ 86 करोड़ रुपए (आर.ई. 2024-25) कर दिया गया, इससे पहले बी.ई. 2025-26 के लिए इसे फिर से बढ़ाकर 600 करोड़ रुपए कर दिया गया था। विशेषज्ञों का तर्क है कि सरकार का 50-1,000 क्यूबिट क्वांटम कम्प्यूटर विकसित करने का लक्ष्य पहले से ही पुराना हो चुका है। इसके बजाय, वे भारत के महत्वपूर्ण डिजिटल और संचार बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए क्वांटम सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने की तत्काल आवश्यकता पर बल देते हैं।

आज का कार्टून

पंजाब के किसानों का उबाल दमन नहीं, संवाद से थमेगा

> पंजाब में आप सरकार की चुनौतियां बढ़ती जा रही है। आम लोग अब बार-बार होने वाले प्रदर्शनों, धरनों और नाकेबंदियों से ऊब चुके है। आप शासन की खामियां ही उजागर हो रही है, अधूरे वादों, कानून-व्यवस्था या आर्थिक चुनौतियों जैसे मुद्दों पंजाब की शाति को लील रहे है। भगवत मान छल और झूठ की राजनीति करते हुए अपने हर वादे से मुकर रहे है। दरअसल, केजरीवाल भ्रष्टाचार के विरोध में आन्दोलन के योद्धा के रूप में भारतीय राजनीति में चमके और दिल्ली के साथ पंजाब में उनकी सरकार बनी। दिल्ली में उनकी सत्ता जा चुकी है। पंजाब की स्थितियां उसके लिये खासी चुनौतीपूर्ण व जोखिमभरी बनती जा रही हैं। भले ही मान सरकार अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हो, लेकिन वह अपने प्रदेश को, अपने पैरों की जमीन को एवं राजनीतिक मूल्यों को नहीं पहचान रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? आप के शीर्ष नेताओं के लिये पहले श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है।

ललित गर्ग

पंजाब में आम आदमी पार्टी की नाकामयाबियां, अप्रभावी प्रशासन कौशल, असंवाद, हठधर्मिता एवं दमनात्मक कदमों से अराजकता एवं अशांति का वातावरण उग्र से उग्रतर होता जा रहा है। ऐसा प्रतीत होता है आप सरकार के पाप का घड़ा भर चुका है, जनता, किसान एवं अधिकारी सभी कोई त्रस्त एवं परेशान है। इसकी निष्पत्ति के रूप में सामने आ रहा है किसानों का आन्दोलन एवं आम जनता का अंतोष। ये वे ही किसान है जिनको भड़काकर, गुमराह करके एवं गलत दिशाओं में धकेल कर 'आप' पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल ने केन्द्र सरकार के सामने जटिल स्थितियां पैदा की, दिल्ली की जनता का सुख-चैन छीना था एवं खुद किसानों का मसीहा बनने का प्रयास किया था। अब उन्हीं किसानों की समस्याओं को सुनने की बजाय उन पर सख्त दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। नौ सौ चूहे खाय बिल्ली हज को चली कहावत को चरितार्थ करने वाली 'आप' सरकार के लिये पंजाब एक जटिल समस्या एवं चुनौती बनकर खड़ी है। जैसी करनी वैसी भरनी-यही हश्र हो रहा है आप सरकार की कथनी और करनी में फर्क की राजनीति का। पंजाब की आप सरकार पहले किए गए कई चुनावी वादों को पूरा करने नाकाम रही है, हालांकि, नाटकीयता के प्रति उसकी प्रवृत्ति के अलावा, सभी चुनावी वादे एवं घोषणाएं काफी हद तक असफल रही है। पंजाब में मान सरकार के खिलाफ नाराज किसानों ने मोर्चा खोल दिया है, 'चंडीगढ़ चलो मार्च' के लिए कूच करने वाले किसानों को भले ही पुलिस ने रोक दिया, चंडीगढ़ की सभी सीमाओं पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी हो और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया हो। लेकिन बातचीत की बजाय ऐसे दमनात्मक तरीकों से किसान अधिक भडकेंगे। सवाल यह है कि कृषि प्रधान राज्य क्या किसानों के हितों की अनदेखी कर सकता है?

पंजाब में हालात अनियंत्रित, जटिल, अराजक एवं अशांत होते जा रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन के एक घटक द्वारा चंडीगढ़ में नये सिरे से आंदोलन शुरू करने की चेतावनी के बाद पुलिस-प्रशासन की सख्ती से बुधवार को सामान्य जीवन व यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ। चंडीगढ़ से लगते इलाकों में पुलिस के अवरोधों के चलते वाहन घंटों जाम में फंसे रहे। जिन हालातों को दिल्ली की जनता ने लम्बे समय तक झेला, वे ही हालात अब पंजाब के हो रहे हैं। पुलिस आंदोलनकारियों से निबटने के लिये सख्त एवं आक्रामक बनी रही और कई किसान नेताओं को गिरफ्तार किया गया। चंडीगढ़ के अनेक प्रवेश मार्गों को सील किया गया था और भारी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। सवाल उठाया जा रहा है कि 'आप' सरकार की यह सख्ती क्या हताशा का पर्याय है या समस्याओं से निपटने में उसकी नाकामी को दर्शाता है? बड़ी-बड़ी आदर्श की बातें करने वाली आप पार्टी का दोगला चरित्र ही उजागर हो रहा है। भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप पार्टी की सरकार, जिसे कभी बदलाव का अग्रदूत एवं जन-जन का सच्चा हितैषी माना जाता रहा है, अब खुद को प्रमुख हितधारकों-किसानों, राजस्व अधिकारियों और नौकरशाही के साथ उलझी हुई पा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि किसानों

का सबसे बड़ी हितैषी मानने वाली सरकार आज किसानों की दुश्मन कैसे हो गयी? कृषिभूमि पंजाब को कैसे अशांत होने दिया जा रहा है?

आप सरकार द्वारा जिस तरह से लंबे समय से आंदोलनरत किसानों की मांगों के प्रति उदासीनता एवं उपेक्षा दर्शायी जा रही है, उससे किसानों की लोकतांत्रिक भागीदारी को लेकर चिंताएं पैदा होती हैं। निश्चित रूप से किसी भी लोकतांत्रिक आंदोलन के दमन से सामाजिक विभाजन और संघर्ष की स्थितियां ही गहराती है, आन्दोलन एवं विद्रोह भावना भड़कती है। दरअसल, पंजाब का संकट सिर्फ हड़ताली अधिकारियों या फिर विरोध करने वाले किसानों को लेकर ही नहीं है। यह असंतोष शासन के दोगलेपन, रीति-नीतियों, झूठे आश्वासनों एवं छलपूर्ण कार्यप्रणाली से जुड़ा है। ये स्थितियां न केवल किसान आंदोलनकारियों से सहज संवाद की कला को खोती हुई प्रतीत हो रही है, बल्कि जिसने पंजाब को नशे का जंगल बना दिया है, आतंकवाद को पनपने दिया एवं महिलाओं को नाराज किया है। निश्चित रूप से अपने राज्य के लोगों के साथ सख्ती का व्यवहार एवं झूठे वायदों ने तंत्र की नाकामी को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से निराशाजनक वातावरण को यथाशीघ्र दूर करने के प्रयास किए जाने चाहिए, अन्यथा पंजाब की अशांति एवं अराजकता प्रांत को न केवल आर्थिक मोर्चे पर बल्कि सुशासन के मोर्चे पर धराशाही कर देगी।

संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर शुरू हुआ किसान आंदोलन अब उग्र से उग्रतर होता जा रहा है। इस आन्दोलन से उपजे हालात से जनजीवन अस्तव्यस्त हो रहा है। जाम की बड़ी समस्या पर आम लोग कह रहे कि जाम किसानों की तरफ से है या सरकार की तरफ से। दरअसल, पंजाब जो लंबे समय से कृषि क्षेत्र में उदार दृष्टिकोण एवं हरित क्रांति वाला राज्य रहा है, तंत्र की संवेदनहीनता और शासन की आक्रामकता के चलते अब अशांत नजर आ रहा है। समय रहते किसानों की मांगों को पूरा न किए जाने और कारगर समाधान के लिये परामर्श न मिल पाने से निराश किसान यूनियनों ने नये सिरे से विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। जिसकी परिणति 'चंडीगढ़ चलो मार्च' के रूप में सामने आई है। किसान नेता आरोप लगा रहे हैं कि किसानों की समस्याओं के समाधान पर संवेदनशील रवैया अपनाने के बजाय दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। जिसे वे देर रात छापेमारी करके किसान नेताओं की गिरफ्तारी और चंडीगढ़ की सीमाएं सील करने के रूप में देख रहे हैं। अपनी हार एवं नाकामयाबियों से बौखलायी आप सरकार अधिकारियों को निलंबित एवं तबादलें कर रही है, जिससे किसानों के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों में भी गहरा असंतोष सामने आ रहा है, वे भी तल्ख प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं। राजस्व अधिकारियों ने सामूहिक अवकाश लेने के विकल्प चुनकर सरकार की समस्याओं को बढ़ा दिया है।

पंजाब में आप सरकार की चुनौतियां बढ़ती जा रही है। आम लोग अब बार-बार होने वाले प्रदर्शनों, धरनों और नाकेबंदियों से ऊब चुके हैं। आप शासन की खामियां ही उजागर हो रही हैं, अधूरे वादों, कानून-व्यवस्था या आर्थिक चुनौतियों जैसे मुद्दों पंजाब की शांति को लील रहे हैं। भगवत मान छल और झूठ की राजनीति करते हुए अपने हर वादे से मुकर रहे हैं। दरअसल, केजरीवाल भ्रष्टाचार के विरोध में आन्दोलन के योद्धा के रूप में भारतीय राजनीति में चमके और दिल्ली के साथ पंजाब में उनकी सरकार बनी। दिल्ली में उनकी सत्ता जा चुकी है। पंजाब की स्थितियां उसके लिये खासी चुनौतीपूर्ण व जोखिमभरी बनती जा रही हैं। भले ही मान सरकार अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हो, लेकिन वह अपने प्रदेश को, अपने पैरों की जमीन को एवं राजनीतिक मूल्यों को नहीं पहचान रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? आप के शीर्ष नेताओं के लिये पहले श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। कैसे आप की राजनीति एवं शासन-व्यवस्था इस शर्म के साथ जनता से मुखातिब होगी? कैसे पंजाब को समस्याओं से मुक्ति देगी? पंजाब के किसानों का उबाल दमन से नहीं, सार्थक संवाद से ही थमेगा।

सिर्फ जादुई चिराग न बनें सौगातें ...

> जिस तरह से महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ रही है, और वे खुलकर खासतौर से देहात, कस्बों की महिलाएं घर की चारदीवारी से निकलकर खुलकर मताधिकार का इस्तेमाल कर रही हैं, महिलाओं में बढ़ती साक्षरता, जागरूकता और स्वतंत्र निर्णय लेने की बढ़ती क्षमता को जहां राजनैतिक दलों के लिये महिला मतदाता को इस तरह का लाभ दिए जाने का वादा कर चुनाव में जीत की गारंटी मान लिया, लेकिन क्या इस तरह की रणनीति उन्हें सही मायने में अधिकार संगत बना रही है, क्या इसी अनुपात में राजनीतिक दल उन्हें चुनाव लड़ने के लिये टिकट भी दे रहे हैं, क्या इससे चुनावी राजनीति में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी का सवाल कमजोर नहीं हो जाएगा क्या राजनैतिक दल सिर्फ इस तरह की फौरी आर्थिक मदद कर उनकी दीर्घकालिक प्रगति, कल्याण मे सहायक हो सकेंगे.

शोभना जैन

पिछले कुछ वर्षों से जिस तरह से 'बढ़ती आधी आबादी' ने चुनाव में वोट डालने पर अपनी स्वतंत्र पहचान बनानी शुरू की है, विभिन्न राजनैतिक दलों को उनमें चुनाव जितवाने की अपार संभावनाएं दिखनी शुरू हुई, उन्होंने उन पर बेहतर जिंदगी के लुभावन चुनावी वादों के साथ-साथ नगदी, सब्सिडी जैसी सौगातों की बरसात शुरू कर दी और इन चुनाव नतीजों ने यह साबित भी कर दिया कि उनकी रणनीति कमोबेश सफल भी रही. हाल के महीनों में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा और दिल्ली में हुए चुनावों ने इस जादुई चिराग का जम कर इस्तेमाल हुआ.

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन ने जहां अपने मौजूदा कार्यकाल में ही उन्हें आर्थिक मदद देना भी शुरू कर दिया और बाकी आर्थिक लाभ, सब्सिडी सत्ता में दोबारा आने पर देने का वादा कर डाला और विपक्ष ने भी सत्ता में आने पर तरकश के यही तीर आजमाने का वादा किया. दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने तो 2019 में ही सत्तारूढ़ होते ही महिलाओं के लिये बस यात्रा जैसी सुविधाएं शुरू कर दी लेकिन हाल के दिल्ली विधानसभा चुनाव में उनका पासा पलट गया और विपक्षी दल भाजपा ने महिलाओं के लिए उनसे ज्यादा बेहतर लुभावनी योजनाओं की घोषणा कर डाली, अलबत्ता दिल्ली चुनाव में उनकी जीत के लिये कुछ और फेक्टर भी हावी रहे. दिल्ली विधानसभा के हाल के चुनाव में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों 60.21 के मुकाबले 60.92 हालांकि यहा सत्तारूढ़ 'आप पार्टी' को 'भारतीय जन तापार्टी' के हाथों हार झेलनी पड़ी.

बहरहाल सवाल है कि क्या जिस तरह से महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ रही है, और वे खुलकर खासतौर से देहात, कस्बों की महिलाएं घर की चारदीवारी से निकलकर खुलकर मताधिकार का इस्तेमाल कर रही हैं, महिलाओं में बढ़ती साक्षरता, जागरूकता और स्वतंत्र निर्णय लेने की बढ़ती क्षमता को जहां राजनैतिक दलों के लिये महिला मतदाता को इस तरह का लाभ दिए जाने का वादा कर चुनाव में जीत की गारंटी मान लिया, लेकिन क्या इस तरह की रणनीति उन्हें सही मायने में अधिकार संगत बना रही है, क्या इसी अनुपात में राजनीतिक दल उन्हें चुनाव लड़ने के लिये टिकट भी दे रहे हैं, क्या इससे चुनावी राजनीति में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी का सवाल कमजोर नहीं हो जाएगा क्या राजनैतिक दल सिर्फ इस तरह की फौरी आर्थिक मदद कर उनकी दीर्घकालिक प्रगति, कल्याण मे सहायक हो सकेंगे.

लेकिन इससे जुड़ा एक अहम सवाल यह भी है कि सुविधाहीन वर्ग और मध्य वर्ग की महिलाएं जहां तिल-तिलकर अपनी गृहस्थी खींच रही हैं उनके लिए इनसे फौरी मदद एक सहारा तो है लेकिन भविष्य की अनिश्चितता इस क्षणिक खुशी पर जल्द ही हावी हो जाती है. अलबत्ता दिल्ली विधानसभा चुनाव में अनेक युवा और शिक्षित महिलाओं की भी राय थी कि राजनैतिक दलों को सही मायने में महिलाओं के मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए.

अगर आंकड़ों की बात करें, जिससे राजनैतिक दलों को इस रणनीति को आगे बढ़ाने में बहुत हौसला मिला तो पाएंगे कि 2019 की तुलना में 2024 के आम चुनाव में एक करोड़ अस्सी लाख अतिरिक्त महिलाओं की भागीदारी रही. 2014 के बाद से 58 प्रतिशत महिलाओं में 9 करोड़ 20 लाख नये मतदाता दर्ज किए गए. हालांकि फिलहाल 100 पुरुष मतदाताओं के मुकाबले महिला मतदाता 95 हैं लेकिन ये संख्या लगातार बढ़ रही है.

चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि 2014 के बाद से जहां मतदाताओं की संख्या 83.4 करोड़ थी, वहीं 2024 में यह 97.8 करोड़ हो गई महिलाओं में बढ़ती साक्षरता, जागरूकता, बेहतर बुनियादी सुविधाएं और इन सबके साथ सबसे अहम महिलाओं को ध्यान में रखकर बनी मुद्रा, उवला, प्रधानमंत्री आवास योजना, लाड़ली बहिना, लखपति दीदी जैसी योजनाओं की भूमिका महिला मतदाताओं को अपनी और खींचने में रही.

हालांकि चिंता की बात है कि महाराष्ट्र सरकार चुनाव जीतने के बाद इस योजना के क्रियान्वन को लेकर जिस तरह की हील-हुज्जत दिखा रही है, वह सब राजनैतिक दलों पर ऐसी योजनाओं की विश्वसनीयता को लेकर सवालों के घेरे में खड़ा कर देता है.

हालांकि भारत के चुनाव में महिला मतदाता सहित मतदान करने वालों की 66 प्रतिशत संख्या अच्छी मानी जाती है लेकिन सवाल फिर वही लौटकर कि महिला मतदाताओं की बढ़ी हुई संख्या के बावजूद सक्रिय चुनावी राजनीति में एक तिहाई की हिस्सेदारी के लिए उन का संघर्ष लगातार जारी है, महिला सांसदों की संख्या जहां 13.6 प्रतिशत ही है. ऐसे में जरूरी है कि राजनैतिक दल. महिलाओं को अधिकार संपन्न बनाने के बारे में सही मायने में काम करे ताकि महिला मतदाताओं के वोट जुटाने की उनकी रणनीति जीत का गारंटीशुदा फार्मूला या जीत का जादुई चिराग बनकर न रह जाए बल्कि उनके दीर्घकालिक कल्याण और अधिकारसंपन्न बनाए जाने का माध्यम बन सके, तभी देश भी विकसित राष्ट्र बन सकेगा.

सुडा निदेशक ने जिले का किया दौरा

बोकारो (ससे): सोमवार को स्टेट अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी के निदेशक, नगर विकास एवं आवास विभाग अमीत कुमार द्वारा चास नगर निगम क्षेत्र में संचालित/ प्रस्तावित महत्वाकांक्षी योजनाओं के प्रगति की जानकारी ली।

इस क्रम में मुख्य रूप से शहरी जलापूर्ति योजना फेज २, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, चास सेप्टेज योजना एवं लीगेसी वेस्ट का समीक्षा एवं स्थल भ्रमण किया गया। चास शहरी पेयजलापूर्ति के संबंध में जुडको एवं जुस्को को ३१ मार्च २०२५ तक कार्य को पूर्ण करते हुए ट्रायल प्रारंभ करने का निर्देश दिया। भ्रमण क्रम में सुडा निदेशक ने दामोदर नदी किनारे निर्माणाधीन इंटेक वेल एवं वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में चल रहें कार्यों का भी जायजा लिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित पदाधिकारी को विद्युत आपूर्ति शीघ्र बहाल करने का निर्देश दिया। ताकि वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट व इंटेक वेल, सभी भागों में ट्रायल की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएं।वहीं, चास इंब्रो प्राइवेट लिमिटेड को ठोस अवशिष्ट प्रबंधन का एवं सीमा लैब्स, नई दिल्ली को सेप्टेज प्रबंधन का कार्य चिह्नित भूमि पर करने का निर्देश दिया। उन्होंने टीम के साथ उक्त योजनाओं हेतु प्रस्तावित/चिन्हित भूमि का भी निरीक्षण किया।

इस दौरान सुडा निदेशक ने योजना के डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) के अनुरूप जुडको एवं जुस्को को युद्ध स्तर पर सघन अभियान चलाकर शत प्रतिशत जलापूर्ति संयोजन निःशुल्क करने को कहा। कहा कि, उक्त जलापूर्ति योजना के तहत शहरवासियों को प्रति माह ५,००० लीटर मुफ्त पानी प्राप्त होगा। शहरवासियों को जलापूर्ति संयोजन के साथ निःशुल्क मीटर भी अधिष्ठापित किया जाएगा।

उधर, सुडा निदेशक ने चास के कांड्रा में आवास बोर्ड के लिए चिन्हित भूमि का भी निरीक्षण किया। उन्होंने डीपीएलआर निदेशक मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी चास सुश्री प्रांजल डांढ़ा से जरूरी जानकारी ली। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर चर्चा कर जरूरी दिशा-निर्देश दिया। मौके पर अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार, सहायक नगर आयुक्त सुश्री प्रियंका कुमारी, जुडको- जुस्को के अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

जनता दरबार में डीआरडीए निदेशक ने की सुनवाई

बोकारो (ससे): माहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में सोमवार को उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर डीआरडीए निदेशक मेनका ने आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे २९ से ज्यादा लोगों की क्रमवार समस्याओं/शिकायतों पर सुनवाई किया। साथ ही संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। इसके अलावा कुछ मामलों का ऑन स्पॉट निष्पादन किया।

जनता दरबार में भूमि अतिक्रमण, सामान्य शाखा, भूमि पर कब्जा, अनुमंडल पदाधिकारी चास, राजस्व, समाज कल्याण, कृषि विभाग, गोमिया अंचल कार्यालय, लीड बैंक मैनेजर, अंचल कार्यालय चंदनकियारी, विधि शाखा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, बीडीओ कसमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी कार्यालय आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे।

विशेष हीमोग्लोबिन जांच शिविर संपन्न

बोकारो (ससे): जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत मातृ-शिशु का सुरक्षा/बेहतर स्वास्थ्य जिले के लिए प्राथमिकता सूची में शामिल है। इसी क्रम में उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर दो दिवसीय विशेष हीमोग्लोबिन जांच सोमवार को संपन्न हो गया। सोमवार को जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में सघन हीमोग्लोबिन जाँच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन सदर अस्पताल बोकारो, अनुमण्डलीय अस्पताल, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर में किया गया। जहां सभी गर्भवती महिलाओं एवं धातृ महिलाओं/किशोरियों का हीमोग्लोबिन जांच किया गया।

इस दौरान चिकित्सक टीम द्वारा शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा कम होने से होने वाले नुकसान के संबंध में भी बताया गया। वहीं, शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा को बूस्ट करने के लिए हरी पत्तेदार सब्जियां अपने आहार में शामिल करने की बात कहीं। महिलाओं को साग, पालक, शिमला मिर्च और ब्रोकली खाना चाहिए। इसके अलावा फलों (अनार, केला, चुकंदर, खजूर आदि) का भी सेवन नियमित करने को कहा।

दो दिवसीय आयोजित शिविर में कुल ८,४२६ महिलाओं का हीमोग्लोबिन जांच किया गया। आज आयोजित शिविर में कुल ४,३९४ महिलाओं का हीमोग्लोबिन जांच किया गया। आज आयोजित शिविर में जरीडीह प्रखंड में २०९ महिलाओं, चास प्रखंड में ५६२ महिलाओं, नावाडीह प्रखंड में ४३७ महिलाओं, चंदनकियारी प्रखंड में ३१० महिलाओं, बेरमो प्रखंड में ६५० महिलाओं, कसमार प्रखंड में २३९ महिलाओं, पेटरवार प्रखंड में ४२२ महिलाओं, गोमिया प्रखंड में ९२५ महिलाओं एवं चास शहरी में ६४० महिलाओं का हेमोग्लोबिन जांच किया गया। वहीं, रविवार को आयोजित शिविर में कुल ४,०३२ महिलाओं का हेमोग्लोबिन जांच किया गया था।

बीएसएल कर्मचारियों के लिए ईपीएफओ पेंशन योजना

बोकारो (ससे): बीएसएल के ऑन-रोल कर्मचारियों जिन्होंने पहले कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की उच्च पेंशन योजना के तहत आवेदन किया था, उनके लिए अब ईपीएफओ द्वारा डिमांड लेटर जारी किए जा रहे हैं. कर्मचारी अपना डिमांड लेटर पोर्टल पर लॉगिन करके डाउनलोड कर सकते हैं, जो किसी भी स्थान से सुलभ है. ईपीएफओ पोर्टल पर डिमांड लेटर की डाउनलोड की सुविधा प्रत्येक माह की १ तारीख से १६ तारीख तक उपलब्ध रहेगी.

सेवानिवृत कर्मचारी पोर्टल से अपना डिमांड लेटर डाउनलोड करने के बाद उसमें उल्लिखित जानकारी का सावधानीपूर्वक अवलोकन कर उसमें उल्लेखित निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद डिमांड लेटर के साथ चेक या डिमांड ड्राफ्ट सहित सभी संबंधित दस्तावेज़ बीएसएल के नोडल अधिकारी (हायर पेंशन) के कार्यालय में जमा कर सकते हैं. बीएसएल के ऑन रोल कर्मचारी उच्च पेंशन के लिए ईपीएफओ द्वारा जारी किए गए अपने मांग पत्रों तक पहुंचने के लिए लॉग इन करके अपने विकल्प का उपयोग करने के लिए आगे बढ़ सकते हैं. कर्मचारी किसी भी सहायता के लिए ईपीएफओ की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध दिशानिर्देशों का पालन कर सकते हैं या बोकारो स्टील प्लांट के संबंधित विभाग से संपर्क कर सकते हैं.

टोटेमिक कुड़मी/कुरमी विकास मोर्चा कमिटी पुनर्गठित

डुमरी (ससे): :टोटेमिक कुड़मि/कुरमी विकास मोर्चा का एक दिवसीय अधिवेशन पुराना विधानसभा सभागार धुर्वा, रांची में सम्पन्न हुई।अध्यक्षता पूर्व जैक के अध्यक्ष डॉ अनिल कुमार महतो ने किया।अधिवेशन में सर्वसमिति से पुनः टोटेमिक कुड़मी/कुरमी विकास मोर्चा का केंद्रीय अध्यक्ष शीतल ओहदार को चुना गया।इस मौके पर शिक्षाविद रांची विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ मुकुंदचंद मेहता डीन/पूर्व रजिस्ट्रार डॉ अमर कुमार चौधरी मुख्य रूप से उपस्थित थे।अधिवेशन में कमेटी का विस्तार किया गया जिसमें गिरिडीह जिले से निम्न पदाधिकारी बनाया गया केन्द्रीय कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी थानेश्वर महतो को दी गई जबकि केंद्रीय महासचिव रामचन्द्र महतो केंद्रीय प्रवक्ता छोटन प्रसाद छात्र को चुना गया।अधिवेशन के माध्यम से केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण कुमार महतो,जितेंद्र प्रसाद महतो, डालेश्वर महतो,ओम प्रकाश महतो केन्द्रीय संरक्षक काशीनाथ महतो,नीलकंठ महतो,महावीर महतो, केंद्रीय सदस्य दिनेश्वर महतो,ताराचन्द महतो,कुंज बिहारी महतो,नागेश्वर महतो को मनोनीत किए गए। डॉ अनिल कुमार महतो जी ने मोर्चा के पुनर्गठित पदाधिकारी को समाज के हित में फैसला करने की नसीहत दी। डॉ० अमर कुमार चौधरी ने समाज के सभी नवनिर्वाचित लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सामाजिक अधिकार की लड़ाई शीतल ओहदार की अगुवाई में ही लड़ी जा सकती है केंद्रीय अध्यक्ष चुने जाने के बाद श्री ओहदार ने अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि कुड़मी/कुरमी महतो जनजाति को अनुसूचित जनजाति की सूची में लाने तक यह अविरल जारी रहेगी।

विधायक की पत्नी भानवी सिंह माता-पिता के साथ भी कर चुकी हैं मारपीट

लखनऊ,(ईएमएस): यूपी की कुंडा सीट से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह ने उनके खिलाफ दिल्ली में घरेलू हिंसा और उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया है। दोनों के बीच तलाक का केस चल रहा है और इस बीच भानवी सिंह के आरोपों ने विवाद को और हवा दे दी है। इस मामले में अब तक राजा भैया की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन उनके करीबी कुंवर अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपाल ने एक्स पर पोस्ट में राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह के आरोपों को न सिर्फ झूठा बताया बल्कि संपत्ति के लालच में माता और पिता को भी पीटने का आरोप लगाया है।

अक्षय प्रताप ने पोस्ट में लिखा- राजा भैया के खिलाफ भानवी सिंह की एफआईआर की खबर सुर्खियों में है, हो भी क्यों ना राजा भैया टीआरपी बढ़ाने वाला नाम जो हैं।

शहजादी की मौत की अफवाहों पर दुखी पिता की अपील

बांदा (ईएमएस)।: यूपी के बांदा जिले निवासी शहजादी को दुबई में फांसी दी जा चुकी है। इस लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरफ की अफवाहें उड़ रही हैं। कोई शहजादी को खंभे से बांधने की बात कर रहा है, वहीं कोई गोली मारकर मौत के घाट उतारने का दावा कर रहा है। इन अफवाहों पर शहजादी के पिता शब्बीर खान ने नाराजगी जताकर सच्चाई बयां की है। उन्होंने किया है कि बेटी को फांसी पर लटका कर मौत की सजा दी गई है।

शब्बीर ने कहा कि मेरी अपील की है कि लोग ऐसी चीजें ना वायरल करें जिससे मुझे ठेस पहुंचे। शहजादी के पिता शब्बीर ने कहा कि वे बेटी की कब्र पर फातिया पढ़ना चाहते हैं। भारत सरकार से मांग है कि उन्हें यूएई यानी दुबई भेजा जाए ताकि वे बेटी की कब्र देख सकें, उसके अंतिम दर्शन कर सकें। शब्बीर ने शहजादी का सामान वापस दिलाने की मांग की है।

बता दें कि शहजादी को एक बच्चे की मौत के मामले में दुबई की अदालत ने फांसी की सजा सुनाई थी। १५ फरवरी को शाहजादी को फांसी के फंदे पर लटकाकर सजा-ए-मौत दी गई। बीते ६ मार्च को शाहजादी को दुबई में ही दफना दिया गया। परिचितों ने वीडियो कॉल पर दफनाने की प्रक्रिया को शहजादी के घरवालों को दिखाई दी थी। शहजादी का कब्र नंबर भी जारी किया गया है।

बात दें कि शहजादी को फांसी की सजा सुनाने के बाद पिता शब्बीर ने कोर्ट के माध्यम से आगरा निवासी उजैर और उसके रिश्तेदारों पर धोखाधड़ी, बेचने संबंधी अन्य आरोप लगाकर कोर्ट के माध्यम से एफआईआर दर्ज कराई थी। जिसके बाद पुलिस ने जांच-पड़ताल शुरू की। हालांकि, बाद में पुलिस ने मामले में फाइनल रिपोर्ट लगाकर केस को बंद कर दिया। उधर, शहजादी के पिता उजैर और उसके रिश्तेदारों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं।

बिल्ली काट गई रास्ता तो युवती व साथियों ने पीट-पीटकर मार डाला

मुरादाबाद,(ईएमएस): यूपी के मुरादाबाद जिले में एक युवती और उसके साथियों का जंगली बिल्ली ने रास्ता काट दिया। इस घटना से युवती और उसके साथी भड़क गए और उन्होंने बिल्ली के साथ ऐसा कांड किया की लोगों की रूह कांप गई। जानकारी के मुताबिक युवती और उसके साथियों का ने जंगली बिल्ली ने रास्ता काट दिया तो उन्होंने बिल्ली को पकड़कर इतना मार की उसकी मौत हो गई इस पर दिल नहीं भरा तो इन लोगों ने उस पर पेट्रोल डालकर उसे जला दिया। इन लोगों इस घटना का वीडियो भी बनाया जो वायरल हो गया। मामला सामने आते ही पुलिस के संज्ञान लिया जिसपर पुलिस ने युवती और उसके साथी पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बता दें यह मामला मुरादाबाद जिले के भोजपुर थाना क्षेत्र का है। एसपी देहात ने बताया एक वीडियो वन्य जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो दिल्ली के नार्दन रीजन के उपनिदेशक को मेल पर मिला है, जिसमें एक बिल्ली के साथ बर्बरता की गई। जिसपर इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। जांच शुरु कर दी गई है।

एफआईआर के मुताबिक युवती और उसके साथ बिल्ली को जिंदा जलाते हुए वीडियो बना रहे हैं। जिस बाइक पर युवती और उसके साथी सवार थे, उसका नंबर चेक करने पर पता चला कि बाइक भोजपुर के लालूवाला की रहने वाली प्रिया के नाम पर रजिस्टर्ड है। युवती और उसके साथियों पर कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है जिसमें तीन साल की सजा और एक लाख रुपए जुर्माने का प्रावधान है। बिल्ली के साथ बर्बरता का वीडियो बहुत खौफनाक है।

अलीगढ़ में पकड़े गए चार बांग्लादेशी

अलीगढ़(ईएमएस): अलीगढ़ की टप्पल पुलिस ने जट्टारी चौकी अंतर्गत नई बस्ती से महिला समेत चार बांग्लादेशी नागरिकों को १७ साल से अवैध रूप से रहते हुए गिरफ्तार किया है। इन्होंने अपने बेटों के फर्जी आधार कार्ड भी बनवाए। इनके पास से फर्जी आधार कार्ड के साथ तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। टप्पल पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर जट्टारी स्थित नई बस्ती से चार बांग्लादेशी नागरिकों को अवैध रूप से रहते हुए गिरफ्तार किया है।

मथुरा के लड्डू गोपाल मंदिर से काशी में बाबा भोलेनाथ के लिए आया रंग, गुलाल

वाराणसी (ईएमएस): वाराणसी के प्रसिद्ध श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में इस बार होली के त्यौहारा को खास अंदाज में मनाने की तैयारी है। पहली बार, मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर से भेजा गया रंग, गुलाल और अबीर का इस्तेमाल काशी विश्वनाथ धाम में होली के उत्सव के लिए होगा। मंदिर प्रशासन ने इसकी जानकारी दी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विश्वभूषण मिश्रा ने बताया कि पहली बार दोनों मंदिरों के बीच त्यौहारों पर उपहारों का आदान-प्रदान शुरू हुआ है।

उन्होंने बताया, इस परंपरा के तहत काशी विश्वनाथ धाम की ओर से एक विशेष उपहार मथुरा के लड्डू गोपाल जी को भेजा गया। इसके बदले में मथुरा से रंग, अबीर और गुलाल काशी पहुंचा, जो रंगभरी एकादशी और होली के दौरान उत्सव में प्रयोग किया जाएगा। यह परंपरा श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर के अधिकारियों कपिल शर्मा और गोपेश्वर चतुर्वेदी के साथ चर्चा के बाद शुरू की गई।

मंदिर में इन दिनों रंगभरी एकादशी का भव्य तीन दिवसीय उत्सव मनाया जा रहा है। रविवार को उत्सव के दूसरे दिन श्री काशी विश्वनाथ और माता गौरा का हल्दी उत्सव धूमधाम से मनाया गया। मथुरा से आए श्रद्धालुओं ने काशी विश्वनाथ को विशेष उपहार और गुलाल अर्पित किया, वहीं सोनभद्र से आए आदिवासी भक्तों ने पलाश के फूलों से तैयार हर्बल गुलाल चढ़ाया। सीईओ मिश्रा और उप जिलाधिकारी शंभू शरण ने मंदिर में विशेष पूजा कर भगवान विश्वेश्वर महादेव को हर्बल गुलाल अर्पित किया।

उत्सव के दौरान श्री काशी विश्वनाथ और माता गौरा की चांदी की पालकी भव्य शोभायात्रा के रूप में मंदिर परिसर में निकाली गई। भक्तों ने पुष्प, हल्दी, अबीर और गुलाल उड़ाते हुए भक्ति गीत गाए। शाम के समय फूलों से सजी पालकी में भगवान काशी विश्वनाथ और माता गौरा की प्रतिमाओं को मंदिर परिसर में घुमाया गया। इस दौरान भक्तगण हर हर महादेव के जयकारे लगाते रहे। काशी के कमिश्नर कौशल राज शर्मा ने भी भगवान को हल्दी, फूल और गुलाल अर्पित कर पूजा-अर्चना की।

गंगा की रेती पर दुर्लभ प्रजाति के नन्हे इंडियन स्कीमर को बचाने में जुटा प्रशासन

प्रयागराज,(ईएमएस): महाकुंभ मेला की समाप्ति के बाद अब गंगा की रेती पर दुर्लभ प्रजाति के नन्हे इंडियन स्कीमर के आने की तैयारी शुरू हो गई है। महाकुंभ की शुरुआत में १५० जोड़े इंडियन स्कीमर के पहुंचे, जो दिसंबर से लेकर फरवरी अंत या मार्च की शुरुआत तक अंडे देते हैं। अब १५० जोड़ों के साथ ही इन दुर्लभ प्रजाति के नन्हे इंडियन स्कीमर को जंगली जानवरों से बचाने के लिए बड़े पैमाने पर वाचर तैनात कर दिए गए हैं। प्रयागराज में वाइल्डलाइफ की टीम तैयार है। दुनिया के इस सबसे बड़े मेला में ९० से अधिक प्रजातियों के देशी और विदेशी पक्षी पहुंचे हैं। प्रदूषण को रोकने में भी यह काफी कारगर साबित होते हैं। महाकुंभ में इन्हें देखने देश-विदेश से लोग जुटते हैं। यह देखकर कुंभ के दौरान बर्ड फेस्टिवल का भी आयोजन किया है। साथ ही सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्लान तैयार किया जा रहा है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ साथ स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर भी मिलने वाले है।

डीएफओ प्रयागराज ने बताया कि महाकुंभ के दौरान ६६ करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के साथ-साथ इंडियन स्कीमर के १५० से अधिक जोड़े संगम क्षेत्र में पहुंचे हैं।

शशिभूषण बने पीएन कॉलेज के टीआर

डुमरी (ससे): पारसनाथ महाविद्यालय इसरी बाजार में सोमवार को प्रभारी प्राचार्य डॉ मनोज कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में शिक्षक कर्मियों की बैठक कर शिक्षक प्रतिनिधि का चयन किया गया।सर्वसम्मति से कॉलेज मानवविज्ञान विभाग के विभागध्यक्ष सह एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ शशिभूषण को शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में मनोनीत किया गया।डॉ शशि भूषण शिक्षक प्रतिनिधि के रुप में दूसरी बार मनोनीत हुए हैं।

इस दौरान उप प्राचार्य यशवंत कुमार सिन्हा, मो इसरायल समेत सभी विभाग के प्राध्यापक उपस्थित थे।सभी शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मियों ने नव मनोनीत शिक्षक प्रतिनिधि को बधाई दी है।

संभल में होली भी होगी व नमाज भी कुछ लोग भाईचारे में डाल रहे खटास

संभल,(ईएमएस): यूपी के संभल में रमजान, होली और ईद के मद्देनजर पुलिस-प्रशासन अलर्ट है। इस बीच रंग एकादशी के मौके पर शहर के कई इलाकों में होली खेली जा रही है। शाही जामा मस्जिद और हिंसा वाली जगह के आसपास भी लोग एक-दूसरे पर रंग और गुलाल डाल नजर आए है। ऐसे में उन रास्तों पर बैरिकेडिंग करके पुलिस फोर्स को तैनात की गई है, ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना ना हो।

इन सबके बीच सीओ ने होली और जुमा की नमाज को लेकर दिए बयान पर सियासी घमासान मचा हुआ है। स्थानीय लोगों ने सीओ के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी है जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर किसी को रंगों से परहेज है तो वह घर से ना निकले और होली वाले दिन घर पर ही जुमे की नमाज पढ़े। हालांकि संभल कोतवाली क्षेत्र के मिया सराय मोहल्ले के रहने वाले मुस्लिमों को सीओ का ये बयान रास नहीं आया। उन्होंने सीओ के बयान को राजनीतिक बयान करार दिया।

मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कहा कि हिंदुस्तान गुलदस्ते की तरह का एक मुल्क है। कभी हम हिंदुओं के यहां गुझिया खाने जाते हैं तो कभी वे हमारे यहां ईद पर सेवई खाने आते हैं। देश में और संभल में हिंदू-मुसलमान के बीच भाईचारा बना हुआ है।

कुछ ही लोग ऐसे हैं जो हर जगह बवाल फैलाते हैं। मुस्लिमों ने कहा कि संभल में होली भी होगी, रमजान भी और ईद भी मनाई जाएगी, क्योंकि यहां पर शांति का माहौल है। जहां तक पुलिस अधिकारी के बयान की बात है तो उन्होंने पीस कमेटी में हिंदू और मुसलमानों को बुलाकर जैसी बात कही, उनको नहीं कहनी चाहिए थी।

संभल के मुसलमानों का कहना है कि होली तो हमेशा ही मनाई जाती है और कोई भी मुसलमान परेशान नहीं करता है, जिस तरह से हम रमजान मनाते हैं, उस तरह से हिंदू भाई होली मनाते हैं। यहां पर डर और खौफ जैसी कोई बात नहीं है बल्कि सब लोग हंसी खुशी से अपने-अपने त्योहार मनाते हैं। सीओ के बयान पर मुस्लिमों ने कहा कि वह एक पुलिस अधिकारी हैं और उनको इस तरह ही बात नहीं करनी चाहिए, जिससे भाईचारे में खटास पैदा हो।

उधर, संभल के एक मौलाना ने कहा कि होली जुमे के दिन है, ऐसा पहली बार नहीं है, इससे पहले भी कई बार होली जुमे के दिन पड़ी है, जिसमें दोपहर १२ बजे तक रंग खेला जाता है और फिर नमाज होती है। कुछ लोग ऐसे बयान देकर विवाद कराना चाह रहे हैं, जो गलत है।

रमजान-होली के चलते किराना बाजार में बढ़ी खरीदी

महाराजगंज,(ईएमएस) : मार्च में मुस्लिमों के रमजान और होली एक साथ पड़ रहे हैं। रमजान के चलते किराना सामान की दुकानों पर काफी चहल-पहल है। दुकानदार सामानों की वेराइटी पर फोकस कर रहे हैं। वहीं होली को लेकर रंग, गुलाल, पिचकारियों की खरीदारी के लिए बाजारों में भीड़ दिखाई नहीं दे रही है। होली और करीब आने पर दुकानदारों को भीड़ बढ़ने की उम्मीद लगाए हुए हैं।

हर साल होली पर अबीर-गुलाल, पिचकारी, मिठाई आदि वस्तुओं की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में रंग-गुलाल के कारोबारियों ने अपनी दुकानें सजा ली हैं। खरीदारी को लेकर गिने-चुने लोग ही दुकानों पर पहुंच रहे हैं। इस बार के होली पर्व में मिलावटी पनीर का धंधा शुरू हो गया है। इस पनी में कुछ दुकानदार डिटर्जेंट तक का इस्तेमाल करते हैं। वहीं दूसरी तरफ असली पनीर से इसका अंतर खोज पाना मुश्किल होता है। मिठाई कारोबारियों की तैयारी देख खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के जिम्मेदार भी लोगों को मिलावटी सामने खरीदने के लिए जागरुक कर रहे हैं।

बता दें मिलावटी पनीर या सिंथेटिक पनीर हाथों से हल्का सा दबाव डालने पर आसानी से टूट जाते हैं। जबकि असली पनीर सॉफ्ट होता है और दबाव पड़ने पर भी यह जल्द टूटता नहीं है। नकली पनीर को पानी में डाल कर भी इसकी जांच की जा सकती है। पानी में पनीर डालने पर कुछ बूंदें आयोडीन सॉल्यूशन की डाल कर चेक सकते हैं। अगर नीले रंग में बदल जाता है तो इसका मतलब है कि इसमें स्टार्ज मौजूद है और नकली पनीर है।

शहर के एक किराना कारोबारी ने बताया कि रमजान तो चल ही रहे हैं और खरीदारी बराबर हो रही है अब होली के चलते खरीदी और बढ़ गई है। इस बार के होली में मिठाई कारोबारियों द्वारा पर्याप्त मात्रा में दूध इकठ्ठा कराकर अच्छी मिठाइयों को तैयार की जा रही है। होली के त्योहार पर रोडवेज विभाग ने जिले के लोगों को सकुशल घर लाने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। रोडवेज ने अतिरिक्त व्यवस्था की है। नई दिल्ली, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज जैसे लॉग रूट पर बसें लगातार चलेंगी। महराजगंज डिपो ने महराजगंज- दिल्ली मार्ग के लिए १२ बसों को लगाने की तैयारी की है। इसी प्रकार कानपुर मार्ग पर ६ और वाराणसी, प्रयागराज मार्ग पर दो-दो बसें चलाने का फैसला लिया है। वहीं महराजगंज-गोरखपुर, महराजगंज-ठूठीबारी, महराजगंज-फरेन्दा आदि मार्गों पर ३० रोडवेज बसें भी लगातार चलाई जाएंगी।

पटना में लालू यादव के खिलाफ लगे पोस्टर पर सियासत तेज

पटना (एजेंसी): वो साल था १९९० का, जब १० मार्च को लालू यादव ने बिहार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी. ऐसे में लालू यादव के शपथ ग्रहण वाले दिन को याद करते हुए उनको निशाने पर लेने की कोशिश की गई है. यही वजह है कि पटना की सड़कों पर जगह-जगह पोस्टर लगाकर लालू यादव के शपथ ग्रहण वाले दिन को निशाना बनाया गया है. अब आरजेडी सुप्रीमो विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं. तो वहीं इस पोस्टर पर बिहार में जमकर सियासत हो रही है.

पक्ष-विपक्ष के नेताओं की पोस्टर वॉर में एंट्री हो गई है. बता दें कि इस पर आरजेडी, कांग्रेस और बीजेपी के नेताओं ने अपनी प्रतिक्रिया दी है. जिसमें बीजेपी ने लालू यादव पर जमकर हमला बोला है. राजधानी पटना में लगे लालू यादव खिलाफ पोस्टर पर बीजेपी प्रवक्ता अरविंद सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए राजद सुप्रीमो पर करारा प्रहार किया है. दरअसल, पोस्टर के जरिए लालू यादव के शपथ ग्रहण वाले दिन को काला दिन बताया गया है. पटना के अलग-अलग इलाकों में पोस्टर लगाकर राजद सुप्रीमो लालू यादव पर जोरदार हमला बोला गया है. पोस्टर पर लालू यादव की तस्वीर है, पोस्टर पर लिखा है भूलेगा नहीं बिहार... १० मार्च १९९० का वो काला दिन, जब बिहार की जनता का ढोल बजाने के लिए लालू यादव ने लिया था शपथ. हालांकि पोस्टर किसने लगवाया है, ये कहीं नहीं लिखा है. बता दें कि १० मार्च १९९० को लालू यादव पहली बार मुख्यमंत्री बने थे. जिसको याद करते हुए बीजेपी प्रवक्ता अरविंद सिंह ने कहा है कि लालू यादव के राज में 'घपले-घोटाले...हत्या, अपराध और नरसंहार होते थे', इसके अलावा उन्होंने कहा कि 'लालू जी ने बिहार के चरित्र को कलंकित किया है'.

पटना में पोस्टर के जरिए राजद सुप्रीमो लालू यादव पर जोरदार हमला बोला गया है, इसको लेकर बिहार में सियासत भी शुरू हो गई है. राजद विधायक रणविजय साहू ने बयान देते हुए कहा 'अगर लालू यादव नहीं होते तो रणविजय साहू भी बिहार विधानसभा का सदस्य नहीं होता, गरीब वंचित को लालू यादव ने ताकत देने का काम किया. गरीबों के मसीहा हैं लालू यादव, लाख पोस्टर लगा लें, जनता के दिल से लालू को नहीं निकाल सकते'.लालू यादव के खिलाफ लगे पोस्टर पर बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा है कि हमने कोई पोस्टर देखा नहीं है, कार्यकाल तो उनका हम लोग जानते ही हैं'. श्रवण कुमार ने कहा कि 'लालू यादव के राज में बिहार को तीन तरह का सम्मान बिहार को मिल था. जंगल राज का सम्मान बिहार को दिया गया था, अपहरण सम्मान दिया गया था'.

बिहार के भागलपुर से कांग्रेस विधायक अजीत शर्मा ने इस पोस्टर वॉर पर कहा कि 'जो भी मुख्यमंत्री बनते हैं, वह बिहार के विकास में काम करते हैं, लेकिन हो सकता है गरीबों को लालू यादव ने ज्यादा देखा. तो लोग तरह-तरह की बात कर रहे हैं, अभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं, मैं तो आग्रह करूंगा कि वह गरीबों को देखें'.

तेजस्वी यादव को मुसलमानों का वोट लेने की आदत लग गई है : प्रशांत

पटना (एजेंसी): जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने १० मार्च, २०२४ दिन सोमवार को कहा कि बिहार में लालू यादव और नीतीश कुमार के शासन में कोई अंतर नहीं है. लालू यादव के राज में अपराधियों का 'जंगलराज' हुआ करता था और आज नीतीश कुमार के शासन में अधिकारियों का 'जंगलराज' है. लालू राज में अपराधी लोगों को घर जाकर लूटते थे और नीतीश के राज में अधिकारी कलम लगाकर लूट रहे हैं.

दरभंगा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि जैसे लालू राज में अपराधी किसी से नहीं डरा करते थे, ठीक उसी तरीके से अभी अधिकारी किसी से नहीं डरते हैं. दोनों लोगों के राज में सिर्फ बिहार की जनता का ही हजामत बना है. यही कारण है कि बिहार की जनता दोनों पार्टियों से मुक्ति चाहती है.

उन्होंने कहा कि कोई बाबा देश नहीं चलाते हैं, देश में लोकतंत्र है, वह जो चाहे बोल सकते हैं. देश किसी बाबा के कहने से नहीं चलता है, देश जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों से चलता है. देश का कानून संसद में बनता है, किसी बाबा के दरबार में नहीं बनता. प्रशांत किशोर ने कहा कि लोकसभा चुनाव में जनता ने दिखा दिया कि संविधान बदलने का अधिकार किसी को नहीं है, जनता ने अपने वोट से साफ कर दिया है.

उन्होंने तेजस्वी यादव पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें मुसलमानों का मुफ्त में वोट लेने की आदत लग गई है. मुसलमानों को डराने की आदत है कि हमें वोट नहीं दोगे तो बीजेपी आ जाएगी. अब मुसलमानों को विकल्प दिख गया है, जिसका नाम है जन सुराज, इसलिए तेजस्वी ऐसी बयानबाजी कर रहे हैं. जिस दिन मुसलमान राजद से निकल जाएंगे, उस दिन लालटेन का बुझना तय है.

बीजेपी के लोग संस्कारहीन है : राबड़ी देवी

पटना (एजेंसी): बिहार में बीजेपी विधायक हरिभूषण बचौल ने होली पर मुसलमानों को घर में ही रहने की सलाह दी है. उनके इस बयान पर प्रदेश में सियासी घमासान शुरू हो गया है. बीजेपी के बयान पर राजद से लेकर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर तक ने हमला बोला है.

राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने तो बीजेपी वालों को संस्कारहीन बता दिया है. राबड़ी देवी ने कहा कि लोग संस्कारहीन है इसलिए इस तरह का जबान बोलते हैं. देश और दुनिया के लोग देख रहे हैं कि भाजपा के नेता किस तरह का बयान दे रहे हैं. पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सबका खून बराबर होता है. भगवान सबको जन्म देते है. बीजेपी के लोग संस्कारहीन है इसलिए इस तरह का जबान बोलते हैं.

राबड़ी देवी ने आगे कहा कि होली के दिन हिंदू घर से बाहर निकलेंगे और मुस्लिम घर में क्यों बंद रहेंगे. मुसलमान ने क्या बिगाड़ा है. उन्होंने कहा कि जब हमारी सरकार थी तो सभी धर्म, सभी जाति के लोग एक थे. सबके लिए बराबर काम किया जाता था.

हिंदू हो या मुस्लिम सभी लोग एक दूसरे के पर्व त्यौहार में शामिल होते हैं. हम लोग मजार पर जाते हैं, तो वह लोग भी दिवाली और होली में हम लोगों के घर आते हैं. वहीं राजद एमएलसी सुनील कुमार ने बीजेपी विधायक हरीभूषण ठाकुर बचौल को बकलोल कहा. एमएलसी सुनील सिंह ने कहा कि बीजेपी इस तरह का बयान देकर राज्य में दंगा करवाना चाहती है. दो-तीन दिन के अंदर होली है और होली में कई क्षेत्रों में दंगा हो जाए. इसलिए इस तरह का बयान रख देते रहते हैं.

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का मूल मंत्र यही है इस तरह का बयान आरएसएस उपज होते हैं इस तरह का बयान देते हैं. सुनील ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज सांप्रदायिक शक्तियों की गोद में बैठकर यह सब देख रहे हैं एक कमरे में बंद होगा एजेंडा तैयार होता है किस विधायक को क्या बोलना है. इसी में से हैं बीजेपी के विधायक हरीभूषण ठाकुर बचौल. वो बकलोल की तरह बात करते रहते हैं. वहीं इस मामले पर जेडीयू नेता अशोक चौधरी ने कहा कि होली प्रेम की पर्व है. होली खुशियों का त्योहार है.

इस त्यौहार में हिंदू भाइयों को मुस्लिम भाइयों को प्रेम से आमंत्रण देना चाहिए कि वह इस त्यौहार में शामिल हो सके. यहां हिंदू, मुस्लिम, राजपूत, भूमिहार, ब्राह्मण दलित का सवाल नहीं है. अशोक चौधरी ने कहा कि हमारी पार्टी मेरा व्यक्तिगत राय है कि जितना प्यार इंसान से करिए उतना ही अच्छा रहेगा.

पुलिस ने 45 नाबालिगों को बचाया

पटना (एजेंसी): बिहार पुलिस की तरफ से हाल ही में चलाए गए मानव तस्करी निरोधक अभियान में ४२ लड़कियों समेत कुल ४५ बच्चों को बचाया गया है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी. रोहतास जिले (सासाराम) के पुलिस अधीक्षक रोशन कुमार ने बताया कि पिछले सप्ताह ऑपरेशन नटराज के तहत जिले में कई स्थानों पर छापेमारी की गई थी.

उन्होंने कहा कि एक गैर सरकारी संगठन ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) अनिल कुमार जैन को सूचना दी थी कि नाबालिगों को, जिनमें से अधिकतर राज्य के बाहर से हैं, कई तथाकथित ऑर्केस्ट्रा पार्टियों द्वारा काम पर रखा जा रहा है, जो शादियों और अन्य सार्वजनिक समारोहों में प्रस्तुति देते हैं.

अधिकारी ने कहा कि बताया गया कि इन बच्चों को भयावह परिस्थितियों में रहने के लिए मजबूर किया जाता है और उन्हें खुले कपड़े पहनने और अश्लील गानों की धुनों पर नाचने के लिए मजबूर किया जाता है. अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) ने सूचना हमें दी और हमने अभियान शुरू किया. उन्होंने कहा कि बृहस्पतिवार की सुबह शुरू हुआ अभियान छह घंटे तक चला, जिसमें कई पुलिस थानों के कर्मी १९ वाहनों में सवार होकर मौके पर पहुंचे. तीन नाबालिग लड़कों को भी बचाया गया. गिरोह में शामिल होने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया.

अधिकारी ने कहा कि ऐसा लगता है कि लड़कियों को नौकरी और शादी का झांसा दिया गया था. लड़कों को आर्थिक सुरक्षा का वादा किया गया था. बचाए गए सभी बच्चे बेहद गरीब पृष्ठभूमि से हैं. उन्होंने कहा कि आरोपियों को विधिक कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया गया है, जबकि बचाए गए बच्चों के पुनर्वास के लिए कदम उठाए जा रहे हैं. इस बीच गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन (एवीए) के वरिष्ठ निदेशक मनीष शर्मा ने एक बयान में कहा कि पहले, लड़कियों की तस्करी ज्यादातर पश्चिम बंगाल से होती थी, लेकिन अब छत्तीसगढ़ ऐसे नेटवर्क का नया केंद्र बन गया है. अंतर-राज्यीय तस्करी गिरोहों के पीछे प्रभावशाली लोग हो सकते हैं. इन्हें खत्म करने के लिए गहन जांच की ज़रूरत है.

बिहार में सनातन पर सियासत तेज : उपमुख्यमंत्री

पटना (एजेंसी): बिहार में सनातन धर्म और धार्मिक आयोजनों को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है. जहां महागठबंधन के नेता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर चुनावी फायदे के लिए सनातन धर्म की राजनीति करने का आरोप लगा रहे हैं, वहीं भाजपा नेता भी महागठबंधन के नेताओं को सनातन विरोधी बताकर पलटवार कर रहे हैं.

लखीसराय के दौरे पर पहुंचे बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने महागठबंधन पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कहा कि महागठबंधन के नेता सनातन धर्म के विरोधी हैं और उन्हें अपने ही धर्म पर शर्म आती है. उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे लोग संविधान का अपमान करते हैं और सनातन धर्म पर सवाल उठाते हैं.

विजय सिन्हा ने आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर और बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र शास्त्री के बिहार आगमन पर हो रही राजनीति पर भी जवाब दिया. उन्होंने कहा कि १९३ देशों के लोग श्री श्री रविशंकर को पूजते हैं, लेकिन महागठबंधन के नेताओं को उनके बिहार आने से परेशानी हो रही है. उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी मानसिकता रखने वाले लोग भारत में रहने योग्य नहीं हैं.महागठबंधन पर हमला बोलते हुए विजय सिन्हा ने उन्हें 'ठगबंधन' करार दिया. उन्होंने कहा कि महागठबंधन के नेता जनता को गुमराह करने का काम कर रहे हैं.

उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में जब-जब महागठबंधन सत्ता में रहा है, तब-तब राज्य में जातीय उन्माद, अपराध और अपहरण जैसी घटनाएं बढ़ी हैं. वहीं, जब भी भाजपा सत्ता में आई है, तब सुशासन और कानून का राज स्थापित हुआ है.

उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने गृह मंत्री अमित शाह द्वारा मिथिला में सीता मंदिर निर्माण की घोषणा का स्वागत किया. उन्होंने कहा कि जिस तरह अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हुआ है, उसी तरह अब मिथिला में भी माता सीता का भव्य मंदिर बनेगा.

उन्होंने कहा कि अब बिहार की धरती पर मां जानकी की भक्ति की जागृति होगी और 'सियापति रामचंद्र की जय' का उद्घोष गूंजेगा.

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा।
Email Id:rdsdjmt@gmail.com

अल्पकालीन ई0–निविदा आमंत्रण संख्या–RDD/SD/JAMTARA/RE2/11/2024-25

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

ग्रुप नं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मुल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
6	जामताड़ा जिला के प्रखण्ड नाला अन्तर्गत सिंदुरकुनिया और साकजोड़ीया के बीच छोटा नदी पर पुल निर्माण।	2,49,05,300.00	4,99,000.00	10,000.00	15 माह

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– दिनांक–12.03.2025
3. ई0–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक–12.03.2025 से दिनांक–22.03.2025 (अपराह्न 5:00 बजे)
4. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा की स्वीकार्य होगी।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जबावदेही संबंधित निविदादाता की होगी।
6. निविदा खोलने का स्थान :– e-Procurement Cell, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा।
7. निविदा खुलने की तिथि एवं समय :– दिनांक–25.03.2025 (अपराह्न 2:00 बजे)
8. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा।
9. ई0–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष संख्या :– 9973957543
10. अधोहस्ताक्षरी/सक्षम पदाधिकारी को किसी भी निविदा को बिना कारण बताये रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा तथा निविदाद ाता को कारण पृच्छा का अधिकार मान्य नही होगा।
11. B.O.Q की राशि घट–बढ़ सकती है, तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

ह0/–
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा।

PR 348235 (Rural Work Department) 24-25 (D)

यूपी में फिर बदलेगी मिलों की तस्वीर

लखनऊ (एजेंसी): योगी सरकार ने औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा फैसला लिया है. करीब दो दशक से बंद पड़ी आधा दर्जन कताई मिलों की ४५१.२० एकड़ बेकार पड़ी भूमि उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) को हस्तांतरित की जाएगी. सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्री परिषद की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई. इस दौरान कुल १९ प्रस्तावों को मंजूरी मिली है.

राज्य सरकार ने स्टेट यार्न कंपनी लिमिटेड, स्पिनिंग कंपनी लिमिटेड, राज्य वस्त्र निगम और सहकारी कताई मिल्स संघ की बंद मिलों की बेकार पड़ी भूमि को उपयोग में लाने का निर्णय लिया है. समीक्षा बैठकों में इन मिलों की भूमि यूपीसीडा को सौंपने और वहां नए उद्योग स्थापित करने के प्रस्ताव को तैयार करने के निर्देश दिए गए थे. उत्तर प्रदेश सहकारी कताई मिल्स संघ लिमिटेड कानपुर की बंद पड़ी कताई मिलों पर सरकारी देनदारी और अन्य मदों में लगभग डेढ़ अरब रुपये का बकाया था. इस बकाया को खत्म करने के लिए दिसंबर २०२४ में प्रदेश सरकार ने १५० करोड़ रुपये जारी करने का आदेश दिया था.

मुस्लिम बहुल इलाके में खंडित मिला शिवलिंग

कानपुर (एजेंसी): होली के त्योहार से पहले शहर में सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की एक और कोशिश सामने आई है. मामला थाना बेकनगंज क्षेत्र के मिश्रित आबादी वाले इलाके का है, जहां विश्वनाथ बाबू हाते में स्थित एक पूजा स्थल पर कुछ अराजक तत्वों ने एक शिवलिंग को खंडित कर दिया. इस घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और इलाके में तनाव का माहौल बन गया.सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को भी बुलाया गया. कानपुर कमिश्नरेट के आलाधिकारियों ने स्थिति को संभाला और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की.

घटना के मद्देनजर प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए खंडित शिवलिंग को वहां से हटवाकर नया शिवलिंग स्थापित करने की तैयारी की है. साथ ही, किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है. प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है. पुलिस इस घटना के पीछे जिम्मेदार लोगों की तलाश में जुटी हुई है और जल्द ही आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

fssai कार्यालय, अभिहित अधिकारी–सह–अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी,जामताड़ा (झारखण्ड) fssai

खाद्य कारोबारियों के लिए आवश्यक सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत् सभी खाद्य कारोबारियों यथा– होटल, भोजनालय, रेस्टोरेन्ट, पानी विकेताओं, थोक विकेताओ (Wholesaler), वितरक (Distributor), प्रदायक (Supplier), भंडारक (Storer), उत्पादक (Manufacturer), खुदरा विकेता (Retailer), परिवाहक (Transporter), मिठाई, फल–सब्जियों के दुकान, अंडा विकेता, ठेला–खोमचा (Street Venders), शराब विकेता, वधशाला, मीट/चिकन/फिश/कैंटिन, दवा विकेताओं, सरकारी/अर्द्ध सरकारी कार्यालय परिसर में संचालित कैंटिन इत्यादि को फूड लाईसेंस/ रजिस्ट्रेशन लेना अनिवार्य है। बिना वैध खाद्य लाईसेंस/रजिस्ट्रेशन के खाद्य कारोबार करना दंडनीय अपराध है, जिसमें **10 (दस) लाख रू0 तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान है।**

अतः खाद्य कारोबारियों के खाद्य लाईसेंस/रजिस्ट्रेशन के लिए शिविर का आयोजन किया गया है, जिसकी विवरणी निम्न प्रकार है :–

क0	दिनांक	कैम्प आयोजन का स्थल
1	11.03.2025	अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जामताड़ा का कार्यालय (सदर अस्पताल, परिसर अंतर्गत) समय : पूर्वा0 10:00 बजे से अप0 04:00 बजे तक
रजिस्ट्रेशन शुल्क	12 लाख से कम का टर्नओवर	100 रू0
लाईसेंस शुल्क	12 लाख से अधिक का टर्नओवर	2000 रू0 (सामान्य कारोबारी)
		3000 से 5000 रू0 उत्पादक (Manufacturer)

फूड रजिस्ट्रेशन हेतु आवश्यक दस्तावेजों की सूची :–
1. आवेदक का स्वअभिप्रमाणित फोटो पहचान पत्र।
2. अगर पहचान पत्र में व्यवसाय स्थल का पता नहीं है, तो व्यवसाय स्थल के लिए स्वामित्व का दस्तावेज।
3. एक पासपोर्ट आकार का फोटो।

फूड लाईसेंस हेतु आवश्यक दस्तावेजों की सूची :–
4. प्रोपराईटर/पार्टनर की सम्पूर्ण विवरणी(पता/मो0 नं0/ई0मेल आई0डी इत्यादि)
5. खाद्य कारोबारी का पहचान पत्र
6. व्यवसाय स्थल के स्वामित्व का प्रमाण पत्र (सेल डीड/बिजली बिल/ Rent Agreement आदि)
7. प्रोपराईटरशीप से संबंधित self declaration for proprietorship/पार्टनरशीप डीड/फोर्म IX

खाद्य व्यवसाय से संबंधित कुछ विशेष दस्तावेज :–
8. मीट दुकान/वधशाला के रजिट्रेशन/लाईसेंस हेतु स्थानीय निकाय एवं प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड से अनापति प्रमाण–पत्र
9. मैन्युफैक्चरर के लिए युनिट का ब्लुप्रिंट/मशीन एवं इन्सट्रोमेंट की सूची/पानी का रसायनिक एवं जेविक जाँच रिर्पोट।
10. कैटरर/रेस्टुरेंट/होटल के लिए पानी का रसायनिक एवं जेविक जाँच रिर्पोट।
11. रिपैकर के लिए मैन्युफेक्चरर से अनापत्ति प्रमाण पत्र।

नोट–सभी दस्तावेज स्वअभिप्रमाणित रूप में जमा करना है।

इत्यादि के संचालक/मालिक/प्रोपरोईटर इत्यादि को सूचित किया जाता है कि फूड लाईसेंस/रजिस्ट्रेशन लेना सुनिश्चित करें। जाँच के दौरान फूड लाईसेंस/रजिस्ट्रेशन नहीं पाये पर दण्डानात्मक कार्रवाई की जायेगी।

अभिहित अधिकारी–सह–
अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जामताड़ा

PR 348264 Health Med Edu and Family Welfare(24-25)#D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,
DRINKING WATER &SANITATION DIVISION TENUGHAT
Very Short Term e-procurement Notice
Tender reference No. - DWSD/Tenughat/05/2024-25 (1st Call)
DATED: 10-03-2025

Sl no	Name of the work	Estimated Cost (in Rs.)	Earnest Money (Rs.)	Cost of Tender Paper (Rs.)	Time of Completion
1	2	3	4	5	6
1	Renovation of Divisional Office D.W. & S. Division, Tenughat under D.W. & S. Division, Tenughat for the Year 2024-25	932998.00	19000.00	1250.00	10 Days
2	Date & Time of Publication of Tender on Website.	12/03/2025 at 2:00 PM			
3	Last Date & Time for Receipt of Bid. (Online)	20/03/2025 up to 4:00 PM			
4	Cost of tender Paper and Earnest Money Deposit on submission of bids (if applicable) as per mentioned in Annexure- 1 vide letter No - 120 dt 03.10.2023 by Secretary, Department of Information Technology and e -Governance Government of Jharkhand.	20/03/2025 up to 4:00 PM			
5	Date & Time of Opening of Tender	21/03/2025 up to 5:00 PM			
6	Name & Address of Office inviting tender	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division Tenughat			
7	Contact No. of Procurement Office	9430308778, 9934311399			
8	Helpline No. of e-procurement cell	0651-248045			

- No claim shall be entertained because of disputation of internet service being used by the bidders. Bidders are advice to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snags.
- Further details can be seen on website Http://jharkhandtenders.gov.in
- Estimated Cost may be increase or decrease.

Executive Engineer,
Drinking Water & Sanitation Division Tenughat

PR 348283 Drinking Water and Sanitation(24-25)D

महागठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है : सांसद पप्पू यादव

पटना,(ईएमएस): बिहार में साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इस लेकर तमाम पार्टियों ने तैयारी शुरू कर दी है। विधानसभा चुनाव से पहले इसतरह के कयास लगाए जा रहे हैं कि महागठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने महागठबंधन को लेकर बड़ा बयान दिया है।

महागठबंधन में आरजेडी के नेतृत्व को लेकर सांसद पप्पू ने कहा कि महागठबंधन का निर्णय सामूहिक होता है। सबकी सहमति से होता है। महागठबंधन का निर्णय राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, माले के नेता और लालू यादव सब मिलकर लेने वाले है। लेकिन महागठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस करेगी। सांसद यादव ने दो टूक कहा, सवाल ही नहीं उठता है कि आरजेडी और उनका कोई भी नेता अकेला सक्षम है, निर्णय लेने के लिए। कांग्रेस कभी भी किसी के थोपे हुए निर्णय पर नहीं चलती है और ना ही स्वीकार करती है। कांग्रेस हमेशा देश और समाज के हित में निर्णय लेती है। जो बिहार के हित में होगा वहां निर्णय कांग्रेस लेगी।

राहुल गांधी ने लोस में वोटर लिस्ट का उठाया मुद्दा

नई दिल्ली,(ईएमएस): लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सदन में मतदाता सूची का मुद्दा उठाया और कहा कि कई राज्यों में वोटर लिस्ट पर सवाल उठे हैं, इसलिए संसद में चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की टिप्पणी पर हाँ में हाँ मिलाते हुए कहा, सरकार वोटर लिस्ट नहीं बनाती, यह तो सबको पता है, लेकिन सवाल उठ रहे हैं तो ऐसे में अच्छा यही होगा कि संसद में इस विषय पर चर्चा हो।

गौरतलब है कि इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपनी एक टिप्पणी में सवाल करते हुए कहा था कि क्या वोटर लिस्ट सरकार बनाती है? इसी बात पर राहुल गांधी ने कहा, कि आपने सही कहा कि

वोटर लिस्ट क्या सरकार बनाती है? आपने सही बोला कि सरकार वोटर लिस्ट नहीं बनाती है। लेकिन पूरे देश में वोटर लिस्ट पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष शासित प्रत्येक राज्य में और खासकर महाराष्ट्र में साफ-साफ सवाल उठाए जा रहे हैं। पूरा विपक्ष मिलकर सिर्फ यही कह रहा कि वोटर लिस्ट पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। आप तो बनाते नहीं, ये हम मानते हैं, लेकिन वोटर लिस्ट पर चर्चा तो हो जाए। इस प्रकार लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने वोटर लिस्ट के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया और कहा कि पूरा विपक्ष इस विषय पर चर्चा की मांग कर रहा है। इसके साथ ही सदन में हंगामा जारी रहा। इस पर केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि वे सदन के अध्यक्ष को धमका रहे हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि स्पीकर ने सभी सदस्यों को बराबर का समय दिया है और कभी भी किसी प्रकार का पक्षपात नहीं किया। स्पीकर ने स्पष्ट किया कि जो भी सदस्य सदन की मर्यादा का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

इससे पहले लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही स्पीकर ने बताया कि उन्हें स्थगन प्रस्ताव के कई नोटिस मिले हैं, लेकिन किसी भी नोटिस को स्वीकार नहीं किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली जीत पर टीम इंडिया को बधाई दी।

इसके बाद डीएमके सांसद कनिमोझी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के उस बयान की आलोचना की जिसमें उन्होंने तमिलनाडु के नेताओं को असभ्य बताया था। इस मुद्दे पर धर्मेंद्र प्रधान ने सफाई देते हुए कहा कि यदि उनके शब्दों से किसी को ठेस पहुंची हो तो वे अपने शब्द वापस लेते हैं।

ऊंची चोटियों में हिमपात की संभावना

नैनीताल,(ईएमएस): मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है, जिसका असर बुधवार से नजर आने लगेगा। ऊंची चोटियों में हिमपात की संभावना है, जबकि नैनीताल जैसे क्षेत्रों में हल्की बारिश हो सकती है। जलवायु परिवर्तन के चलते मौसम में भारी बदलाव नजर आने लगे हैं, जिस कारण ऋतुएं आगे खिसक रही हैं और शीतकाल भी १५ से २५ दिन आगे खिसक गया है, जिसका असर मध्य मार्च से आगे तक रह सकता है। फरवरी में खत्म होने वाले पश्चिमी विक्षोभ मार्च तक सक्रिय हो गए हैं। बुधवार को आने वाले विक्षोभ इस माह का दूसरा है।

राज्य मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक बुधवार और गुरुवार को मौसम में बदलाव होगा।

रमजान में फैशन शो से भड़के लोग सीएम अब्दुल्ला ने मांगी रिपोर्ट

कश्मीर(ईएमएस): गुलमर्ग में आयोजित एक फैशन शो को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इस शो में मॉडल्स को बर्फीले माहौल में सेमी-न्यूड कपड़ों में वॉक करते दिखाया गया, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत होने का आरोप लग रहा है।

खासतौर पर रमजान के पवित्र महीने में इस तरह के आयोजन को लेकर लोग आक्रोशित हैं। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद विवाद और बढ़ गया।

सामाजिक और पर्यावरण कार्यकर्ता राजा मुजफ्फर भट ने भी इस आयोजन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पर्यटन विभाग और गुलमर्ग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी से स्पष्टीकरण देने की मांग की है। बता दें कि यह फैशन शो ७ मार्च को गुलमर्ग में आयोजित हुआ था और इसे एक प्रतिष्ठित डिजाइनर लेबल के तहत आयोजित स्की फेस्टिवल

का हिस्सा बताया जा रहा है। विवाद बढ़ने के बाद जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए अधिकारियों से २४ घंटे के भीतर रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने कहा कि स्थानीय संवेदनशीलता की अनदेखी की गई है और इस पवित्र महीने में ऐसा आयोजन करना गलत है। हुर्रियत नेता मीरवाइज उमर फारूक ने भी इस फैशन शो पर कड़ी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा, रमजान के दौरान गुलमर्ग में इस तरह का आयोजन निंदनीय है। कश्मीर अपनी सूफी-संत संस्कृति और धार्मिक परंपराओं के लिए जाना जाता है, ऐसे में इस तरह की अश्लीलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसमें शामिल लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

वहीं बीजेपी विधायक रणबीर सिंह पठानिया ने कहा, कश्मीर घाटी में कट्टरता की आग भड़काने की कोशिश है। हमें सभी विचारों और दृष्टिकोणों के लिए एक स्वीकार्यता विकसित करने की जरूरत है। बीजेपी विधायक के बयान के बाद एनसी-कांग्रेस, पीडीपी और बीजेपी के बीच तीखी बहस शुरू हो गई।

विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठर ने कई बार सदस्यों से शांति बनाए रखने की अपील की और कहा कि चूंकि मुख्यमंत्री ने जांच के आदेश दे दिए हैं, इसलिए इस मुद्दे पर सदन में चर्चा नहीं की जा सकती।

एसजीपीसी ने ज्ञानी कुलदीप सिंह को केसरगढ़ साहिब का बनाया जत्थेदार

चंडीगढ़ (ईएमएस): निहंगों और अन्य सिख संगठनों के विरोध के बावजूद सिख गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी (एसजीपीसी) ने ज्ञानी कुलदीप सिंह गडगज को तख्त केसरगढ़ साहिब, श्री आनंदपुर साहिब का जत्थेदार बनाया है। निहंगों और विरोध के डर से तड़के करीब पौने तीन बजे ही उनकी ताजपोशी की गई। जबकि ताजपोशी के समारोह का समय दिन में रखा गया था। पूरे कार्यक्रम से दरबार साहिब अमृतसर के प्रमुख ग्रंथी ने दूरी बनाई। उन्होंने ताजपोशी के लिए दस्तार तक नहीं भेजी। ज्ञानी को अकाल तख्त के भी कार्यकाली जत्थेदार का जिम्मा मिला है।

शिरोमणि अकाली दल फैसले के खिलाफ है। वरिष्ठ अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया और कुछ अन्य ने अकाल तख्त और तख्त श्री केसगढ़ साहिब के जत्थेदारों की बर्खास्तगी की कड़ी निंदा की थी। शिअद के कार्यकारी अध्यक्ष भूंदड़ ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) और पार्टी के फैसलों के खिलाफ कुछ नेताओं द्वारा जारी बयानों और वीडियों को गंभीरता से लिया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी अकाल तख्त और तख्त श्री केसगढ़ साहिब के दो जत्थेदारों को हटाने की निंदा करते हुए कहा था कि यह प्रतिशोध की कार्रवाई लगती है। अमृतसर में अकाल तख्त और रूपनगर जिले के आनंदपुर साहिब स्थित तख्त श्री केसगढ़ साहिब सिख धर्म की पांच शीर्ष धार्मिक संस्थाओं में शामिल हैं।

एसजीपीसी के इस कदम पर सीएम मान ने कहा था, देखिए, यह धार्मिक मामला है। होना यह चाहिए था कि राजनीति, धर्म से सीखे। लेकिन हो यह रहा है कि राजनीति, धर्म सिखा रही है।

सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था अकाल तख्त ने पिछले वर्ष दो दिसंबर को बादल सहित शिअद नेताओं को २००७ से २०१७ तक पंजाब में उनकी सरकार द्वारा की गई 'गलतियों' के लिए धार्मिक दंड सुनाया था। ज्ञानी रघबीर सिंह, ज्ञानी सुल्तान सिंह और ज्ञानी हरप्रीत सिंह उन पांच सिंह साहिबानों (सिख जत्थेदारों) में शामिल थे, जिन्होंने यह सजा सुनाई थी। ज्ञानी हरप्रीत सिंह को १० फरवरी को तख्त श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार के पद से हटा दिया गया था।

गंगा नदी के प्रदूषित जल वाले बयान पर गर्माई राजनीति

मुंबई,(ईएमएस): महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने गंगा नदी की स्वच्छता को लेकर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि देश की कोई भी नदी साफ नहीं है। उन्होंने ठाकरे ने मनसे की स्थापना के १९ साल पूरे होने के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात कही। राज ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी के नेता बाला नंदगांवकर महाकुंभ से पवित्र जल लेकर आए थे, लेकिन उन्होंने इसे पीने से इनकार कर दिया।

राज ठाकरे ने कहा कि मैंने गंगा नदी की स्थिति के बारे में सोशल मीडिया पर कई वीडियो देखे हैं। मैंने कुछ लोगों को नदी में अपना शरीर खुजलाते और स्नान करते भी देखा। उन्होंने दावा किया कि कोई भी नदी साफ नहीं है। उन्होंने कहा कि

जब राजीव गांधी पीएम थे तब से ही मैं यह दावा सुनता आ रहा हूं कि गंगा जल्द ही साफ हो जाएगी। अब इस मिथक से बाहर आने का समय आ गया है। राज ठाकरे ने पूछा की कि यदि लाखों लोग गोदावरी नदी में पवित्र डुबकी लगाएंगे तो क्या कोई उसका पानी पीएगा।

वहीं महाराष्ट्र के मंत्री और बीजेपी के नेता गिरीश महाजन ने मनसे नेता राज ठाकरे पर पलटवार करते हुए कहा कि ठाकरे को अपनी राय रखने का अधिकार है लेकिन वह उन लाखों लोगों की इच्छाओं की अवहेलना नहीं कर सकते जो नदी में डुबकी लगाना चाहते हैं। महाजन ने कहा कि यह सच है कि गोदावरी नदी का पानी वर्तमान में प्रदूषित है क्योंकि कारखानों का गंदा पानी इसमें मिल रहा है। इसके लिए १२०० एमएलडी की क्षमता वाला सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित कर रहे हैं।

राज ठाकरे की महाकुंभ पर की गई टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए महाजन ने कहा कि शास्त्रों के आधार पर महाकुंभ का आयोजन किया गया है और इसका वैज्ञानिक कारण भी है। उन्होंने कहा कि यह लाखों लोगों की आस्था है...नासिक में २०२७ में कुंभ मेले का आयोजन किया जाएगा।

राहुल गांधी के बयान से कांग्रेस में बढ़ेगी कलह

अहमदाबाद (ईएमएस): गुजरात में विधानसभा चुनाव अभी दो साल का समय शेष हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी पीएम मोदी के गृहराज्य में पहले से ही सक्रिय हो गई है। बीते तीन दशकों से गुजरात में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सत्ता में काबिज है, जबकि कभी यह कांग्रेस का गढ़ हुआ करता था। शायद इस कारण है कि कांग्रेस को लगता है कि आगामी चुनावों में उसकी संभावनाएं बन सकती हैं। राहुल गांधी के हालिया गुजरात दौरे को इसी संदर्भ में देखा जा रहा है।

राहुल गांधी ने गुजरात कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित कर कहा कि पार्टी गुजरात की जनता को सही दिशा नहीं दिखा पा रही है। उन्होंने कांग्रेस के भीतर दो तरह के लोगों की बात की एक जो जनता के साथ हैं और दूसरे जो जनता से कटे हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ नेता बीजेपी के साथ मिले हुए हैं, जिससे कांग्रेस की छवि खराब हो रही है। राहुल ने सख्त कदम उठाने का संकेत देकर कहा कि यदि जरुरी होने पर १०, १५, २० या ३० लोगों को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया जाएगा।

वहीं राहुल गांधी के बयान के बाद कांग्रेस में आंतरिक कलह बढ़ने की संभावना है। उनके बयान के बाद हर गुट दूसरे गुट को बीजेपी की 'बी टीम' साबित करने की कोशिश करेगा। इससे गुजरात कांग्रेस के अंदर फूट और अधिक बढ़ सकती है। वहीं, कांग्रेस के कुछ

वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि राहुल का यह बयान पार्टी के लिए नुकसानदायक हो सकता है, क्योंकि इससे कांग्रेस छोड़ने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

राहुल गांधी ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि गुजरात में कांग्रेस को खड़ा करने का उनका प्रोजेक्ट ५० साल का है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि वर्तमान समय में जब युवा पीढ़ी पांच साल का भी इंतजार नहीं करना चाहती, वहां ५० साल का लक्ष्य पार्टी कार्यकर्ताओं के मनोबल को गिरा सकता है।

इतना ही नहीं नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित कर राहुल गांधी ने कांग्रेस की संगठनात्मक खामियों पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस अक्सर रेस के घोड़े को बारात में और बारात के घोड़े को रेस में भेज देती है। राहुल गांधी के इस तंज के बाद सवाल उठता है कि क्या पार्टी नेतृत्व खुद इस स्थिति के लिए जिम्मेदार नहीं है? राजस्थान, पंजाब, असम और मध्यप्रदेश में पार्टी नेतृत्व की गलतियों के उदाहरण सामने हैं, जहां कांग्रेस के कई कद्दावर नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। गुजरात में आगामी चुनावों के मद्देनज़र कांग्रेस की रणनीति कितनी सफल होगी, यह समय ही बताएगा। लेकिन राहुल गांधी के इस बयान के बाद पार्टी के भीतर हलचल तेज हो गई है।

दिल्ली में रात को हुई फायरिंग, युवक की मौत

नई दिल्ली,(ईएमएस): दिल्ली में रविवार देर रात को दो गुटों के बीच हुई फायरिंग में एक युवक की मौत हो गई। इस घटना से गुस्साए लोंगों ने सोमवार सुबह सड़क जाम कर अपना विरोध जताया। जानकारी अनुसार रविवार को देर रात हुई दो गुटों में फायरिंग की घटना में एक व्यक्ति को गोली लग गई। गंभीर घायलावस्था में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

इस घटना से आक्रोशित लोगों ने सोमवार सुबह को सड़क जाम कर अपना विरोध जताया है। डीसीपी ईस्ट ने घटना के संबंध में बताया कि रविवार देर रात दो गुटों में फायरिंग हुई थी। इस फायरिंग में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान रोहित के तौर पर हुई है।

गर्मी शुरु हुई नहीं कि तमिलनाडु के डिंडीगुल के जंगल में आग

डिंडीगुल,(ईएमएस): देश में मार्च महीने में ही गर्मी का मौसम शुरु हो जाने के कारण आग लगने की घटनाएं भी सामने आने लगी हैं। गर्मी और सूखे मौसम के कारण तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले के पेरुमल कोविल पट्टी पहाड़ी पर रविवार को जंगल में आग लग गई।

देश में बदलते मौसम के चक्र के बीच मार्च महीने में ही तेज गर्मी का ऐहसास होने लगा है, इससे आग लगने की घटनाएं भी सामने आने लगी हैं। तेज गर्मी और सूखे मौसम के चलते तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले के पेरुमल कोविल पट्टी पहाड़ी वाले जंगल में रविवार को आग लगने की सूचना मिली है। बताया गया है कि आग लगने के चंद मिनटों बाद ही यह तेजी से फैलने लगी। आग लगने की सूचना मिलने पर स्थानीय प्रशासन और अग्निशमन दल घटनास्थल पर पहुंच गए। अग्निशमन दल ने आग पर काबू पाने की कोशिशें शुरु कर दी हैं, लेकिन तुरंत ही आग पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका। वहीं दूसरी तरफ आग लगने के बाद ड्रोन कैमरे से एक वीडियो बनाया गया है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में आग की तेज लपटें और उठता हुआ धुंए का गुबार साफ देखा जा सकता है। पेरुमल कोविल पट्टी पहाड़ी वाले जंगल में लगी आग की वास्तविक स्थिति और नुक्सान संबंधी जानकारी फिलहाल नहीं दी जा सकी है।

आग पर काबू पाने की कोशिश के साथ ही क्षेत्र में राहत कार्य लगातार जारी हैं।

तीसरी संतान बेटी हुई तो 50 हजार देंगे : सांसद

विजयनगरम(ईएमएस): आंध्र प्रदेश के विजयनगरम से सांसद के अप्पाला नायडू को बेटियों से अथाह प्रेम है। वे चाहते हैं कि हर घर में बेटी हो और खुशहाल रहे। इसके लिए उन्होंने एक नई पहल की है। उन्होने ऐलान किया है कि जिसके घर में तीसरी संतान बेटी होगी उसे ५० हजार रुपए दिए जाएंगे। नायडू ने यह घोषणा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर की और कहा कि उनकी सफलता में महिलाओं का बड़ा योगदान रहा है, इसलिए वह बेटियों के लिए यह कदम उठा रहे हैं। अप्पाला नायडू का कहना है कि उन्हें अपनी जिंदगी में महिलाओं का काफी योगदान मिला है।

उनकी मां, पत्नी, बहनें और बेटी ने हमेशा उनका साथ दिया है। इसलिए वो चाहते हैं कि लोग बेटी के जन्म पर भी उतनी ही खुशी मनाएं, जितनी बेटे के जन्म पर मनाते हैं। उन्होंने ये ऐलान अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर किया। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की जनसंख्या बढ़ाने की अपील से वो काफी प्रेरित हुए हैं। इसलिए उन्होंने ये अनोखी पहल शुरू की है।

राजौरी में रहस्यमयी बीमारी से एक के बाद हुई मौतों का हुआ खुलासा

जम्मू,(ईएमएस): जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले का बुधाल गांव में कुछ हफ्तों में एक के बाद एक अचानक एक के बाद हुई मौतों ने लोगों में दहशत फैला दी थी। इस रहस्यमयी बीमारी ने १७ लोगों को अपना शिकार बनाया था। मामला बिगड़ने पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसकी जांच शुरू की। अब इन रहयसमयी मौतों की वजह से पर्दा उठता दिख रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन मौत के पीछे क्लोरफेनेपायर नाम का एक खतरनाक कीटनाशक हो सकता है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि आधिकारिक रिपोर्ट को फिलहाल सार्वजनिक नहीं किया गया है। हालांकि सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सीएसआईआर के इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टॉक्सिकोलॉजी रिसर्च (आईआईटीआर) ने इसकी पुष्टि की है। वैज्ञानिकों के मुताबिक इन मौतों का मुख्य कारण क्लोरफेनेपायर ही है। वहीं आईआईटीआर की पुष्टि के बाद पांच दूसरे लैब्स ने भी मृतकों के पास से लिए गए खाने और दूसरे सैंपल में क्लोरफेनेपायर होने की पुष्टि की है।

होली तक मौसम भी बदलेगा रंग, हो सकती है बर्फबारी

नई दिल्ली,(ईएमएस): होली तक फिर मौसम में बदल सकता है। पहाड़ों में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से बादलों की आवाजाही के साथ बारिश की संभावना जताई जा रही है। आईएमडी के मुताबिक १४ मार्च तक जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी हो सकती है। बर्फबारी से एक बार फिर न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे आ सकता है, जिससे दिन में शीतलहर जैसी स्थिति सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक १२ से १५ मार्च तक पंजाब और हरियाणा के कुछ इलाकों में बारिश हो सकती है। १३ से १४ मार्च तक दिल्ली-एनसीआर समेत पड़ोसी राज्यों में बादलों की आवाजाही रहेगी। इस दौरान बूंदाबांदी और हल्की बारिश हो सकती है। कमोबेश यही स्थिति यूपी, बिहार और राजस्थान के आसपास भी बनी रह सकती है। एक अनुमान के मुताबिक उत्तर पूर्व राज्यों में चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र सक्रिय होने से अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, अंडमान निकोबार द्वीप समूह, केरल और असम में हल्की बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात के कुछ हिस्सों के साथ-साथ सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों में हवा तेज हो सकती है।

मौसम विभाग ने दिल्ली में दिन में आसमान साफ रहने और अधिकतम तापमान ३० डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान लगाया है। हालांकि, इस सप्ताह पहाड़ों में फिर से पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम बदलने की संभावना है। १४ मार्च को बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश हो भी सकती है।

आईएमडी के मुताबिक यूपी में १३ मार्च को १२ जिलों में बारिश की संभावना है। हल्की से मध्यम हवाएं चलने से ठंड का अहसास बना रहेगा। हालांकि, अब हवाओं की गति कम होने से दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी होगी। बिहार में कभी गर्मी, कभी ठंड तो कभी बारिश का मौसम बना हुआ है। आईएमडी ने राज्य में बादल छाने, तेज हवाएं चलने और बिजली चमकने व गरज के साथ बारिश होने का अनुमान जताया है। बादलों के कारण तापमान में बढ़ोतरी होगी।

राजस्थान के कई इलाकों में तापमान बढ़ने लगा है, जहां पिछले २४ घंटे में सबसे ज्यादा तापमान सीमावर्ती बाड़मेर में ३८.६ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक इस सप्ताह राज्य के ज्यादातर हिस्सों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान राज्य में अधिकतम तापमान सामान्य से दो से तीन डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहेगा।

उत्तराखंड में अगले २४ घंटे में बर्फबारी हो सकती है। उत्तराखंड में १२ मार्च को उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ और बागेश्वर में बारिश की संभावना है। १३ मार्च को यूएस नगर और हरिद्वार को छोड़कर शेष सभी जिलों में बारिश का अनुमान है। वहीं हिमाचल प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से कई हिस्सों में लगातार पांच दिन तक बारिश और बर्फबारी का अनुमान जताया गया है। आईएमडी के मुताबिक लाहौल स्पीति, चंबा, कांगड़ा, किन्नौर और कुल्लू जिलों के ऊंचाई वाले इलाकों में अलग-अलग जगहों पर हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है। इस दौरान न्यूनतम तापमान में गिरावट से फिर ठंड का एहसास होगा।

जम्मू-कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम में बदलाव की संभावना है। इसका असर १४ मार्च तक रहेगा। घाटी और ऊंचाई वाले इलाकों फिर बर्फबारी होगी और मैदानी इलाकों में सामान्य जनजीवन पर असर पड़ेगा। न्यूनतम तापमान में कमी आने से दिन में ठंड जैसे हालात बने रहेंगे, जिससे एक बार फिर कड़ाके की ठंड पड़ सकती है। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान माइनस ५ डिग्री सेल्सियस, कुपवाड़ा में -२, कोकरनाग में ०.६, काजीगुंड में -०.२ और गुलमर्ग में -७ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कमल हासन ने हिंदिया वाले बयान का किया समर्थन

मुंबई (ईएमएस): महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हार के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे फिर मराठा, मराठी और मराठी मानुष के पुराने फॉर्मूले पर लौट रहे हैं। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव से पहले नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के बहाने अब उद्धव ने मराठी दांव खेल दिया है। उन्होंने अभिनेता से नेता बने कमल हासन ने हिंदिया वाले बयान का समर्थन किया है।

बता दें कि आरएसएस नेता भैयाजी जोशी ने मुंबई में मराठी बोलने को अनिवार्य नहीं बताया था। पूर्व सीएम ठाकरे ने इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जोड़ते हुए मराठा अस्मिता का मुद्दा बना दिया है।

दरअसल दिंवगत हिंदुवादी नेता बाल साहेब ठाकरे ने बीजेपी के जय श्री राम को काउंटर करने के लिए जय भवानी, जय शिवाजी का नारा भी बुलंद किया। मगर विवाद में उनके सुपुत्र उद्धव ठाकरे भूल गए कि बाल ठाकरे को भी मुंबई में हिंदी अखबार निकालने की जरूरत क्यों पड़ी थी?

अक्टूबर-नवंबर में होने वाले मुंबई निकाय चुनाव की तैयारियों में जुटे उद्धव ने कार्यकर्ताओं से कहा कि कमल हासन सही थे जब उन्होंने कहा कि वे (केंद्र) हिंदिया बनाना चाहते हैं, वे देश में फूट डालना चाहते हैं। उन्होंने सीएम स्टालिन के बयान को दोहराया। ठाकरे ने दावा किया कि उन्हें बिहार के लोगों ने बताया कि हिंदी के कारण राज्य की कई भाषाएं विलुप्त हो गई हैं। स्टालिन भी कई बार कह चुके हैं कि हिंदी और संस्कृत के कारण उत्तर भारत की २५ भाषाएं विलुप्त हो गई हैं। ठाकरे ने कहा कि हम हिंदी के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन बीजेपी भाषा के मुद्दे पर फूट डालो और राज करो की नीति अपना रही है।

दरअसल अब उद्धव ने क्षेत्रीय पार्टियों की राजनीति के सूत्र को फिर पकड़ लिया है, इसमें जाति और भाषा जैसे क्षेत्रीय अस्मिता से जोड़े जाते हैं। संघ के पूर्व सरकार्यवाह जोशी के मराठी भाषा वाले बयान से उन्हें मौका भी मिल गया। संघ नेता जोशी ने कार्यक्रम में कहा कि मुंबई की एक भाषा नहीं है। मुंबई के हर हिस्से की अपनी अलग भाषा है और यहां रहने वाले को मराठी सीखने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा कि जैसे घाटकोपर की भाषा गुजराती है और वहां इससे भी काम चल सकता है। शिवसेना (यूबीटी) ने जोशी के बयान को लपक लिया और बयान को मराठी अस्मिता से जोड़ दिया। इस मुद्दे पर महाराष्ट्र विधानसभा में भी काफी हंगामा हुआ। विवाद बढ़ने पर संघ के नेता जोशी ने सफाई दी कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। विधानसभा में सीएम देवेंद्र फड़नवीस ने भी कहा कि महाराष्ट्र की भाषा मराठी है और यहां रहने वाले लोगों को मराठी सीखनी चाहिए।

आरएसएस का मुख्यालय नागपुर में है। केशव बलराम हेडगवार, लक्ष्मण परांजपे, माधवराव सदाशिव गोलवरकर, बाला साहेब देवरस और मोहन भागवत सहित इसके अधिकतर पदाधिकारी महाराष्ट्र से ही बनते हैं। इसके बावजूद आरएसएस और भारतीय जनता पार्टी पर कट्टर हिंदी समर्थक होने के आरोप लगते हैं।

आईफा अवॉड्र्स में पहुंची उर्फी लुक देखकर लोग बोले, चमगादड़

जयपुर,(ईएमएस): आईफा अवॉड्र्स २०२५ में टीवी, ओटीटी और बड़े पर्दे की हस्तियों का जमावड़ा लगा रहा। ८ मार्च की रात आइफा डिजिटल अवॉर्ड्स दिए गए। जितेंद्र कुमार, श्रेया चौधरी, विक्रांत मैसी समेत कई कलाकारों ने अलग-अलग कैटेगरी में अवॉर्ड्स जीते। करीना कपूर और शाहिद कपूर की मुलाकात ने इवेंट की पूरी लाइमलाइट लूट ली।

दोनों को एक साथ देख, लोगों को 'जब वी मेट' और दोनों के रिलेशनशिप याद आ गए। इसी इवेंट में उर्फी जावेद भी शामिल हुईं और रेड कार्पेट पर अपने ऑल ब्लैक लुक को फ्लॉन्ट किया। आईफा के लिए उर्फी जावेद ब्लैक लॉन्ग वेल ड्रेस को चुना।

खेलगांव में होगा सेना भर्ती रैली का आयोजन, संदिग्ध लोगों पर रहेगी कड़ी नजर

रांची (एजेंसी): रांची में सेना भर्ती रैली के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए जाएंगे। इस संबंध में आज जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजंत्री ने सेना एवं पुलिस-प्रशासनिक पदाधिकारियों के साथ की बैठक की। समाहरणालय स्थित सभागार में आयोजित बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, सदर उत्कर्ष कुमार, पुलिस अधीक्षक (नगर) राजकुमार मेहता, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) राजेश्वरनाथ आलोक, उप समाहर्ता नजारत सुदेश कुमार, जिला खेल पदाधिकारी शिवेंद्र कुमार एवं कर्नल विकास भोला उपस्थित थे।

बैठक में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने खेलगांव में सेना भर्ती रैली के लिए फिजिकल टेस्ट, मेडिकल परीक्षण और दस्तावेजों की जांच के लिए जिला प्रशासन की ओर से भी सभी आवश्यक प्रबंध किए जाने के संबंध में पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने भर्ती रैली स्थल पर पेयजल, शौचालय, बिजली, जलपान, चिकित्सा सुविधा, परिवहन सुविधा, पार्किंग, टेंट और अन्य आवश्यक प्रबंध के लिए संबंधित पदाधिकारी को ससमय पूरी तैयारी सुनिश्चित करने को कहा।

रैली स्थल पर पात्र उम्मीदवारों की मैदान में एंट्री सुबह ३-४ बजे शुरू हो जाएगी। जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि सभी विभाग इसके अनुसार तैयारी करें। बैठक में रैली से संबंधित अन्य मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा की गई, जिस पर अन्य अधिकारियों ने भी विभिन्न प्रबंधों पर महत्वपूर्ण सुझाव रखे।

संदिग्ध लोगों पर रहेगी कड़ी नजर

जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि भर्ती रैली के दौरान अभ्यर्थियों द्वारा अपनी शारीरिक क्षमता एवं प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाइयों के प्रयोग और रैली स्थल के आस-पास संदिग्ध लोगों पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि शारीरिक क्षमता एवं प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाइयों के दुरुपयोग की जांच के लिए अभ्यर्थियों का डोप टेस्ट होगा। इसलिए, सभी अभ्यर्थी इन दवाइयों के प्रयोग से बचें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को इसके प्रति युवाओं तथा केमिस्टों को आगाह करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को भर्ती के नाम पर झांसा या प्रलोभन देने वाले संदिग्ध लोगों पर नजर रखने के लिए खुफिया एजेंसियां भी अलर्ट पर रहेंगी।

सीपी सिंह के बयान से आहत इरफान अंसारी ने दी चेतावनी कहा- डीजीपी को बेशर्म कहना अनुचित और निंदनीय

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार के मंत्री इरफान अंसारी ने भाजपा विधायक सीपी सिंह के हालिया बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विधानसभा सत्र के दौरान हुई टिप्पणी को लेकर उन्होंने नाराजगी जताई और कहा कि सीपी सिंह लगातार अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे न सिर्फ उन्हें बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र को ठेस पहुंची है। मीडियाकर्मियों से बातचीत में मंत्री इरफान अंसारी ने कहा, सीपी सिंह जिस तरह से मेरे खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, वह निंदनीय है। सदन में बहस हो सकती है, आलोचना भी हो सकती है, लेकिन व्यक्तिगत हमले और असंसदीय भाषा का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। उन्होंने हमारे अध्यक्ष को 'बेशर्म' कहा, जो पूरी तरह अनुचित और निंदनीय है।

मंत्री ने आगे कहा कि सीपी सिंह का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है, तभी वे इस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। आप कानून व्यवस्था पर सवाल उठा सकते हैं, लेकिन एक जिम्मेदार अधिकारी को अपमानित करना कहां तक उचित है? यह भाजपा की सरकार नहीं है, यह हमारी सरकार है। हम लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं, लेकिन सम्मान चाहिए तो सम्मान देना भी सीखिए।

इरफान अंसारी ने यह भी कहा कि वे एक अल्पसंख्यक समुदाय से आते हैं और भाजपा के कुछ लोग लगातार उन्हें निशाना बनाते हैं। मैं एक मुस्लिम दलित हूं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि मुझे कोई भी कुछ भी कह देगा। मेरा भी सम्मान है और मैं अपने सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं करूंगा। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि सीपी सिंह को अपनी भाषा पर नियंत्रण रखना चाहिए और अध्यक्ष के खिलाफ किए गए बयान पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

सीपी सिंह का पलटवार

वहीं, भाजपा विधायक सीपी सिंह ने मंत्री इरफान अंसारी के बयान को खारिज करते हुए पलटवार किया। उन्होंने कहा कि उन्हें खुद अपनी भाषा पर संयम रखना चाहिए और जो नसीहत वे दूसरों को दे रहे हैं, पहले उसे खुद अपनाएं।

सीपी सिंह ने कहा, मैंने जो कुछ भी कहा है, सोच-समझकर कहा है और अपने बयान पर कायम हूं। इरफान अंसारी अगर इससे आहत हैं, तो यह उनकी समस्या है। इस बयानबाजी के बाद झारखंड की राजनीति गरमा गई है, और देखना होगा कि यह विवाद कहां तक जाता है।

अवैध संरचनाओं पर चला निगम का बुलडोजर

रांची (एजेंसी): रांची नगर निगम ने शहर की सड़कों पर अवैध अतिक्रमण और अस्थायी संरचनाओं को हटाने के लिए एक संयुक्त अभियान शुरू किया है। इस अभियान में नगर निगम की इनफोर्समेंट टीम, जिला प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस मिलकर काम कर रही है। जिसका उद्देश्य है सड़क पर अव्यवस्था को दूर करना और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना। इस दौरान सोमवार को निगम की टीम ने हटिया में अभियान चलाया। वहीं स्थाई संरचनाओं को गिराने का काम किया गया। बुलडोजर की मदद से कई दुकानों और घरों के बाहर अवैध रूप से निर्मित शेड को गिरा दिया गया। वहीं सभी को चेतावनी दी गई कि वे दोबारा ऐसा नहीं करेंगे। अगर वे फिर से अतिक्रमण करते है तो नियम संगत कार्रवाई की जाएगी।

अभियान के दौरान निगम की टीम ने सड़क किनारे खड़े ठेलों, खोमचों, बास-बल्लियों और अन्य अस्थायी प्रतिष्ठानों को जब्त किया। इसके साथ ही उन संरचनाओं को भी ध्वस्त किया गया जो 'नो वेंडिंग जोन' के तहत आती थीं। इस कार्रवाई को शहर की साफ-सफाई और विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान निरंतर चलता रहेगा, ताकि अतिक्रमण की समस्या को पूरी तरह समाप्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि शहरवासियों को सुरक्षित, साफ और व्यवस्थित सड़कें मुहैया कराना निगम का प्राथमिक उद्देश्य है। इसके अलावा, माइकिंग के जरिए लोगों को सूचित किया जा रहा है कि वे अपनी अवैध संरचनाएं खुद हटा लें। अगर कोई नागरिक ऐसा नहीं करता, तो निगम उसे हटाने के लिए कार्रवाई करेगा और सामान जब्त कर ले जाएगा। वहीं संरचना गिराने का खर्च भी भवन मालिक से वसूला जाएगा।

साहिबगंज में दामाद ने ससुर को मारी गोली, वजह यह बताई जा रही

साहिबगंज (एजेंसी): जिले के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के मुरली खैरबन्नी मोड़ के समीप रविवार की रात दामाद ने ससुर को गोली मार दी। जिससे ससुर गंभीर से घायल हो गया। ग्रामीणों की मदद से उसे तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक, गोली पीठ में फंस गयी है। घटना लोगाई गांव की है। जिसे गोली लगी है उसका नाम सुबोल कर्मकार (५५) है। बताया जा रहा है कि ससुर और उसके दामाद गंगा दास के बीच परिवारिक विवाद हो रहा था। विवाद के दौरान ही दामाद ने ससुर को गोली मार दी।

पूर्व डीसी छवि रंजन को सीने में दर्द बिरसा मुंडा जेल से भेजे गए रिम्स

रांची (एजेंसी): रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की अचानक तबीयत बिगड़ गई है, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए रिम्स भेजा गया है। बताया जा रहा है कि छवि रंजन को सीने में दर्द की शिकायत हुई, जिसके बाद उन्हें बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल के डॉक्टरों द्वारा जांच की गई। जांच के बाद उनकी हालत को गंभीर देखते हुए उन्हें रिम्स रेफर कर दिया गया। उनकी तबीयत को लेकर चिकित्सा जांच जारी है, और अस्पताल में उन्हें आवश्यक इलाज दिया जा रहा है। छवि रंजन के ब्लड सैंपल लिए गए हैं और कई महत्वपूर्ण जांच कराए जा रहे है।

साइबर ठगी में देवघर देश में तीसरे नंबर पर पहचान किये गये 74 जिलों में झारखंड के 5 जिले

रांची (एजेंसी): नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (छउठझ) द्वारा १ जनवरी से ४ मार्च २०२५ के बीच जारी आंकड़ों के अनुसार, झारखंड का देवघर जिला साइबर ठगी के मामलों में देश में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस अवधि में देवघर में २,६०४ सक्रिय मोबाइल नंबर साइबर ठगी में शामिल पाए गए हैं। रिपोर्ट में देशभर के ७४ जिलों को साइबर ठगी के हॉटस्पॉट के रूप में चिह्नित किया गया है, जिनमें झारखंड के पांच जिले शामिल हैं: देवघर, दुमका, धनबाद, गिरिडीह और रांची। विशेष रूप से, जामताड़ा जिला, जो पहले साइबर अपराध के लिए कुख्यात था, अब १४वें स्थान पर आ गया है, जो दर्शाता है कि ठगों ने अपने ठिकाने बदल लिए हैं।

साइबर ठगी के शीर्ष ५ जिलों में शामिल हैं:

१. नूह (हरियाणा) - ४,७१७ सक्रिय मोबाइल नंबर
२. डीग (राजस्थान) - ३,४६३ सक्रिय मोबाइल नंबर
३. देवघर (झारखंड) - २,६०४ सक्रिय मोबाइल नंबर
४. अलवर (राजस्थान) - २,२९५ सक्रिय मोबाइल नंबर
५. नालंदा (बिहार) - २,०८७ सक्रिय मोबाइल नंबर

इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि साइबर अपराधियों ने अपने संचालन क्षेत्रों में बदलाव किया है, जिससे नए जिलों में साइबर ठगी के मामलों में वृद्धि हुई है। यह आवश्यक है कि संबंधित जिलों की पुलिस और प्रशासन इस पर कड़ी निगरानी रखें और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाएं।

9वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा आज से

रांची (एजेंसी): झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) की ९वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा ११ मार्च से शुरू हो रही है। परीक्षाएं ११ और १२ मार्च को तीन शिफ्टों में आयोजित की जाएंगी, जिसमें कुल ४,६७,८४९ छात्र शामिल होंगे। परीक्षा संचालन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। रोल शीट, ओएमआर शीट और उपस्थिति शीट सहित सभी जरूरी सामग्री पहले ही स्कूलों को उपलब्ध करा दी गई है।

परीक्षा का समय और विषयवार कार्यक्रम

११ मार्च: पहली शिफ्ट (सुबह ९:४५ - दोपहर १:०० बजे): हिंदी ए, हिंदी बी और अंग्रेजी।

दूसरी शिफ्ट (दोपहर २:०० - शाम ५:१५ बजे): गणित और विज्ञान।

१२ मार्च: तीसरी शिफ्ट: सामाजिक विज्ञान और अन्य भाषाएं। जैक बोर्ड की कक्षा ८वीं और ९वीं की परीक्षाओं के नतीजे १८ से ३० मार्च के बीच जारी किए जा सकते हैं। सभी स्कूल परीक्षा परिणाम जैक बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड कर सकेंगे।

सीएम हेमंत की एयर एम्बुलेंस सेवा असहाय मरीजों के लिए साबित हो रही वरदान

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का लोगों के जीवन सुरक्षा का सकारात्मक प्रयास रंग ला रहा है । आपात स्थिति में गंभीर बीमारियों से जूझ रहे असहाय मरीजों को बेहतरीन चिकित्सीय सेवा उपलब्ध कराने में एयर एंबुलेंस सेवा वरदान साबित हो रही है। मुख्यमंत्री के इस प्रयास से अबतक ९४ मरीजों को झारखण्ड से ससमय एयरलिफ्ट कराकर दूसरे राज्यों के प्रमुख अस्पतालों में शिफ्ट कराया गया। सिर्फ रांची से ७८ जबकि अन्य जिलों से ११ मरीज ऐसे हैं, जिन्होंने एयर एंबुलेंस सेवा का लाभ लिया है।

आम और खास लोगों ने लिया सेवा का लाभ

एयर एंबुलेंस के जरिए त्वरित और सहजभाव से मरीजों को दूसरे राज्यों में इलाज का लाभ मिल रहा है। तभी तो बीते समय में आम लोगों के साथ-साथ गणमान्य लोगों को भी एयर एंबुलेंस की सेवा प्रदान की गई है।

इसके अतिरिक्त विधानसभा चुनाव कार्य के दौरान गंभीर रूप से घायल झारखंड पुलिस बल के कई जवानों को भी ससमय उच्चतर चिकित्सीय सेवा के लिए एयर एंबुलेंस से एयरलिफ्ट कराकर उच्चस्तरीय मेडिकल सेंटर में शिफ्ट कराया जा चुका है।

राज्य के आम और खास हर वर्ग के मरीजों के परिजन नगर विमान विभाग द्वारा संचालित ८२१०५९४०७३ मोबाइल नंबर पर फोन कर एयर एंबुलेंस की सेवा संबंधी जानकारियां २४ घंटे किसी भी समय ले सकते हैं।

जानकारी के अनुसार, झारखण्ड के बाहर अन्य गंतव्य स्थानों पर मरीजों को ले जाने पर संबंधित व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर ५५,००० प्रति उड़ान घंटे के दर पर एयर एंबुलेंस की सुविधा दी जाती है।

निर्धारित रूट और दर

रांची-दिल्ली	₹३.३ लाख
रांची-मुंबई	₹४.४ लाख
रांची-चेन्नई	₹३.८५ लाख
रांची-कोलकाता	₹१.१० लाख
रांची-हैदराबाद	₹३.०२ लाख
रांची-वाराणसी	₹१.३७ लाख
रांची-लखनऊ	₹२.२० लाख
रांची-तिरुपति	₹३.८५ लाख

फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट सी-९० की सुविधा उपलब्ध

तत्काल नागर विमान प्रभाग़ द्वारा एयर एंबुलेंस सेवा के लिए फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट सी-९० की सुविधा उपलब्ध है। जिसके माध्यम से एक मरीज तथा दो परिजनों को एक साथ एयर एम्बुलेंस से अन्य राज्य में चिकित्सा के लिए ले जाया जा सकता है।

भाजपा की सरकार में शिक्षकों से दारू बिकवाया गयाः रामदास सोरेन

रांची (एजेंसी): विधानसभा में स्कूली शिक्षा विभाग की अनुदान मांग पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए विभागीय मंत्री रामदास सोरेन ने कई तरह की चौंकानेवाली बातें कही। उन्होंने भाजपा विधायक नीरा यादव के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि वह सदन का वाकआउट कर गयी हैं। उन्हें बताना चाहिए था कि उनकी सरकार में शिक्षकों से दारू नहीं बिकवाया गया।

इस पर भाजपा विधायक नवीन जायवाल ने गंभीर आपत्ति भी व्यक्त की। उन्होंने इस पंक्ति को सदन की कार्यवाही का पार्ट (स्पंज) नहीं बनाने का स्पीकर से आग्रह किया। सोरेन शिक्षा विभाग से अधिक झारखंड आंदोलन की चर्चा की। गुरुजी क्रेडिट कार्ड प्रारंभ करने की उपलब्धियों को गिनाने के क्रम में वह कह गए- हम लोग दिशोम गुरु के माध्यम से छात्रों को शिक्षा ऋण दे रहे हैं।रामदास सोरेन ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बहुत विकास हो रहा है। जैसे जैसे नयी तकनीकों का उपयोग रहा है, शिक्षा का बहुत विकास हो रहा है। हम जमीन से स्वर्ग तक पहुंच रहे हैं। स्कूली शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि जनजातीय और क्षेत्रीय भाषा की जिलावार रिपोर्ट प्राप्त कर ली गयी है। जिलावार किस भाषा की पढ़ाई होगी, इसका रिपोर्ट कलेक्ट कर लिया गया है। हो, मुंडारी, कुरमाली व अन्य क्षेत्रीय व जनजातीय भाषाओं के शिक्षकों की जल्द होगी नियुक्ति। तीन जिलों, बोकारो, गोड्डा और चाईबासा में नवोदय विद्यालय की तर्ज पर स्कूल खोले जाएंगे। ताकि हमारे गरीब बच्चे भी इंजीनियरिंग, मेडिकल व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकें। उन्होंने बताया कि मेडिसीनल प्लांट भी लगाने पर जोर दिया जा रहा है।

पृष्ठ एक का शेषांश

बाबूलाल ने लगाया---

औरंगजेब ने क्या किया था, काशी में क्या किया गया, यह सब कोई छुपा नहीं है। उन्होंने कहा कि साफ साफ दिखता है कि उधर भी राजनीति हो रही है, इधर भी राजनीति हो रही है। स्पीकर भी राजनीति कर रहे हैं। इसी मुद्दे पर बात बिगड़ गयी और बाबूलाल और स्पीकर के बीच बातें तीखी हो गयी।

गढ़वा में पटाखे की---

पता चल सके और भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल के---

शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छत्तीसगढ़ में १४ जगहों पर छापेमारी की है। ईडी को छापेमारी के दौरान ३० लाख रुपये कैश, पेन ड्राइव और कुछ दस्तावेज मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है। ईडी के डिप्टी डॉयरेक्टर लेवल के अधिकारी की गाड़ी पर भी हमला हुआ है। फिलहाल ईडी इस बाबत कानूनी कार्रवाई कर रही है। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में शराब घोटाले से संबंधित १४ स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। इनमें भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल और उनके करीबी लक्ष्मी नारायण बंसल उर्फ पप्पू बंसल के ठिकाने भी शामिल हैं। ईडी के अनुसार शराब घोटाले में लगभग २१६१ करोड़ रुपये की हेराफेरी की गई। यह पैसा विभिन्न योजनाओं के जरिए अवैध तरीके से निकाला गया और चैतन्य बघेल उन लोगों में से एक थे, जिन्हें पैसा मिला।

भूपेश बघेल का बयान

आवास पर ईडी की छापेमारी के बाद छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा, मैं अखबार पढ़ रहा था और चाय पी रहा था, तभी ईडी की टीम आई। मैंने उनसे कहा कि उनका स्वागत है और मैं महीनों और सालों से उनका इंतजार कर रहा था। मेरी पत्नी, तीन बेटियां, बेटा, बहू, पोते और पोतियां यहां रहते हैं। हम खेती करते हैं। इस संयुक्त परिवार में हम १४० एकड़ जमीन पर खेती करते हैं। हमारे पास वही था, जो हमने घोषित किया था। उन्होंने इसकी जांच की। अलग-अलग लोगों से ३३ लाख रुपये नकद मिले, मेरी पत्नी, बेटे, बहू और बेटियों से। हम खेती भी करते हैं और डेयरी भी चलाते हैं। इसमें स्त्रीधन भी शामिल है। हमने उनसे कहा कि हम उन्हें लिखकर देंगे कि उन्हें हमारे घर से ३०-३३ लाख रुपये मिले हैं। ऐसा माहौल बनाया गया कि नोट गिनने वाली मशीनें लाई गई हैं। मुझे नहीं लगता कि यह बहुत बड़ी रकम है। यह साफ है कि अब विधानसभा में सवाल पूछना अपराध हो गया है। कवासी लखमा ने सवाल पूछे और ईडी ८ दिन के अंदर उनके आवास पर थी, ८ दिन के अंदर उन्हें जेल भेज दिया गया। मैंने विजय शर्मा से गरीबों के लिए आवास के बारे में पूछा। चौथे दिन, वे (ईडी) मेरे आवास पर आ गए।

कांग्रेस बोली- मुद्दों से भटकाने की रणनीति

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में सरकार के सामने मौजूद प्रमुख मुद्दों से ध्यान भटकाने के मकसद से भूपेश बघेल के खिलाफ ईडी की छापेमारी करवाई गई है। बघेल के कार्यालय ने उनके 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट किया, ''सात वर्षों से चले आ रहे झूठे मामले को जब अदालत में बर्खास्त कर दिया गया तो ईडी के मेहमानों ने पूर्व मुख्यमंत्री, कांग्रेस महासचिव भूपेश बघेल के भिलाई निवास में आज सुबह प्रवेश किया है। अगर इस षड्यंत्र से कोई पंजाब में कांग्रेस को रोकने का प्रयास कर रहा है, तो यह गलतफहमी है।'' कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि यह छापेमारी संसद में प्रमुख मुद्दों पर जवाब से बचने के लिए सरकार द्वारा ध्यान भटकाने वाली रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा, ''ये ध्यान भटकाने वाली रणनीति हैं। जब भी संसद सत्र चल रहा होता है, तो लोगों के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की जानी चाहिए, लेकिन वे इन मुद्दों से भागना चाहते हैं।

सरकारी कर्मचारियों और---

की नियुक्ति होगी। हालांकि डीए और डीआर को द्विवार्षिक आधार पर संशोधित किया जाना जारी रहेगा, लेकिन आयोग द्वारा विभिन्न पक्षकारों के साथ विचार-विमर्श शुरू करने से पहले यह संभवतः अंतिम संशोधन होगा। कर्मचारी मंचों ने अगले वेतन आयोग की रिपोर्ट लागू होने से पहले दोनों घटकों को मूल वेतन के साथ समामेलित करने की भी मांग की है। ५वें वेतन आयोग के तहत नियम यह था कि जब मुख्य भत्ता ५० प्रतिशत से अधिक हो जाए तो मूल वेतन को डीए के साथ मिला दिया जाए। सरकार ने २००४ में डीए को मूल वेतन के साथ एकीकृत कर दिया था। हालांकि, बाद के ६वें और ७वें वेतन आयोगों के तहत इस प्रैक्टिस को बंद कर दिया गया था।

बीजेपी प्रवक्ता राफिया नाज़ ने सरकार को कहा विकास विरोधी

रांची (एजेंसी): भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने राज्य सरकार के वित्तीय प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार के पास पर्याप्त राशि होते हुए भी वह योजना के अनुसार खर्च नहीं कर पा रही है।

उन्होंने कहा कि पिछले ११ महीनों में राज्य सरकार ने अपनी योजना बजट की केवल ६३% राशि खर्च की है, जबकि ३७% राशि अभी भी पड़ी हुई है, इससे यह स्पष्ट होता है कि हेमंत सरकार विकास विरोधी सरकार है जो राशि होने के बावजूद जन कल्याणकारी कार्यों में खर्च करने में विफल है।

राफिया ने कहा कि यह वित्तीय अराजकता और नाकाम प्रबंधन का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने बताया कि सरकार शहरी विकास पर २३%, खाद्य आपूर्ति पर २९%, परिवहन पर ६%, पेयजल एवं स्वच्छता पर १०% और आईटी विभाग पर मात्र ५% राशि खर्च कर पाई है। आईटी विभाग पर सिर्फ ५% खर्च राज्य की सरकार की नाकामी को उजागर करता है, जहां तकनीकी क्षेत्र को भी नजरअंदाज किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार के द्वारा महत्वपूर्ण विभागों पर खर्च की कमी से जनकल्याण के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। स्वच्छता विभाग, परिवहन विभाग, खाद्य आपूर्ति विभाग और पेयजल विभाग जैसे प्रमुख विभागों में राशि की कमी से जनता को सीधी असुविधा हो रही है।

इन विभागों में खर्च की कमी से साफ-सफाई, परिवहन सेवाएं, राशन वितरण और पानी की उपलब्धता जैसी मूलभूत सेवाओं पर असर पड़ रहा है, जिससे राज्य की जनता की परेशानियां बढ़ गई हैं।

नाज़ ने कहा कि जनता अब हेमंत सरकार के झूठे वादों से थक चुकी है। पिछले कुछ सालों में सरकार ने कई योजनाओं का ऐलान तो किया, लेकिन कोई ठोस कार्य नहीं हुआ।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार की नीतियां केवल कागजी दस्तावेज तक सीमित हैं। इन योजनाओं का वास्तविक लाभ जनता को नहीं मिल पा रहा है और सरकार केवल बयानबाजी करके अपनी नाकामियों को छिपाने की कोशिश कर रही है।

गर्मी में रखना है सब्जी के पौधों को हरा भरा तो आजमाएं बेकिंग सोडा के हैक्स

गर्मी के मौसम में पौधों को खास देखभाल करने की जरूरत होती हैं। ऐसे में आप हम बताएंगे कि कैसे आप सब्जी के पौधों को फिर से हरा- भरा कर सकती हैं।

गर्मी में लगे सब्जी के पौधों धूप के कारण सूखने लगे हैं तो इसे फिर से हरा- भरा करना चाहती हैं तो आपको हम बताएंगे कि आप कैसे बेकिंग सोडा की मदद से अपने घर के सब्जी के पौधों को फिर से ठीक कर सकती हैं। आज के इस आर्टिकल में हम आपको कुछ आसान हैक्स बताने वाले हैं।

बेकिंग सोडा स्प्रे

सब्जी के पौधों की ग्रोथ को अगर आप बढ़ाना चाहती हैं तो आपको सब्जी के पौधों में बेकिंग सोडा से बना स्प्रे को आप डाल सकती हैं। ऐसे में आपके पौधों की ग्रोथ जो धूप के कारण रुप गई हैं वह फिर से बढ़ जाएगी।

बेकिंग सोडा और चीनी

पौधों से कीड़े निकालने के लिए आप चाहे तो बेकिंग सोडा और चीनी की मदद ले सकती हैं। इससे ग्रे कलर के कीड़े जो गर्मी के दिनों में सब्जी में लग जाते हैं वह निकल जाएंगे। ऐसे में सब्जी के पौधों का ग्रोथ निकल जाता है।

फंगस खत्म कैसे करें

पौधों से फंगस निकालने के लिए आप चाहे तो बेकिंग सोडा का इस्तेमाल कर सकती हैं। फंगस हमारे पौधे के ग्रोथ को रोक देते हैं। खासकर गर्मी के दिनों में सब्जी के पौधों में फंगस लग जाती हैं।

पैच टेस्ट जरूर करें

बेकिंग सोडा कई पौधे के लिए अच्छा नहीं होता है। इसलिए सब्जी के पौधों में डालने से पहले आपको पैच टेस्ट करना होगा। इसके लिए पहले थोड़े से पौधे में बेकिंग सोडा को डालकर देखें अगर पौधे को किसी भी तरह का नुकसान नहीं होता है तो आप इसे पूरे पौधे में डाल सकती हैं।

बेकिंग सोडा से चुटकियों में निपटाएं किचन से जुड़े ये काम

आजकल खाने में मीठा सोडा या फिर बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करना काफी नॉर्मल है। क्योंकि केक बनाने के लिए अनिवार्य तौर पर बेकिंग सोडा, मीठा सोडा या फिर बेकिंग पाउडर का इस्तेमाल किया ही जाता है। हालांकि, बेकिंग पाउडर और बेकिंग सोडा दोनों ही चीजें खाने को फुलाने के लिए इस्तेमाल की जाती हैं।

जब इन्हें आटे या मैदा में मिलाया जाता है, तो ये चीजों के साथ रिएक्ट कर उन्हें फुलाने का काम करते हैं। लेकिन कभी आपने सोचा है कि आपके किचन में रखा बेकिंग सोडा कई कामों को आसान कर सकता है। जी हां, आप बेकिंग सोडा का इस्तेमाल सिर्फ खाना बनाने के लिए नहीं बल्कि किचन की सफाई या फिर काम को जल्दी से निपटाने के लिए कर सकती हैं, कैसे आइए जानते हैं।

चीजों को जल्दी उबालने का करेगा काम

मीट, चिकन, दालें और कुछ सब्जियों को उबालने में कई बार देर लग जाती है और गैस की ज्यादा खपत भी होती है। इसलिए सब्जियों या फिर मीट को कुक करने के लिए आप इसमें थोड़ा-सा बेकिंग सोडा डाल सकती हैं। बता दें कि बेकिंग सोडा डालने से न सिर्फ आपकी चीजें जल्दी उबलेगी बल्कि आपका समय भी बचेगा।

मीट को नरम करने के लिए करें इस्तेमाल

कई बार महिलाएं अपनी फिज में अधिक मात्रा में मीट लाकर रख देती हैं, लेकिन फिज में रखने से मीट सख्त हो जाता है। सख्त होने के कारण मीट देर से बनता है या फिर काफी समय तक नरम होने के लिए बाहर रखना पड़ता है। लेकिन अब आपके ऐसा करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि आप मीट को नरम करने के लिए बेकिंग सोडा का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपका मीट बहुत जल्दी में नरम हो जाएगा।

गैस स्टोव को करें क्लीन

बेकिंग सोडा घर की साफ-सफाई में बहुत काम आता है। इसके अंदर एक्सफोलिएटिंग गुण पाए जाते हैं, जो चीजों को साफ रखने का काम करते हैं। अगर आपकी गैस स्टोव गंदी हो गई है, तो आप बेकिंग सोडा इस्तेमाल कर चुटकियों में साफ कर सकती हैं।

बेकिंग करने में आएगा काम

अगर आप ओवन में कुछ भी बना रही हैं, तो आप बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करें। क्योंकि अक्सर महिलाओं को यह शिकायत रहती है कि ओवन में वह कुछ भी बनाती हैं, लेकिन यह फूलता नहीं हैं। तो आप इस समस्या से बचने के लिए बेकिंग सोडा डाल सकती हैं। इससे न सिर्फ आपकी चीजें जल्दी बेक होगी बल्कि स्वादिष्ट भी बनेगी।

अंडा बनेगा एकदम परफेक्ट

आप अंडे को सॉफ्ट और स्पंजी बनाने के लिए बेकिंग सोडा का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप तीन अंडे में 1/2 चम्मच बेकिंग सोडा मिला सकती हैं। हालांकि, आप अंडा जैसे बनाती हैं वैसे ही बनाएं, लेकिन बेकिंग सोडा के साथ कम मात्रा नमक इस्तेमाल करें।

सब्जियों के कीड़े करें साफ

बरसात में अगर आप हरी सब्जी ज्यादा खाती हैं, तो आप इसमें से कीड़े बेकिंग सोडा की सहायता से निकाल सकती हैं। इसलिए आप 10 से 15 मिनट के लिए सब्जी को बेकिंग सोडा वाले पानी में भिगोकर रख दें। इसके बाद साफ पानी से अच्छी तरह धो लें। ऐसा करने से हरा धनिया पर लगे तमाम बैक्टीरिया साफ हो जाएंगे।

सिंक को अंदर से करें साफ

आप सिंक ब्लॉकेज की समस्या से छुटकारा पाना चाहती हैं, तो आप नाली को बेकिंग सोडा से फ्लश करें। इसके लिए आपको बेकिंग सोडा की जरूरत पड़ेगी। नाली में 2-4 बड़े चम्मच बेकिंग सोडा छिड़क दें। इसके बाद 2-3 मिनट तक गर्म पानी डालते रहें। बस आपका सिंक पूरा साफ हो जाएगा।

किचन में नहीं आएगी बदबू

कई बार किचन में रखा सामान खराब हो जाता है या फिर मीट की बदबू आने लग जाती है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो आप इस समस्या से बेकिंग सोडा की मदद से छुटकारा पा सकती हैं। इसके लिए बस आपको किचन की सफाई के दौरान बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करना है या फिर हर्बल पाउच के साथ स्टोर करना है।

ऐसे करें पटियाला सूट को स्टाइल, दिखेंगी लाजवाब

पटियाला सूट ज्यादातर पंजाब में ही पहना जाता है। महिलाओं से लेकर कम उम्र की लड़कियों तक सभी इसे पहनना पसंद करती हैं और वे तरह-तरह से इसे स्टाइल कर पहनती हैं। वहीं कुछ महिलाएं ऐसी भी मौजूद हैं जो पंजाबी कल्चर से बिल्कुल अनजान हैं, लेकिन वे पटियाला सलवार सूट को ट्राई करना चाहती हैं। अगर आप भी उन्हीं महिलाओं में से एक हैं तो इस आर्टिकल को आखिर तक जरूर पढ़ें। जिसमें हम आपको बताने वाले हैं कि आप पटियाला सलवार सूट को पहनते समय किन बातों का ख्याल रखें ताकि आप दिखें बेहद स्टाइलिश।

इस तरह का चुनें दुपट्टा

- अगर आप पटियाला सूट पहन रही हैं तो आप दुपट्टे के लिए फुलकारी दुपट्टे को चुनें।
- फुलकारी दुपट्टा पंजाब की शान है और इसे आप अपने पटियाला सलवार सूट के साथ आसानी से कैरी कर सकती हैं।
- पटियाला सलवार सूट के साथ फुलकारी दुपट्टा चुनते समय कलर कंट्रास्ट का ख्याल जरूर रखें।
- अगर आप कुछ अलग ट्राई करना चाहती हैं तो आप नेट के हैवी दुपट्टे को भी चुन सकती हैं।

ऐसे हेयर स्टाइल लगेंगे बेस्ट

- पटियाला सलवार सूट के साथ आप पंजाबी स्टाइल ब्रैड ही करें ताकि आपका लुक कंप्लीट दिखाई दें।
- ऐसा करने से आपका लुक टिपिकल पंजाबन जैसा दिखाई देने लगेगा।
- साथ ही ब्रैड हेयर स्टाइल को कंप्लीट लुक देने के लिए आप इसमें परांदी का इस्तेमाल करें।
- इसके लिए आप अपनी ऑउटफिट से मैचिंग कलर या कंट्रास्ट वाली कोई भी परांदी को खरीद सकती हैं।

इस तरह से करें ज्वेलरी को स्टाइल

- पंजाबी स्टाइल सूट के साथ आप ज्वेलरी के लिए हैवी इयररिंग्स को कैरी करें।
- ऐसा करने से आपका लुक बेहद गॉर्जियस दिखाई देगा।
- साथ ही हैवी लुक देने के लिए आप चाहे तो बड़े साइज वाले मांग टिके को भी पहन सकती हैं।
- ध्यान रहे कि ज्वेलरी खरीदते समय आप अपने ऑउटफिट के कलर कंट्रास्ट का ख्याल जरूर रखें ताकि आपका लुक स्टाइलिश और यूनिक दिखाई देने लगे।

ये फुटवियर लगते हैं परफेक्ट

- अगर आप पटियाला सूट पहन रही हैं तो फुटवियर पर भी खास ध्यान देना जरूरी होता है।
- इस तरह के सलवार सूट के साथ आप फुटवियर के लिए पंजाबी जुती को चुनें।
- इस तरह की जुती को गुरगाबी जुती कहा जाता है जो कि देखने में बेहद रंग-बिरंगी होती है और पहनने में बेहद आरामदायक भी होती है।
- इस तरह की जुती आपको मार्केट में करीब 200 रुपये से लेकर 400 रुपये तक में आसानी से मिल जाएगी।

घर की सफाई करते वक्त अक्सर लोग कुछ गलतियां कर देते हैं, जिससे फ्लोर उस समय साफ तो हो जाता है, पर कुछ ही देर में यह गंदा भी दिखने लगता है। आइए हम आपको बताते हैं कि क्या नहीं करनी चाहिए।

घर के फ्लोर को साफ करते वक्त कहीं आप भी तो नहीं करती हैं ये गलतियां?

घर के फ्लोर की साफ करते वक्त कई बार लोग कुछ गलतियां कर देते हैं, जिससे फर्श के काले-पीले दाग-धब्बे वैसे ही रह जाते हैं। कुछ लोग तो इसकी सफाई के दौरान गलत प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर लेते हैं, जिसके कारण भी ऐसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अगर आपकी भी ये शिकायत है कि फ्लोर साफ करने के बाद भी यह शीशे की तरह नहीं चमकता है, तो हो सकता है कि आपसे कोई मिस्टेक हो गए हों। आइए हम आपको बताते हैं कि किन गलतियों के कारण आपके घर का फर्श घंटों मेहनत के बाद भी नहीं साइन करता है।

फर्श को साफ करने के दौरा ये हैं कुछ आम गलतियां

गलत सफाई उत्पादों का उपयोग करना फर्श की सतह के लिए गलत सफाई उत्पादों का उपयोग करना फर्श को नुकसान पहुंचा सकता है। लकड़ी के फर्श के लिए, आपको खासकर लकड़ी के फर्श क्लीनर का उपयोग करना चाहिए। टाइल या पत्थर के फर्श के लिए, आप एक बहुउद्देशीय क्लीनर का उपयोग कर सकते हैं।

फर्श को ज्यादा गीला कर देने की गलती

फर्श को बहुत गीला करने से लकड़ी के फर्श को नुकसान हो सकता है। वहीं, अगर टाइल्स या पत्थर के फर्श हैं, तो इसपर फिसलन हो सकती है। इसके अलावा, इसे सूखने में भी काफी समय लगता है।

फर्श को अच्छी तरह से न सुखाना

फर्श को अच्छी तरह से न सुखाने से फर्श पर दाग लग सकते हैं और लकड़ी के फर्श को काफी नुकसान हो सकता है। फर्श को साफ करने के बाद, इसे हमेशा एक सूखे कपड़े से अच्छी तरह जरूर सुखाएं।

खरोंच पैदा करने वाले चीजों से न करें फ्लोर की सफाई

फर्श पर खरोंच पैदा करने वाले चीजों का उपयोग करने से फर्श को नुकसान पहुंच सकता है। फर्श को साफ करने के लिए कभी भी स्टील वूल या खुरदरे स्पंज का उपयोग न करें।

नियमित रूप से सफाई न करना

फर्श को नियमित रूप से साफ न करने से इसपर गंदगी और ज्यादा जम सकती है। ऐसे में, फर्श को साफ करना और भी ज्यादा मुश्किल हो सकता है। अपने फर्श को हर हफ्ते या दो हफ्ते में कम से कम एक बार जरूर साफ करें।

रसोई में एल्युमिनियम फॉयल का उपयोग करते समय रखें इन बातों का ध्यान

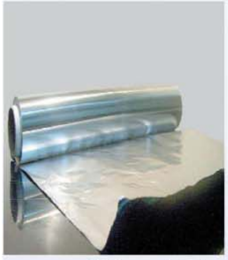

अगर आप ग्रिलिंग कर रहे हैं तो उस दौरान एल्युमिनियम फॉयल का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कबाब या सब्जियां ग्रिल करते समय उन्हें एल्युमिनियम फॉयल में लपेटने से उन्हें समान रूप से पकाने में मदद मिलती है। साथ ही, यह छोटे टुकड़ों को ग्रिल में गिरने से रोकता है।

हम सभी अपनी किचन में एल्युमिनियम फॉयल का इस्तेमाल ना करें, ऐसा होना काफी मुश्किल है। चाहे आप बचे हुए खाने को लपेट रहे हों, बेकिंग कर रहे हों, ग्रिलिंग कर रहे हों या अपने ओवन को साफ रख रहे हों, यह बहुत काम की चीज है। लेकिन बहुत कम लोगों को इस बात की जानकारी है कि इसका गलत तरीके से इस्तेमाल करने से उनके खाने और यहां तक कि आपके स्वास्थ्य पर भी असर पड़ सकता है।

यह सच है कि एल्युमिनियम फॉयल खाना पकाने और स्टोरेज के लिए बहुत बढ़िया है, लेकिन फिर भी कुछ सरल बातों का आपको जरूर ध्यान रखना चाहिए। उदाहरण के तौर पर, एसिडिक फूड्स को सीधे फॉयल में न लपेटें, और इसमें बहुत लंबे समय तक भोजन न रखें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि एल्युमिनियम फॉयल का उपयोग करते समय आपको किन बातों का खासतौर पर ध्यान रखना चाहिए-

ग्रिलिंग के लिए एल्युमिनियम फॉयल का करें इस्तेमाल

अगर आप ग्रिलिंग कर रहे हैं तो उस दौरान एल्युमिनियम फॉयल का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कबाब या सब्जियां ग्रिल करते समय उन्हें एल्युमिनियम फॉयल में लपेटने से उन्हें समान रूप से पकाने में मदद मिलती है। साथ ही, यह छोटे टुकड़ों को ग्रिल में गिरने से रोकता है।

एल्युमिनियम फॉयल से बनाएं कुकिंग पाउच

एल्युमिनियम फॉयल की मदद से कुकिंग पाउच भी बनाया जा सकता है। आप सब्जियों, मसालों और चिकन या मछली के लिए एल्युमिनियम फॉयल के पैकेट बना सकते हैं। ये पाउच खाना बनाते समय नमी और स्वाद को बनाए रखते हैं।

एसिडिक फूड को सीधे न लपेटें

एल्युमिनियम फॉयल में टमाटर, सिरका-बेस्ड डिश, खट्टे फल और अचार जैसे फूड आइटम्स को सीधे नहीं लपेटना चाहिए। ये फूड आइटम्स एल्युमिनियम फॉयल के साथ रिएक्ट करते हैं, जिससे लीचिंग होती है। इसका मतलब है कि एल्युमिनियम की थोड़ी मात्रा आपके भोजन में मिल सकती है। इस लिहाज से इसे हेल्थ के लिए बिल्कुल अच्छा नहीं माना जाता है।

होममेड हेयर जेल बालों को पोषण देने के साथ ही इन्हें लंबे समय तक हेल्दी बनाए रखता है। ऐसे में अगर आप बालों को हेल्दी, सॉफ्ट और शाइनी बनाना चाहते हैं, तो आप घर पर ही नेचुरल हेयर जेल बना सकते हैं।

कम खर्च में बनाएं होममेड हेयर जेल, मुलायम और शाइनी होंगे आपके बाल

मार्केट में बालों की देखभाल के लिए कई महंगे प्रोडक्ट मिलते हैं। ऐसे में इन प्रोडक्ट्स में काफी केमिकल होता है, जो आपके बालों को डैमेज कर सकता है। ऐसे में आप अपने बालों की देखभाल के लिए होममेड हेयर जेल बना सकती हैं। होममेड हेयर जेल बालों को पोषण देने के साथ ही इन्हें लंबे समय तक हेल्दी बनाए रखता है। ऐसे में अगर आप बालों को हेल्दी, सॉफ्ट और शाइनी बनाना चाहते हैं, तो आप घर पर ही नेचुरल हेयर जेल बना सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घर पर हेयर जेल बनाने के आसान तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं।

होममेड हेयर जेल

शिया बटर हेयर जेल

- शिया बटर को पिघलाकर उसमें एलोवेरा जेल मिलाएं।
- अब दोनों को अच्छे से मिक्स करके जेल तैयार कर लें।
- फिर इसको बालों पर लगाकर 20-25 मिनट तक रखने के बाद साफ पानी से धो लें।
- यह बालों को गहराई से हाईड्रेट करता है और बालों में चमक लाता है।
- साथ ही यह हेयर जेल डैमज हेयर को रिपेयर करता है।

फ्लैक्ससीड हेयर जेल

- सबसे पहले एक पैन में पानी डालें और उसमें फ्लैक्ससीड्स डालकर धीमी आंच पर पकने दें।
- अब जब पानी गाढ़ा होकर जेल जैसा दिखने लगे, तो इसको छान लें।
- फिर यह ठंडा होने के बाद एलोवेरा जेल और नारियल तेल डालें।
- अब इसको अपने बालों पर 25-30 मिनट तक लगाएं। इसके बाद शैंपू से धो लें।
- यह आपके बालों को मजबूत और शाइनी बनाता है और इसमे नमी लाता है।
- फ्लैक्ससीड हेयर जेल से स्कैल्प को पोषण मिलता है।

खीरा और एलोवेरा का हेयर जेल

- खीरे को छीलने के बाद इसको कद्दूकस कर लें।
- अब कद्दूकस किए हुए खीरे में एलोवेरा जेल मिलाकर अच्छे से पेस्ट करें।
- इस पेस्ट को बालों में 20-30 मिनट तक लगा रहने दें।
- अब इसको शैंपू से धो लें।
- यह हेयर जेल आपके बालों को ठंडक और नमी देता है।
- साथ ही यह बालों का डैंड्रफ और खुजली दूर करता है।
- यह हेयर जेल रुखे बालों को मुलायम बनाता है।

चिया सीड्स हेयर जेल

- चिया सीड्स को पानी में 2-3 घंटे के लिए भिगो दें।
- जब यह फूल जाए, तो इसमें एलोवेरा जेल मिलाकर अच्छे से मिक्स करें।
- यह करीब 20-25 मिनट तक बालों में लगा रहने दें और फिर बालों को शैंपू से धो लें।
- यह जेल आपके बालों को घना और मुलायम बनाता है।

साथ ही यह हेयर ग्रोथ को भी बढ़ावा देता है।

अब फ्रिज में भी खराब नहीं होंगे टमाटर-हरी मिर्च, इस ट्रिक को अपनाएं

बाजार से ताजी हरी मिर्च और टमाटर लेकर आने के बाद भी फ्रिज में जल्दी सडने लगती है। अगर आप भी परेशान हो गए हैं, तो आप इस ट्रिक को जरुर अपनाएं। इस ट्रिक की मदद से आपके फ्रिज में टमाटर और मिर्च सडेंगे नहीं। बाजार चाहे कितनी भी ताजी सब्जियां लेकर आ जाओ, लेकिन फ्रिज में रखने सडने लगती है। मिर्च और टमाटर हर सब्जी में डाली जाती है। लेकिन जब फ्रिज में हरी-मिर्च रखते हैं, तो जल्द ही खराब हो जाती है। हफ्तेभर में सब्जियां खराब होने लगती है। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो आप इस पॉलीथिन को ट्रिक को अपना सकते है।

पॉलीथिन में ऐसे में स्टोर कैसे करें टमाटर और हरी मिर्च

सब्जियों को जल्द खराब होने से बचाने बचाना चाहते हैं, तो आप अपने टमाटर को हरी-मिर्च को हफ्ते भर तक ताजा रख सकती हैं। इस पॉलीथिन ट्रिक को आप जरुर अपना लें। इसके साथ ही आप पॉलीथिन के अंदर टिशू भी रख सकते हैं। इसके अंदर जमा नहीं भी टिशू पेपर सोख लेगा। मिर्ची को लंबे को समय तक खराब होने से बचाने के लिए आप उसकी डंठल को तोड़कर स्टोर करके रख सकते हैं।

एक बार बैंगन का अचार

खा लिया तो बार-बार खाएंगे, जानें बनाने का तरीका

अचार के साथ खाना खाने में मजा ही आ जाता है। अचार अपने चटपटे और टेस्टी स्वाद और फ्लेवर के कारण अचार खाने से खाना का स्वाद भी डबल हो जाता है। पराठा, पूड़ी, दाल-चावल के साथ अचार बड़े ही स्वाद से खाया जाता है। आइए आपको बैंगन के अचार की रेसिपी के बारे में बताते हैं।

हर भारतीय घरों में खाना के साथ अचार बड़े ही चाव से खाया जाता है। आप सभी के घर में आम, नींबू, मूली, गाजर के अचार जरुर होंगे। अचार खाने को स्वाद को डबल कर देता है। अब सवाल यह कि आप ने कभी बैंगन का अचार खाया है? बैंगन एक ऐसी सब्जी जिसका स्वाद हर किसी को पसंद नहीं आता है। बैंगन की सब्जी खाते समय सभी लोग मुंह बनाते हैं। तो चलिए इस लेख में हम आपको बताने जा रहे हैं बैंगन के अचार की रेसिपी, इसे आप घर में जरुर बनाएं।

बैंगन के अचार खाने से फायदे

बैंगन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसके सेवन से डायबिटीज, हार्ट, एनीमिया दूर होती है। बैंगन में कई पोषक तत्व पाएं जाते हैं, जैसे कि कैल्शियम, आयरन, फाइबर, कॉपर, कैल्शियम और ढेर सारे विटामिन मिनरल से भरपूर बैंगन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होती है।

बैंगन का अचार बनाने की सामग्री

- 2 टेबलस्पून विनेगर
- 2 टेबलस्पून चीनी
- 2 टेबलस्पून तेल और स्वादानुसार नमक
- 4 से 5 खड़ी लाल मिर्च
- 1 टेबलस्पून जीरा
- 1 टी स्पून पीली सरसों
- 5 से 6 लहसुन की कलियां
- 5 से 6 कूचे हुए लहसुन
- 2 इंच अदरक

बैंगन का अचार बनाने की विधि

- बैंगन का अचार बनाने के लिए सबसे पहले आप बैंगन को अच्छे से धो लें। इसके बाद टुकड़ों को काट लें।
- इसके बाद सभी सामग्री को पीस लें और इसमें नींबू का जूस मिलाएं।
- अब तेल को कढ़ाई में डालें और गर्म करें। फिर सरसों का तड़का दें।
- फिर इसमें कुटे हुए लहसुन डालें। करी पता और कटे हुए बैंगन डाल कर फ्राई करें।
- बैंगन जब हल्का सुनहरा होने लगे तब इसमें मसाले को पेस्ट को डालें।
- इसके बाद आधा कप पानी डालें और इसे ढंक दें।
- फिर इसे 5 मिनट के लिए पकने दें।
- अब ढक्कन हटाएं और चीनी और विनेगर मिलाएं।
- अच्छे से ड्राई होने तक पकाएं।
- फिर इसको आप रोटी, पराठे और चावल के साथ खा सकते हैं।

किस विटामिन की कमी से दांत होते हैं कमजोर?

सफेद मोतियों की तरह चमकते हुए दांत आपकी मुस्कान को और भी खूबसूरत बना देते हैं। साथ ही, ये आपके आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं। लेकिन अगर आपके दांतों में पीलापन आने लगे, असमय टूटने लगे या उनकी बनावट खराब होने लगे, तो इसका मतलब है कि आपके शरीर में उन विटामिन्स की कमी हो सकती है, जो दांतों की सेहत को बनाए रखने के लिए जरूरी हैं। आज हम आपको बताएंगे कि वह कौन सा विटामिन है, जिसकी कमी से आपके दांत कमजोर हो सकते हैं और कैसे इसे पूरा किया जा सकता है।

दांतों को मजबूत रखने के लिए विटामिन-डी एक अहम भूमिका निभाता है। विटामिन-डी कैल्शियम को शरीर में अच्छे से अवशोषित करने में मदद करता है, जो न केवल दांतों की सेहत के लिए आवश्यक है, बल्कि हड्डियों को भी मजबूत बनाने में मदद करता है। अगर शरीर में विटामिन-डी की कमी हो, तो इससे दांत कमजोर हो सकते हैं, और टूटने के खतरे में भी बढ़ोतरी हो सकती है। साथ ही, हड्डियों के फ्रैक्चर होने का जोखिम भी बढ़ सकता है।

विटामिन-डी की कमी को कैसे पूरा करें?

सूरज की रोशनी

विटामिन-डी की कमी को पूरा करने का सबसे प्राकृतिक तरीका है सूरज की रोशनी। जब आप सुबह कुछ देर धूप में खड़े होते हैं, तो यह आपके शरीर को पर्याप्त विटामिन-डी प्रदान करता है। इसलिए रोजाना सूरज की रोशनी में कुछ समय बिताना फायदेमंद हो सकता है।

डाइट में बदलाव

विटामिन-डी की कमी को दूर करने के लिए आप अपनी डाइट में बदलाव भी कर सकते हैं। फैटी मछली जैसे सैल्मन, टूना और मैकेरल, अंडे का पीला हिस्सा, फोर्टिफाइड दूध और दही। इन खाद्य पदार्थों का सेवन करने से विटामिन-डी की कमी को पूरा किया जा सकता है।

विटामिन-डी सप्लीमेंट्स

अगर आप विटामिन-डी से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन नहीं कर पा रहे हैं, तो डॉक्टर की सलाह से विटामिन-डी के सप्लीमेंट्स भी ले सकते हैं।

दांतों की सेहत का ख्याल रखने के अन्य टिप्स

सॉफ्ट ब्रिसल वाला टूथब्रश इस्तेमाल करें: अपने दांतों की अच्छी सेहत के लिए मुलायम ब्रिसल वाले टूथब्रश का इस्तेमाल करें, क्योंकि यह दांतों को साफ करने में मदद करता है और दांतों की सतह को नुकसान नहीं पहुंचाता।

सुबह और रात में ब्रश करें: दिन में दो बार, यानी सुबह और रात में सोने से पहले दांतों को जरूर ब्रश करें। यह दांतों को साफ रखने और प्लाक बनने से रोकने में मदद करेगा।

फ्लोराइड टूथपेस्ट का इस्तेमाल करें: दांतों की सख्ती बनाए रखने और कैविटी से बचने के लिए फ्लोराइड युक्त टूथपेस्ट का इस्तेमाल करें।

डेंटल फ्लॉस का उपयोग करें: दांतों के बीच की सफाई के लिए हर दिन डेंटल फ्लॉस का उपयोग करना बहुत जरूरी है। इससे गंदगी और खाद्य कण आसानी से निकल जाते हैं, जो ब्रश से नहीं निकल पाते।

टूथब्रश बदलें: अपने टूथब्रश को हर 3-4 महीने में बदलें, क्योंकि पुराना टूथब्रश प्रभावी तरीके से दांत नहीं साफ कर पाता।

इसलिए, दांतों की सेहत को बनाए रखने के लिए विटामिन-डी की अहमियत समझें और उसे अपनी डाइट और लाइफस्टाइल में शामिल करें।

संक्षिप्त समाचार

अर्जेंटीना में भारी बारिश-बाढ़ से तबाही, 16 की मौत व कई लापता, राष्ट्रीय शोक घोषित

ब्यूनस आयर्स एजेंसी। अर्जेंटीना के पूर्वी तट पर स्थित एक शहर में हाल के दिनों में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से 16 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अर्जेंटीना ने रविवार देर रात तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की। बचाव दल लापता बताए गए दर्जनों लोगों की तलाश कर रहे हैं, जिनमें दो लड़कियां और दो वयस्क शामिल हैं। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि बड़ी संख्या में लोग शुक्रवार को बहिया ब्लैंका शहर में हुई बारिश के कारण आई बाढ़ के पानी में बह गए। राजधानी ब्यूनस आयर्स के दक्षिण में स्थित इस शहर से 1,450 से ज़्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है जिनमें एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती मरीज़ भी शामिल हैं। हाल के दिनों में बहिया ब्लैंका में लगभग 12 इंच (300 मिलीमीटर) बारिश हुई है, जबकि मासिक औसत लगभग पांच इंच (129 मिलीमीटर) है। हालांकि अगले 72 घंटे के लिए बारिश का कोई पूर्वानुमान नहीं है।

मेक्सिको में टैरिफ़ स्थगन पर खुशी की लहर, शिनबाम के नेतृत्व में जश्न

मैक्सिको सिटी , एजेंसी। रविवार को मेक्सिको के हजारों लोग राजधानी के मुख्य चौक पर इकट्ठा हुए। साथ ही राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम के साथ जश्न मनाया। यह जश्न अमेरिका द्वारा मेक्सिको से आयात होने वाली वस्तुओं पर लगाए गए 25प्रतिशत टैरिफ़ को एक महीने के लिए स्थगित करने के बाद मनाया गया। भीड़ ने बड़े मेक्सिकन झंडे लहराए और मेक्सिको का सम्मान किया जाना चाहिए के नारे लगाए। राष्ट्रपति शिनबाम ने भीड़ से कहा कि सौभाग्य से संवाद और सम्मान की जीत हुई है। बता दें कि यह निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लिया गया था, जिन्होंने यह कहा था कि शिनबाम ने ड्रग तस्करी और अवैध अप्रवास के मुद्दों पर प्रगति की है। शिनबाम ने इस सफलता के बाद किसी प्रकार की जवाबी कार्रवाई की योजना को स्थगित कर दिया और सामूहिक रूप से जश्न मनाया।

पूर्व नेपाल नरेश के समर्थकों ने की पीएम के खिलाफ नारेबाजी, ओली की ज्ञानेंद्र को चुनाव लड़ने की चुनौती

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह पोखरा में एक महीने के प्रवास के बाद रविवार को काठमांडो लौटे। हवाईअड्डे पर समर्थकों का बड़ा जमावड़ा रहा, जिन्होंने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के खिलाफ नारेबाजी भी की। पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए नेपाली पीएम ओली ने भी पूर्व नेपाल नरेश ज्ञानेंद्र शाह को मुख्यधारा की राजनीति में आकर चुनाव लड़ने की चुनौती दी। इससे पहले काठमांडो के विभिन्न हिस्सों से निकाली गई रैलियों में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीरें भी दिखीं। इस बीच, सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि देश में राजशाही की वापसी की कोई संभावना नहीं है। नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह (77) पोखरा स्थित अपने वंश के मंदिर में आलमदेवी के दर्शन के लिए गए थे। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरने के बाद जब ज्ञानेंद्र बाहर निकले तो समर्थकों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र ने 19 फरवरी को प्रजातंत्र दिवस के अवसर पर एक बयान जारी कर लोगों से समर्थन मांगा था। आरपीपी सहित अन्य दलों ने पूर्व नरेश के बयान का समर्थन किया था। इस के बाद जब पूर्व नरेश पहली बार रविवार को काठमांडो लौटे ते उनका भव्य स्वागत हुआ। आरपीपी नेताओं ने अपनी पूर्वनिर्धारित बैठक भी स्थगित कर दी और पूर्व राजा का स्वागत करने चले गए।

अब पाकिस्तान के डिप्टी पीएम भी जाएंगे बांग्लादेश

आईएसआई की एंट्री के बाद बदल रहे समीकरण

ढाका, एजेंसी। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच 1971 से ही बहुत अच्छे रिश्ते नहीं रहे हैं, लेकिन शेख हसीना की सत्ता से विदाई होने के बाद समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। जमात-ए-इस्लामी जैसे कट्टरपंथी संगठन अब बांग्लादेश की सत्ता में काबिज हैं और अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस उनके समर्थन में हैं। इसके चलते पाकिस्तान से बांग्लादेश तेजी से रिश्ते सुधार रहा है। पाकिस्तान से आयात को मंजूरी मिली है तो चटगांव समेत दो बंदरगाहों तक पाक से आने वाला माल सीधे पहुंच रहा है। यही नहीं अब राजनीतिक रिश्ते भी सुधर रहे हैं। पाकिस्तान के डिप्टी पीएम मोहम्मद इशाक डार बांग्लादेश जाने वाले हैं। यह यात्रा शहबाज शरीफ और मोहम्मद यूनुस की कई मंचों पर मुलाकात होने के बाद होगी। यह दौरा अहम है क्योंकि 2008 के बाद से अब तक मंत्री स्तर का भी कोई व्यक्ति पाकिस्तान से बांग्लादेश के दौरे पर नहीं गया था। शेख हसीना सरकार के दौर में पाकिस्तान को ज्यादा तवज्जो नहीं दी जा रही थी और भारत के साथ अच्छे रिश्ते थे। लेकिन अब चीजें बदल गई हैं। यहां तक कि भारत के पूर्वोत्तर से लगने वाले हिस्से में भी बांग्लादेश के अधिकारी पाकिस्तान की एजेंसी आईएसआई के लोगों को लेकर पहुंचे थे। इस तरह की निकटता भारत के लिए भी चिंता का सबब है। खासतौर पर चिंता इस बात की है कि पूर्वोत्तर भारत में पाकिस्तानी एजेंसी साजिश का खेल शुरू कर सकती है। पहले भी आईएसआई ने पाकिस्तान से लेकर पूर्वोत्तर तक में उग्रवाद और अलगाववाद को बढ़ाने के प्रयास किए हैं। पाकिस्तान के डिप्टी पीएम के दौरे से पहले बांग्लादेश के सलाहकार मोहम्मद तौहिद हुसैन और इशाक डार की जेद्दा में मुलाकात हुई थी। ढाका स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग का कहना है कि यह मुलाकात बहुत अच्छे माहौल में हुई। यह मीटिंग इस्लामिक सहयोग संगठन की बैठक से इतर हुई। इस मुलाकात में दोनों नेताओं ने आपसी रिश्तों को मजबूत करने पर सहमति जताई। बीते साल अगस्त में ही शेख हसीना की बांग्लादेश की सत्ता से विदाई हुई थी। उसके बाद से ही बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामिक ताकतें मजबूत हुई हैं। इन लोगों का मानना है कि बांग्लादेश को भारत की बजाय पाकिस्तान के करीब जाना चाहिए। यही नहीं 1971 में बांग्लादेश निर्माण के लिए भी ये लोग भारत को श्रेय नहीं देना चाहते। यही नहीं अब वे पाकिस्तान से भाईचारा ही बढ़ाने के पक्ष में हैं।

भगोड़े ललित मोदी की वानुअतु की नागरिकता रद्द

पोर्ट विला , एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के पूर्व अध्यक्ष और वित्तीय गड़बड़ियों के आरोपी ललित मोदी को जोरदार झटका लगा है। वानूआतू के प्रधानमंत्री ने उनके पासपोर्ट का रद्द करने का आदेश दे दिया है। वहीं ललित मोदी ने कुछ दिन पहले ही लंदन के भारतीय दूतावास में भारत के पासपोर्ट को भी सरेंडर कर दिया था। ऐसे में ललित मोदी के आगे ना घर के ना घाट के वाली स्थिति हो गई है।

विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की थी कि ललित मोदी ने अपना पासपोर्ट सरेंडर करने का आवेदन कर दिया है। ललित मोदी 2010 में भारत से भागने के बाद लंदन में ही रह रहे थे। कई बार उन्होंने इंटरव्यू भी दिया और खुद को बेकसूर बताया है। भारतीय पासपोर्ट सरेंडर करने के बाद पता चला कि उन्होंने प्रशांत महासागर के द्वीपीय देश वानूआतू का नागरिकता ले ली है। उन्हें गोल्डन पासपोर्ट मिल गया है। दरअसल वानूआतू अमीर लोगों को अपने देश की नागरिकता खरीदने की अनुमति देता है। लगभग 1.3 करोड़ रुपये ही खर्च करके वहां का पासपोर्ट लिया जा सकता है। हालांकि रिपोर्ट्स में बताया गया कि वानूआतू के पीएम ने अपने सिटिजनशिप कमीशन को उनका पासपोर्ट रद्द करने का आदेश दे दिया है।

इस बात की जानकारी अब तक नहीं है कि वानूआतू ने यह कदम स्वतः उठाया है या फिर भारत के दखल के बाद यह फैसला लिया गया है। वानूआतू को फ्रांस और ब्रिटेन से 1980 में ही स्वतंत्रता मिली थी। इस समय 83 छोटे-छोटे ज्वालामुखी द्वीपों से बने इस देश की कुल जनसंख्या तीन लाख के ही आसपास है। पर्यटन के लिहाज से यह देश काफी अच्छा माना जाता है। ललित मोदी भारतीय एजेंसियों की पकड़ से दूर जाने की पूरी योजना बना चुके थे। माना जा रहा था कि दूसरे देश की नागरिकता मिलने के बाद उनका प्रत्यर्पण बहुत मुश्किल हो जाएगा। वानूआतू की मीडिया में बताया गया है कि भारत के दबाव के बाद ही प्रशासन ने ललित मोदी पर एक्शन लेने का फैसला किया है। रिपोर्ट यह भी कहती है कि न्यूजीलैंड में भारत की उच्चायुक्त नीता भूषण ने ललित मोदी का पासपोर्ट रद्द करवाने में बड़ी भूमिका निभाई है। वानूआतू को पहले जानकारी नहीं थी कि ललित मोदी का रिकॉर्ड क्या है। भगोड़ा होने की जानकारी मिलने के बाद उनपर एक्शन लिया गया है।

बांग्लादेश में ससुर ने बहू की 8 साल की बहन के साथ किया रेप, पति ने दिया साथ !

ढाका एजेंसी। बांग्लादेश में एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। एक आठ साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद पूरे बांग्लादेश में लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। रविवार, 9 मार्च 2025 को सड़कों पर उतरकर लोगों ने महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा पर सख्त कदम उठाने की मांग की। बच्ची यह घटना मगुरा में अपनी बड़ी बहन के घर पर हुई, जहां उसकी बहन के ससुर ने दुष्कर्म किया। बच्ची को गंभीर चोटें आईं और उसे ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आईसीयू में भर्ती किया गया, बाद में उसे सीएमएच अस्पताल ट्रांसफर किया गया। इस मामले में बच्ची के पति ने भी अपराध में सहयोग किया। इस घटना के विरोध में ढाका यूनिवर्सिटी के छात्रों और शिक्षकों ने विरोध रैली निकाली। छात्रों ने कक्षाएं और परीक्षाएं छोड़कर ढाका-राजशाही राजमार्ग को ब्लॉक कर दिया, जिसमें उन्होंने यौन हिंसा के आरोपियों के लिए त्वरित कार्रवाई और सख्त दंड की मांग की। इस घटना ने बांग्लादेश में महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। छात्रों ने आरोपियों के लिए मृत्युदंड की मांग की। कुश्तिया और राजशाही विश्वविद्यालयों में भी विरोध प्रदर्शन हुए। बांग्लादेश में बाल सुरक्षा के लिए काम करने वाली संस्था %सेव द चिल्ड्रन% ने इस अपराध की कड़ी निंदा की। संस्था ने बताया कि इस साल 2,362 महिलाओं और लड़कियों को हिंसा का सामना करना पड़ा है, जिनमें से 1,036 बच्चे शामिल हैं। बांग्लादेश के गृह मामलों के सलाहकार ने यह आश्वासन दिया कि सरकार आरोपियों को सजा दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इस तरह के जघन्य अपराधों को जिम्मेदार व्यक्तियों को बख्शा नहीं जाएगा।

यूक्रेनी सेना पर टूट पड़े रूसी कमांडो, गैस पाइपलाइन के भीतर से जाकर किया हमला

मॉस्को एजेंसी।

रूसी कमांडो के विशेष सुरक्षा बल ने गैस पाइपलाइन के भीतर से कुर्स्क क्षेत्र में पहुंचकर वहां मौजूद यूक्रेनी सेना की टुकड़ी पर हमला कर दिया और उसे भारी नुकसान पहुंचाया।

अगस्त 2024 में रूस के सीमावर्ती कु?र्स्क इलाके में घुसकर यूक्रेनी सेना ने करीब 1,300 वर्ग किलोमीटर भूमि पर कब्जा कर लिया था। इसका कुछ हिस्सा रूस ने मुक्त करा लिया है लेकिन अभी भी बड़ा हिस्सा यूक्रेन के कब्जे में है।

युद्धविराम के लिए शुरू होने वाली वार्ता से पहले रूस यूक्रेन की ज्यादा भूमि पर कब्जा करने के साथ ही यूक्रेनी कब्जे वाली कु?र्स्क की अपनी जमीन को मुक्त करा लेना चाहता है। इससे वार्ता में रूस का पक्ष मजबूत हो जाएगा और यूक्रेन मोलभाव करने की स्थिति से दूर हो जाएगा।

इसी सोच से रूसी सेना ने हाल के दिनों में लगातार बड़े हमले कर पूर्वी यूक्रेन की भूमि पर कब्जा बढ़ाया है और कु?र्स्क पर ताजा हमला किया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि उसने रणनीतिक महत्व वाले लेबेदेव्का गांव पर वापस पा लिया है।

रूस समर्थक सैन्य मामलों के ब्लागर यूरी पोडोल्याक ने बताया कि रूसी स्पेशल फोर्स के जवान कई मील चलकर चौड़ी पाइपलाइन के जरिये कु?र्स्क के उस स्थान तक पहुंचे जहां पर यूक्रेनी सेना का जमावड़ा था। इससे पहले कुछ जवान कई दिन तक उस पाइपलाइन में रहकर यूक्रेनी सेना की टोह लेते रहे थे।

इसके बाद मौका देखकर यूक्रेनी सेना पर अचानक हमला किया। रूसी टेलीग्राम चैनल पर गैस मास्क लगाए इन जवानों के बड़ी टार्च के जरिये गैस पाइपलाइन में आगे बढ़ने के वीडियो दिखाए जा रहे हैं। जिस सुदजा इलाके में रूसी सैनिकों ने हमला किया वह रूस की प्राकृतिक गैस को यूरोप में आपूर्ति का बड़ा केंद्र है। यूक्रेनी सेना के ड्रोनों ने शनिवार-रविवार की रात रूस में 1,300 किलोमीटर भीतर घुसकर वहां स्थित औद्योगिक संयंत्र पर हमला किया। चुवाशिया के गवर्नर ओलेग निकोलायेव ने बताया है कि हमले में किसी के मारे जाने की सूचना नहीं है लेकिन उन्होंने संयंत्र को हुए नुकसान की जानकारी नहीं दी है। इस बीच रूसी सेना ने यूक्रेन के 88 ड्रोन नष्ट करने का दावा किया है।

अमेरिका करेगा पाकिस्तानियों की एंट्री बैन, ट्रंप प्रशासन कर रहा तैयारी !

वाशिंगटन, एजेंसी।

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन पाकिस्तानी नागरिकों के अमेरिका में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है। इस फैसले को लेकर अमेरिकी प्रशासन अंतिम समीक्षा कर रहा है जिसके बाद इसे जल्द ही लागू किया जा सकता है। अगर यह प्रस्ताव मंजूर होता है, तो पाकिस्तान और अफगानिस्तान के नागरिकों के अमेरिका में आने पर सीधा प्रतिबंध लग जाएगा। इस बीच, अमेरिका ने पाकिस्तान को खतरनाक देशों की सूची में डालते हुए नई ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। इसमें अमेरिकी नागरिकों को पाकिस्तान की यात्रा से बचने की सलाह दी गई है।

अमेरिका के विदेश विभाग ने कहा है कि पाकिस्तान में आतंकवाद और सशस्त्र संघर्ष का खतरा बना हुआ है। खासतौर पर बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में आतंकी गतिविधियों की आशंका अधिक है। एडवाइजरी के मुताबिक आतंकी बिना किसी पूर्व चेतावनी के हमले कर सकते हैं। शॉपिंग मॉल, परिवहन केंद्र, हवाई अड्डे, सैन्य प्रतिष्ठान, विश्वविद्यालय, और पूजा स्थल उनके निशाने पर हो सकते हैं। इस्लामाबाद समेत प्रमुख शहरों की सुरक्षा स्थिति बेहद अस्थिर है। इसके अलावा, पाकिस्तान में अमेरिकी राजनयिकों और अधिकारियों को सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होने से रोका गया है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप प्रशासन का यह फैसला पाकिस्तान की बढ़ती सुरक्षा चिंताओं और पृष्ठभूमि जांच में आने वाली दिक्कतों को देखते हुए लिया जा रहा है। अमेरिका को लगता है कि पाकिस्तान से आने वाले नागरिकों की पूरी तरह से सुरक्षा जांच करना मुश्किल हो सकता है। अगर यह प्रतिबंध लागू होता है।

व्हाइट हाउस के निकट खुफिया सेवा के कर्मियों ने हथियारबंद व्यक्ति को गोली मारी

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी खुफिया सेवा के कर्मियों ने इंडियाना से आए एक हथियारबंद व्यक्ति को रविवार तड़के व्हाइट हाउस के पास गोली मार दी. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. खुफिया सेवा के बयान के अनुसार, आधी रात के आसपास व्हाइट हाउस के पास हुई गोलीबारी में (हथियारबंद व्यक्ति के अलावा) कोई और घायल नहीं हुआ. गोलीबारी की घटना के समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फ्लोरिडा में थे. खुफिया सेवा को स्थानीय पुलिस से एक कथित ''आत्मघाती व्यक्ति'' के बारे में सूचना मिली, जो इंडियाना से यात्रा कर रहा था। बाद में खुफिया सेवा के कर्मियों ने व्हाइट हाउस के पास उस व्यक्ति की कार और उसके विवरण से मेल खाते एक व्यक्ति को पाया. खुफिया सेवा ने एक बयान में कहा, ''जैसे ही अधिकारी पास आए, व्यक्ति ने बंदूक तानी और मुठभेड़ शुरू हो गयी. उस दौरान हमारे कर्मियों ने गोलियां चलाईं.'' बयान में कहा गया कि उस व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. हालांकि, घायल व्यक्ति की हालत के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर पहले भी कई हमले हो चुके हैं. इनमें सबसे बड़ा हमला जुलाई 2024 में पेंसिल्वेनिया के बटलर में हुआ था, जब उनकी एक चुनावी रैली के दौरान उन पर गोली चलाई गई थी.

भूकंप के झटकों से हिला अफगानिस्तान

काबुल, एजेंसी। सोमवार को भारत का पड़ोसी देश अफगानिस्तान भूकंप के तेज झटकों से दहल गया। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4 मैग्नीट्यूड रही, लेकिन भूकंप का केंद्र जमीन से महज 10 किलोमीटर नीचे था, जिससे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने बताया कि भूकंप का केंद्र हिंदुकुश क्षेत्र था।

नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने बताया कि जमीन में गहराई में आने वाले भूकंपों की तुलना में सतह पर ऊपर आने वाले भूकंप ज्यादा खतरनाक होते हैं। ऊपरी सतह में आने वाले भूकंपों में ऊर्जा ज्यादा निकलती है, जिससे जमीन पर मौजूद संरचनाओं को नुकसान ज्यादा होता है। फिलहाल अफगानिस्तान में आए भूकंप में नुकसान की खबर नहीं है। इससे पहले पाकिस्तान में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। 8 मार्च को पाकिस्तान में आए भूकंप की तीव्रता 4.2 थी और इसमें भी कोई नुकसान नहीं हुआ था। बीते महीने भारत के दिल्ली एनसीआर के इलाके में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस भूकंप की तीव्रता भी 4.0 थी। इस भूकंप का केंद्र भी जमीन से सिर्फ पांच किलोमीटर नीचे था। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मदद कार्यालय के अनुसार, अफगानिस्तान प्राकृतिक आपदा के लिहाज से बेहद संवेदनशील है और अफगानिस्तान में बाढ़, भूस्खलन और भूकंप का खतरा ज्यादा है। अफगानिस्तान दशकों से युद्ध में उलझा हुआ है और विकास के अधिकतर सूचकांक में पिछड़ा हुआ है। ऐसे में प्राकृतिक आपदाएं इस देश की स्थिति को और खराब बनाती हैं।

कनाडा कभी भी अमेरिका का हिस्सा बनना कबूल नहीं करेगा: पीएम मार्क कार्नी

ओटावा, एजेंसी।

कनाडा के नवनियुक्त प्रधानमंत्री मार्क कार्नी पद संभालते ही सबसे पहले डोनाल्ड ट्रंप पर ही बरस पड़े। अमेरिका राष्ट्रपति का नाम लिए बिना उन्होंने स्पष्ट कह दिया है कि कनाडा कभी भी अमेरिका का हिस्सा बनना कबूल नहीं करेगा। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप जबसे सत्ता में आए हैं वह कनाडा पर हमलावर हैं। पहले उन्होंने टैरिफ की धमकी दी और अब उनका कहना है कि अमेरिका और कनाडा के बीच की सीमा का पुनर्निर्धारण होना चाहिए। जस्टिन ट्रूडो पर उनकी ही पार्टी के अविश्वास के बाद अब अर्थव्यवस्था के जानकार और ट्रूडो सरकार में ही मंत्री रहे मार्क कार्नी को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है।

कार्नी ने कहा कि लिबरल पार्टी एकजुट है और कनाडा के हित में पहले ही की तरह काम करने को तैयार है। हमने इस देश को दुनिया का महान देश बनाया है और अब पड़ोसी चाहता है कि इसपर कब्जा कर लिया जाए। यह कभी नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, अमेरिका हमारे संसाधनों का दोहन करना चाहता है। उसे हमारे पानी, भूमि और देश की जरूरत है। अगर वे सफल हो गए तो हम खत्म हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका एक संस्कृति को खत्म करने वाले पड़ाव पर आ खड़ा हुआ है। वहीं कनाडा विविधता का सम्मान करता है। कनाडा किसी भी रूप में अमेरिका का हिस्सा नहीं हो सकता।

कार्नी 'बैंक ऑफ कनाडा' के पूर्व प्रमुख हैं और 'बैंक ऑफ इंग्लैंड' में अहम पद पर सेवाएं दे चुके हैं, माना जाता है कि इन अहम पदों पर रहने के कारण वह देश को आर्थिक चुनौतियों से बाहर निकालने में सफल रहेंगे।कार्नी ने कहा, 'कोई है जो हमारी अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है।' उनका सीधा इशारो डोनाल्ड ट्रंप की तरफ था।

उन्होंने कहा, 'जैसा कि हम जानते हैं डोनाल्ड ट्रंप ने हमारे द्वारा बनाए गए उत्पादों, हमारे द्वारा बेची जाने वाली वस्तुओं और हमारे जीवनयापन के साधनों पर अनुचित शुल्क लगा दिए हैं। वह कनाडाई परिवारों, श्रमिकों और व्यवसायों पर हमला कर रहे हैं लेकिन हम उन्हें सफल नहीं होने दे सकते।' कार्नी ने कहा कि कनाडा तब तक जवाबी शुल्क लागू रखेगा जब तक अमेरिकी इसे जारी रखता है।

उन्होंने कहा, 'हमने यह लड़ाई शुरू नहीं की लेकिन जब कोई तंग करता है तो कनाडावासी उसे छोड़ते भी नहीं हैं।'ट्रंप की ओर से कनाडा पर शुल्क लगाए जाने और कनाडा को 51वां अमेरिकी राज्य बनाने की बातों से भी देश में ट्रूडो के प्रति नाराजगी है। कुछ लोग अमेरिका की अपनी यात्राएं रद्द कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग अमेरिकी सामान खरीदने से बच रहे हैं।

बीसीसीआई ने की चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम के अजेय प्रदर्शन की सराहना

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शानदार जीत दर्ज करने पर सोमवार को भारतीय टीम को बधाई दी। बीसीसीआई ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि उनके अनुकरणीय नेतृत्व और सामरिक कौशल ने टीम को इस ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कप्तान रोहित के प्रेरणा देने और मिसाल कायम करने वाले नेतृत्व क्षमता ने भारत के विजयी अभियान में निर्णायक भूमिका निभाई है। उन्होंने टीम के प्रमुख कोच गौतम गंभीर की भूमिका की भी सराहना की करते हुए कहा कि उनका निडर दृष्टिकोण और सामरिक अंतर्दृष्टि ने इस विजेता टीम को लक्ष्य हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके अलावा उन्होंने खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ, सहयोगी कर्मियों और चयन समिति को इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए बधाई दी।

बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा, 'पिछले साल टी-20 विश्वकप की सफलता के बाद यह जीत भारतीय क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। एक और वैश्विक टूर्नामेंट में दबदबा बनाना और चैंपियंस ट्रॉफी जीतना एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। टीम ने बेजोड़ निरंतरता और अपने चरित्र के साथ खेला है मैं कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य कोच गौतम गंभीर और पूरी टीम को उनकी ऐतिहासिक सफलता के लिए बधाई देता हूं।

रोहत की टी-20 और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी दोनों खिताब जीतने से उन्हें भारत के सबसे बेहतरीन और सबसे सफल कप्तानों में से एक के शुमार किया है और उनके नेतृत्व में टीम को मजबूती मिली है। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, 'आईसीसी खिताब जीतना हमेशा एक विशेष उपलब्धि होती है और इस टीम ने इसे प्रभावशाली अंदाज में हासिल किया है। अनुभव और युवा ऊर्जा का सहज मिश्रण उल्लेखनीय रहा है और यह जीत भारतीय क्रिकेट की भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक रहेगी।

अगर आप मैदान नहीं छोड़ते, तो आपके पास मौका होता है : हार्दिक पांड्या

दुबई (एजेंसी)। हार्दिक पांड्या को जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में चैंपियन्स ट्रॉफी में नई गेंद से गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालनी पड़ी और इस ऑलराउंडर ने कहा कि उनकी संघर्ष करने की स्वाभाविक क्षमताओं ने उन्हें नई भूमिका में ढलने में मदद की। हालांकि टूर्नामेंट में पांड्या पर अधिक भार नहीं रहा क्योंकि भारत ने मुख्य रूप से चार स्पिनरों के साथ गेंदबाजी की। पांड्या ने पांच मैच में सिर्फ 24.3 ओवर गेंदबाजी की और चार विकेट लिए।

पांड्य ने भारत की खिताबी जीत के बाद मिक्स्ड जोन में कहा, 'गेंदबाजी अपना काम खुद करती है। यह साल सीखने और चुनौतियों से भरा रहा। मेरी मानसिकता ने मुझे कभी चुनौतियों से भागना नहीं सिखाया। मेरा हमेशा से मानना ??रहा है कि अगर चुनौतियां कठिन हैं तो इसका डटकर सामना करो। अगर आप मैदान नहीं छोड़ते हैं, तो आपके पास मौका होता है।

पांड्या ने कहा कि वह बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे हमेशा खुद पर भरोसा रहा है कि मैं यह कर सकता हूं। और साथ ही पर्दे के पीछे की गई कड़ी मेहनत रंग लाती है। मेरा हमेशा मानना ??है कि आप जिस तरह से तैयारी करते हैं, आप उसे खेल में भी दिखा पाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में जीत ने पांड्या को 2017 के टूर्नामेंट में पाकिस्तान से भारत की हार की कड़वी यादों को मिटाने में भी मदद की जिसका वह भी हिस्सा थे। पांड्या ने कहा, 'मैं कह सकता हूं कि आज एक अधूरा सपना पूरा हो गया। लेकिन आठ साल बहुत लंबा समय होता है। आठ साल में जीवन में बहुत कुछ हुआ। लेकिन साथ ही जीतना, और वह भी भारत के लिए, मेरे लिए यह बहुत-बहुत महत्वपूर्ण है।

रोहित शर्मा ने वनडे क्रिकेट से संन्याय पर तोड़ी चुप्पी

'कृपया अफवाहें मत फैलाइए'

'जैसा चल रहा है, वैसा ही...'

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर चैम्पियंस ट्रॉफी का खिताब जीत लिया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने संन्यास के सवाल पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह अभी किसी भी भविष्य की योजना के बारे में नहीं सोच रहे हैं और संन्यास का कोई विचार नहीं है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वह वनडे फॉर्मेट से संन्यास नहीं लेंगे। रोहित शर्मा ने संन्यास पर फैल रही अफवाहों को नकारते हुए कहा, जैसा चल रहा है, वैसा ही चलता रहेगा। मैं इस फॉर्मेट (वनडे) से संन्यास नहीं लेने जा रहा हूं। कृपया इस बारे में कोई अफवाह न फैलाएं। रोहित शर्मा की यह बात उनके फैंस और मीडिया के लिए एक साफ संदेश थी कि वह फिलहाल क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहे हैं।

फाइनल में रोहित शर्मा का प्रदर्शन

फाइनल मुकाबले में रोहित शर्मा ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। उन्होंने 41 गेंदों पर 50 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें तीन छक्के और सात चौके शामिल थे। हालांकि, 76 रन की पारी के बाद, वह न्यूजीलैंड के गेंदबाज रचिन रवींद्र का शिकार बने, जिन्हें उन्होंने विकेटकीपर टॉम लैथम के हाथों स्टम्पिंग कराकर आउट किया। उनका यह प्रदर्शन टीम के लिए बेहद अहम था, क्योंकि उन्होंने भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

● **टीम का समर्थन मेरे लिए था बेहद अहम-** रोहित शर्मा ने अपनी बैटिंग शैली पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, मैंने इस टूर्नामेंट में अपनी बैटिंग में कुछ बदलाव किए हैं। यह स्वाभाविक नहीं था, लेकिन मैं कुछ नया करना चाहता था। टीम का समर्थन मेरे लिए बेहद अहम था। जब आप किसी नए तरीके से खेल रहे होते हैं, तो टीम का समर्थन जरूरी होता है। मुझे खुशी है कि मेरी कोशिश सफल रही। रोहित ने यह भी बताया कि उन्होंने इस टूर्नामेंट में खास तौर पर पिच की प्रकृति को समझा और इसी आधार पर अपनी बैटिंग की योजना बनाई। यह पिच बैटिंग के लिए थोड़ी चुनौतीपूर्ण थी, लेकिन मैंने अपने पैरों का सही तरीके से इस्तेमाल करने की कोशिश की, और यह मुझे मददगार साबित हुआ।

यह जीत सिर्फ टीम की नहीं है, बल्कि...

चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने के बाद, रोहित शर्मा ने भारतीय फैन्स का भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, यह जीत सिर्फ टीम की नहीं है, बल्कि हमारे फैन्स की भी है। यहां की भीड़ शानदार थी, और हमें देखकर बहुत अच्छा लगा।

रोहित ने 'साइलेंट हीरो श्रेयस' का खुलासा किया, बोले- उन्हें नहीं भूलना चाहिए

अपने समृद्ध क्रिकेट इतिहास में सफलता का एक और अध्याय जोड़ने के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 'साइलेंट हीरो' श्रेयस अय्यर का विशेष उल्लेख किया, जो स्टार-स्टडेड मिडिल ऑर्डर में स्थिरता का स्रोत रहे हैं। रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ चार विकेट से जीत दर्ज की। पूरे टूर्नामेंट के दौरान, भारत का मिडिल ऑर्डर साइलेंट गार्ड की तरह रहा है, जो शीर्ष क्रम के ढहने के बाद टीम को प्रतिकूल परिस्थितियों से बचाता है या मैच बचाने वाली साझेदारियां बनाने के लिए उनके साथ जुड़ता है। रोहित ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे इस टीम पर बहुत गर्व है। हमें पता था कि परिस्थितियां कठिन होंगी, लेकिन हमने खुद को अच्छी तरह से ढाल लिया। अगर आप सभी खेलों को देखें, तो पहला मैच बांग्लादेश के खिलाफ था। मुझे पता है कि यह केवल 230 रन थे, लेकिन हम जानते थे कि विकेट थोड़ा धीमा था। हमें साझेदारी की जरूरत थी और बल्लेबाजों ने बड़ी साझेदारी की। बल्लेबाजी में गहराई ने भारत को फायदा पहुंचाया है, श्रेयस अपने शांत व्यवहार और आक्रामक इरादे से बाकी खिलाड़ियों से अलग दिखने में कामयाब रहे हैं। भले ही उनके पास शेखी बघारने के लिए बड़े शतक नहीं थे, लेकिन उनकी निरंतरता ने उन्हें टूर्नामेंट के अंत में भारत के शीर्ष रन बनाने वाले खिलाड़ी बना दिया। श्रेयस ने रचिन रवींद्र के बाद पांच मैचों में 48.60 की औसत से 243 रन बनाए।

केएल राहुल और हार्दिक पंड्या की तारीफ

मैच के बाद, रोहित शर्मा ने अपनी टीम के अन्य खिलाड़ियों की भी तारीफ की। खासकर, केएल राहुल और हार्दिक पंड्या की उन्होंने जमकर सराहना की। रोहित ने कहा, राहुल का दिमाग बहुत मजबूत है। वह किसी भी दबाव में नहीं आता और यही कारण है कि हम उसे मध्यक्रम में रखना चाहते थे। जब वह बल्लेबाजी करता है और परिस्थिति के अनुसार सही शॉट खेलता है, तो वह हार्दिक पंड्या जैसे बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका देता है। रोहित ने आगे कहा, हम चाहते थे कि हमारी टीम ऐसी पिच पर कुछ अलग खेल दिखाए, और राहुल और हार्दिक पंड्या ने इसे बखूबी किया। मैं उनका आभारी हूं।

इस भारतीय ने मैच हमारी पहुंच से दूर किया

● चैंपियन्स ट्रॉफी का फाइनल हारकर बोले सेंटनर

दुबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर ने स्वीकार किया कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की असाधारण पारी ने चैंपियन्स ट्रॉफी के फाइनल में दोनों टीमों के बीच अंतर पैदा किया और चार विकेट की हार को उन्होंने 'कड़वा-मीठा अंत' करार दिया। रोहित ने 83 गेंद में 76 रन की शानदार पारी खेली जिससे भारत ने रविवार को यहां 252 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए करीबी जीत दर्ज की।

सेंटनर ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'मुझे लगता है कि रोहित शर्मा ने जिस तरह से खेला उससे मैच हमारी पहुंच से दूर हो गया। भारत ने दुबई की परिस्थितियों को अच्छी तरह समझा और अच्छा क्रिकेट खेला। मुझे लगता है कि यह कड़वा-मीठा अंत रहा। सेंटनर ने कहा कि खिताबी मुकाबले में हार के बावजूद उन्हें अपनी टीम पर 'गर्व' है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि फाइनल में हमारा सामना एक अच्छी टीम से हुआ। हमने इस पूरे मैच में कई बार चुनौती दी, जो सुखद था और मुझे लगता है कि शायद कुछ ऐसे छोटे-मोटे पल भी रहे, जब हमने इसे अपने से दूर जाने दिया।

चाहता हूं जब जाऊं तो टीम को बेहतर स्थिति में छोड़कर जाऊं : विराट कोहली

दुबई (एजेंसी)। चैम्पियन बल्लेबाज विराट कोहली ने चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने के बाद रविवार को कहा कि उनका काम सिर्फ आईसीसी ट्रॉफियां जीतना ही नहीं बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि जब वह खेल को अलविदा कहें तो भारतीय क्रिकेट बेहतर स्थिति में हो। भारत ने रविवार को फाइनल में न्यूजीलैंड को छह गेंद से हराया। कोहली ने फाइनल के बाद कहा कि जब आप जाएं तो टीम को बेहतर स्थिति में छोड़कर जाना चाहते हैं। मुझे लगता है कि हमारे पास ऐसी टीम है जो अगले आठ साल तक दुनिया की किसी भी टीम का सामना करने के लिये तैयार है।

कोहली फाइनल में एक ही रन बना सके लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ उनका विजयी शतक और आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में अर्धशतक अहम था। कोहली ने कहा कि यह अद्भुत है। हम आस्ट्रेलिया के कठिन दौरे के बाद वापसी करना चाहते थे और बड़ा टूर्नामेंट जीतना चाहते थे। चैम्पियंस ट्रॉफी की जीत अद्भुत है। शुभमन गिल के साथ खड़े कोहली ने कहा कि टीम के सीनियर खिलाड़ी होने के नाते उनका फोकस अगली पीढी को तैयार करने पर भी है।

उन्होंने कहा कि ड्रेसिंग रूम में इतनी प्रतिभा है और वे अपने खेल को अगले स्तर तक ले जाने की कोशिश में हैं। हम सीनियर होने के नाते उनके साथ अनुभव बांटकर, उनकी मदद करके खुश हैं और यही वजह है कि भारतीय टीम इतनी मजबूत है। उन्होंने खिताबी जीत को टीम प्रयासों का नतीजा बताते हुए कहा कि पूरी टीम और सभी ने अपना योगदान दिया। हम एक शानदार टीम का हिस्सा हैं और अभ्यास सत्रों में हमने काफी मेहनत की है। शुभमन, श्रेयस, केएल, हार्दिक सभी ने शानदार प्रदर्शन किया।

पीसीबी अधिकारियों की चैम्पियंस ट्रॉफी पुरस्कार समारोह में गैर मौजूदगी, पैदा हुआ विवाद

कराची (एजेंसी)। चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल के रविवार को दुबई में संपन्न पुरस्कार वितरण समारोह में मेजबान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा मंच पर नहीं बुलाए जाने के कारण विवाद पैदा हो गया। एक सूत्र ने कहा कि पीसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुमैर अहमद मैदान में मौजूद थे लेकिन उन्हें समारोह में नहीं बुलाया गया। वह टूर्नामेंट के निदेशक भी हैं।

सूत्र ने कहा, 'पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी दुबई नहीं जा सके क्योंकि बतौर गृहमंत्री उनकी कुछ मसरूफियत थी लेकिन पीसीबी के सीईओ को फाइनल और पुरस्कार वितरण में पाकिस्तान की नुमाइंदगी करने भेजा गया था। उन्होंने कहा कि किसी कारण से या गलतफहमी की वजह से उन्हें मंच पर नहीं बुलाया गया जहां से आईसीसी अध्यक्ष जय शाह, बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी और सचिव देवजीत सैकिया ने पदक, ट्रॉफी और खिलाड़ियों को जैकेट दिए।

मेजबान पाकिस्तान का कोई प्रतिनिधि मंच पर नहीं था। पीसीबी यह मसला आईसीसी के समक्ष उठा सकता है। पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने भी एक्स पर एक वीडियो डालकर कहा, 'भारत ने चैम्पियंस ट्रॉफी जीती लेकिन पीसीबी का कोई प्रतिनिधि फाइनल के बाद नहीं था। पाकिस्तान मेजबान था। मेरी यह समझ में नहीं आया कि पीसीबी से कोई वहां क्यों नहीं था।

चैंपियन भारत पर हुई पैसों की बारिश, उपविजेता और बाकी टीमों को मिले इतने रुपये

दुबई (एजेंसी)। कप्तान रोहित शर्मा के बल्ले के कमाल और स्पिनरों के धमाल के दम पर भारत ने न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर रिकॉर्ड तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की। इस मैच से पहले रोहित के संन्यास की अटकलें लगाई जा रही थीं लेकिन उन्होंने अपने चिर परिचित फॉर्म में लौटकर आलोचकों के मुंह बंद कर दिए। उनकी कप्तानी में यह टी20 विश्व कप 2024 के बाद भारत ने दूसरा आईसीसी खिताब जीता।

भारत ने टूर्नामेंट में एक भी मैच गंवाये बिना 2002 और 2013 के बाद तीसरी बार खिताब जीता। कोई दूसरी टीम तीन बार यह ट्रॉफी नहीं जीत पाई है। विजेता भारत पर पैसों की बारिश हुई है। भारतीय टीम को 2.4 मिलियन अमेरिका डॉलर यानी करीब 19.5 करोड़ रुपये मिले। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए इनामी राशि में पिछली बार की तुलना में 53 प्रतिशत का इजाफा किया था।

- **उपविजेता टीम को मिले 9.72 करोड़ रुपये** - विजेता के अलावा उपविजेता न्यूजीलैंड की टीम को 1.12 मिलियन डॉलर (करीब 9.72 करोड़ रुपये) मिले, जबकि सेमीफाइनल में बाहर होने वाली दोनों टीमें ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका को 56000 डॉलर (4.86 करोड़ रुपये) मिले। इस टूर्नामेंट की कुल इनामी राशि बढ़कर 6.9 मिलियन डॉलर (करीब 60 करोड़ रुपये) हुई थी। आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने एक बयान में कहा था, पर्याप्त पुरस्कार राशि खेल में निवेश करने और हमारे आयोजनों की वैश्विक प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए आईसीसी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।
- **अन्य टीमों को कितने रुपये मिले** - किसी भी टीम को ग्रुप चरण में जीत हासिल करने पर 34,000 डॉलर (30 लाख रुपये) की पुरस्कार राशि मिली। पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीमों को 350000 डॉलर (करीब तीन करोड़ रुपये), जबकि सातवें और आठवें स्थान पर रहने वाली टीमों को 140000 डॉलर (करीब 1.2 करोड़ रुपये) मिले।